RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

बोकारो, शुक्रवार

13.3.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 141

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

शांति बनाए रखें और पैनिक न करें : पीएम

एजेंसी। नई दिल्ली

कोरोना महामारी के दौर का उदाहरण देकर कहा कि इस संकट से उबर जाएंगे

देश में एलपीजी सप्लाई को लेकर फैली अफवाहों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता से शांति बनाए रखने और पैनिक न करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण ऊर्जा की सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, लेकिन हमारी सरकार संकट से निपटने में सक्षम है। पीएम मोदी ने तमिलनाडु में एनडीए की मीटिंग के दौरान सभी से सही जानकारी साझा करने और बिना पुष्टि के अफवाहें न फैलाने का आग्रह किया। वहीं केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एलपीजी सप्लाई पर नजर रखने के लिए कंट्रोल रूम बनाए हैं। मंत्रालय का कहना है कि घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पहले की तरह जारी है और पैनिक खरीद से स्थिति प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा और अन्य राज्यों में जिला प्रशासन लोगों को अफवाहों से बचने की सलाह दे रहा है। केंद्र सरकार ने पहले ही एस्मा लागू किया है, इसके तहत घरेलू गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता दी जाती है और बीते छह महीनों के औसत के अनुसार सप्लाई बनाए रखने का निर्देश है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और पेट्रोलियम मंत्रालय के साथ मिलकर फैक्ट चेक करने और सही

सूचना देने का काम शुरू कर दिया है। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और पुलिस प्रमुखों के साथ बैठक कर कानून व्यवस्था और अफवाहों से उत्पन्न हालात को संभालने के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं। वहीं पीएम मोदी ने कोरोना महामारी के दौर का उदाहरण देकर कहा कि तब 140 करोड़ भारतीयों ने देश की मजबूती दिखाई थी और अब भी हम इस संकट से जल्द ही उबर जाने वाले है। उन्होंने दोहराया कि सरकार की प्राथमिकता सभी नागरिकों के हितों की रक्षा करना है और किसी भी तरह के पैनिक की जरूरत नहीं है। जनता से अपील की गई है कि केवल सत्यापित सूचना को साझा करें और अफवाहों को आगे न बढ़ाएं। इस तरह, प्रशासन और केंद्र सरकार मिलकर एलपीजी संकट को नियंत्रित करने और लोगों को सही जानकारी देने में सक्रिय हैं।

गैस की किल्लत से दिल्ली के 12 रेस्टोरेंट बंद, 5 हजार का मिल रहा एक सिलेंडर

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच जारी भीषण सैन्य संघर्ष की तपिश अब देश की राजधानी दिल्ली की रसोई तक पहुंच गई है। वैश्विक तनाव के कारण ईंधन की आपूर्ति बाधित होने से दिल्ली के होटल और रेस्टोरेंट कारोबार पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की भारी कमी के चलते बुधवार को दिल्ली के कम से कम 12 प्रमुख रेस्टोरेंट और खाने-पीने की दुकानों को अस्थायी रूप से अपने शटर गिराने पड़े। सीमित सप्लाई के कारण कई अन्य संचालक भी अपने किचन को चालू रखने के लिए भारी मशक्कत कर रहे हैं। वहीं ये भी बताया जा रहा है कि ब्लैक में एक सिलेंडर की कीमत 5 हजार रुपए चुकाना पड़ रही है। रेस्टोरेंट मालिकों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से कमर्शियल गैस सिलेंडरों का स्टॉक बेहद कम मात्रा में मिल रहा था, जो अब पूरी तरह खत्म हो चुका है। स्टॉक समाप्त होने के कारण कई प्रसिद्ध आउटलेट्स को अपना संचालन बंद करना पड़ा है।

पश्चिम एशिया युद्ध से गैस संकट पर संसद परिसर में विपक्ष का प्रदर्शन

नई दिल्ली। पश्चिमी एशिया में अमेरिका-इज़रायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध से उत्पन्न गैस संकट को लेकर विपक्ष ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, महासचिव केसी वेणुगोपाल, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी, राजीव शुक्ला, समाजवादी पार्टी के राम गोपाल यादव, धर्मेंद्र यादव समेत 200 से अधिक सांसद शामिल हुए। विपक्षी सांसदों ने हाथों में बड़े-बड़े पोस्टर और गैस सिलेंडर के कटआउट लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाज़ी की। पोस्टरों पर सिलेंडर की तस्वीरें थीं और उन पर गैस संकट से जुड़ी मांगें लिखी थीं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि युद्ध के कारण गैस वितरण प्रभावित हो रहा है और आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस प्रदर्शन की जानकारी देते हुए एक्स पर लिखा कि पूरे भारत में एलपीजी की कमी के कारण लंबी कतारें लग रही हैं। करोड़ों नागरिक खाद्य सुरक्षा संकट का सामना कर रहे हैं, छोटे-छोटे भोजनालय बंद हो रहे हैं और लोगों में व्यापक भय फैल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पूरी तरह असहाय साबित हुए हैं और उनकी सरकार इस संकट से निपटने में नाकाम है। विपक्षी सांसदों ने संसद में प्रदर्शन कर सरकार की अक्षमता को उजागर किया और तत्काल समाधान की मांग की। वहीं दूसरी तरफ, संसद के बजट सत्र में पूरे सत्र के लिए निष्कासित किए गए विपक्ष के आठ सांसदों ने भी संसद भवन परिसर स्थित मकर द्वार पर गैस संकट को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

कृषि नीति और नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी बढ़े : द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उन्हें नीति निर्माण, निर्णय-निर्धारण तथा नेतृत्व पदों में अधिक अवसर मिलना चाहिए। महिलाओं की व्यापक भागीदारी से कृषि क्षेत्र में लैंगिक समावेशी विकास को बढ़ावा मिलेगा। राष्ट्रपति गुरुवार को यहां ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑन द रोल ऑफ वीमेन इन एग्री-फूड सिस्टम्स (जीसीडब्ल्यूएएस-2026) के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाएं बुवाई, कटाई, प्रसंस्करण और फसलों को बाजार तक पहुंचाने सहित कृषि की लगभग हर गतिविधि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके अलावा वे मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, पशुपालन, वन उत्पादों के उपयोग और कृषि आधारित उद्यमों के संचालन में भी लगातार योगदान दे रही हैं। महिलाएं कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में अमूल्य योगदान देती हैं। उन्होंने बताया कि राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में कुल छात्रों में 50 प्रतिशत से अधिक और अन्य विश्वविद्यालयों में 60 प्रतिशत से अधिक छात्राएं हैं, जो शैक्षणिक प्रदर्शन में भी उत्कृष्ट हैं। ऐसे में सरकार, समाज और कृषि क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों की जिम्मेदारी है कि इन प्रतिभाशाली छात्राओं को प्रोत्साहन और समर्थन प्रदान किया जाए, ताकि वे कृषि और खाद्य उत्पादन के क्षेत्र में नेतृत्व कर सकें। राष्ट्रपति ने कहा कि मातृत्व में नेतृत्व की भावना निहित होती है, लेकिन अक्सर इसे घर की सीमाओं तक ही सीमित मान लिया जाता है। इस सोच को बदलते हुए महिलाओं को कृषि क्षेत्र में नेतृत्व देने के लिए आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2026 को 'इंटरनेशनल ईयर ऑफ द वुमन फार्मर' घोषित किया है। इसका उद्देश्य कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखला में लैंगिक अंतर को कम करना और महिलाओं की नेतृत्व भूमिका को बढ़ावा देना है। राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाओं को भूमि के औपचारिक स्वामित्व, तकनीकी ज्ञान, वित्तीय संसाधनों और अन्य सहयोगी व्यवस्थाओं से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि पिछले दशक में भारत ने महिलाओं को कृषि क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए कई पहल की हैं। महिला-नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों को बढ़ावा देने वाली पहलें इस दिशा में प्रभावी साबित हुई हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर 'पीपल, प्लेनेट, प्रॉस्पेरिटी, पीस और पार्टनरशिप' को समान महत्व देने पर सहमति बनी है। 'पीपल' के आयाम में लैंगिक समानता को विशेष प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कृषि सहित सभी क्षेत्रों में प्रभावी लैंगिक समावेशन से न केवल सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति होगी, बल्कि पृथ्वी को भी अधिक संवेदनशील और सामंजस्यपूर्ण बनाया जा सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

ईरानी विदेश मंत्री से बातचीत में जयशंकर ने ऊर्जा सुरक्षा का भी उठाया मुद्दा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के हालात के बीच ईरान के

विदेश मंत्री से अब तक तीन बार बातचीत की। इसमें भारतीय जहाजों की सुरक्षा और देश की ऊर्जा सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में एक सवाल पर कहा, "पिछले कुछ दिनों में विदेश मंत्री और ईरान के विदेश मंत्री के बीच तीन बार बातचीत हुई है। अंतिम बातचीत में शिपिंग की सुरक्षा और भारत की ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके अलावा अभी मेरे लिए कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से सबसे ज्यादा तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसके चलते देश में गैस की उपलब्धता में कमी आई है। वहीं बांग्लादेश को पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति पर प्रवक्ता ने कहा कि भारत विशेष रूप से हमारे पड़ोसियों के लिए परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों का एक प्रमुख निर्यातक है। हमें बांग्लादेश सरकार से डीजल की आपूर्ति के लिए एक अनुरोध प्राप्त हुआ है, जिस पर विचार किया जा रहा है। बांग्लादेश के साथ संबंधों के प्रति हमारे जनकेंद्रित और विकास-उन्मुख दृष्टिकोण को देखते हुए हम 2007 से नुमालीगढ़ रिफाइनरी से विभिन्न माध्यमों: जलमार्ग, रेल और बाद में भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइप-लाइन के माध्यम से डीजल की आपूर्ति कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अक्टूबर 2017 में नुमालीगढ़ रिफाइनरी और बांग्लादेश पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के बीच पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर हाई-स्पीड डीजल की आपूर्ति के लिए एक बिक्री-खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।

वायु सेना प्रमुख ने फ्रंटलाइन फाइटर बेस से मिग-29 यूपीजी में अकेले उड़ान भरी

नई दिल्ली। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने वायु सेना की ऑपरेशनल तैयारियों का जायजा लेने के लिए गुरुवार को पश्चिमी एयर कमान के तहत फ्रंटलाइन फाइटर बेस से उड़ान भरी। उन्होंने मल्टी-रोल एयरक्राफ्ट मिग-29 यूपीजी को अकेले उड़ाया और वायु सेना की लड़ाकू क्षमताओं का आकलन किया। एयर चीफ मार्शल सिंह 5,000 घंटे से ज्यादा उड़ान भरने वाले बहुत अनुभवी पायलट हैं, जिन्हें प्रायोगिक परीक्षण पायलट के तौर पर विशेषज्ञता और मिग-29 अपग्रेड प्रोजेक्ट में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता है। भारतीय वायु सेना ने अपने उन्नत मिग-29 यूपीजी लड़ाकू विमानों को श्रीनगर में तैनात किया है। 2019 में सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान पाकिस्तानी हवाई हमले को देखते हुए यह तैनाती की गई है। इसी के साथ वायु सेना मिग-29 यूपीजी का कुल तकनीकी जीवन (टीटीएल) 10 वर्षों तक बढ़ाने की योजना बना रही है। अभी मिग-29 लड़ाकू विमानों का टीटीएल 40 साल है, जिसे दूसरा जीवन विस्तार देकर 50 साल किये जाने पर विचार किया किया जा रहा है। पहले से ही लड़ाकू स्क्वाड्रन की संख्या कम होने और बेड़े में शामिल होने वाले विमानों की धीमी प्रगति को देखते हुए मिग-29 के बेड़े को अधिकतम समय तक सेवा में प्रभावी रखना जरूरी हो गया है।

संसद में कई सांसदों उठाया फारूक अब्दुल्ला पर हुए हमले का मुद्दा, सरकार को घेरा

नई दिल्ली। संसद में कई सांसदों ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला पर हुए हमले का मुद्दा उठाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूर्व जम्मू-कश्मीर सीएम की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और केंद्र सरकार द्वारा स्थानीय पुलिस पर नियंत्रण को मुद्दा बनाया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने इसका खंडन करते हुए इसे एक गंभीर मामला बताया और जांच का आश्वासन दिया। खड़गे ने कहा कि फारूक अब्दुल्ला की सुरक्षा को खतरा है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर पहले एक पूर्ण विकसित राज्य था और अब पुलिस केंद्र के नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि स्थानीय सुरक्षाकर्मियों ने उनकी जान बचाई और पूछा, क्या सरकार का यही इरादा था कि एनसी नेता की हत्या की जाए? मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नड्डा ने कहा कि पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला पर जानलेवा हमला चिंता का विषय और एक गंभीर मामला है और इसकी उचित जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि आरोपी

को गिरफ्तार कर लिया गया है और एनसी नेता फारुक अब्दुल्ला की सुरक्षा बढ़ाने के लिए जरुरी कदम उठाए जाएंगे। नड्डा ने कहा कि हर मामले को राजनीतिक रंग नहीं देना चाहिए और सरकार के खिलाफ खड़गे के आरोपों की कड़ी आलोचना की। नेशनल कॉन्फ्रेंस के चौधरी मोहम्मद रमजान ने भी फारूक अब्दुल्ला पर हुए हमले का मुद्दा उठाया और कहा कि घटनास्थल पर पुलिस मौजूद नहीं थी। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी इस घटना में घायल हुए हैं और उन्होंने और अन्य लोगों ने मिलकर अपराधी को पकड़कर पुलिस के हवाले किया।

सदन की मर्यादा और परंपराओं को बनाए रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी: बिरला

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला अपने खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के बुधवार को ध्वनिमत से खारिज होने के बाद गुरुवार को अध्यक्ष के आसन पर बैठे। बिरला ने कहा कि भारत के संसदीय इतिहास में तीसरी बार लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर संकल्प आया और इस पर दो दिनों तक 12 घंटे से अधिक चर्चा हुई। उनका हमेशा प्रयास रहा है कि सदन के भीतर प्रत्येक सदस्य नियमों और प्रक्रियाओं के तहत अपने विचार व्यक्त कर सके और सभी को पर्याप्त अवसर मिले। बिरला ने कहा कि यह सदन समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की आवाज बने। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 93 में अध्यक्ष के निर्वाचन का प्रावधान है और इस पावन सदन ने उन्हें दूसरी बार अध्यक्ष पद का दायित्व दिया। उनका प्रयास रहा है कि सदन की कार्यवाही निष्पक्षता, अनुशासन और संतुलन के साथ संचालित हो। दस फरवरी को विपक्ष के कुछ सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया था और उन्होंने अपने नैतिक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्रस्ताव के प्रस्तुतीकरण के साथ ही सदन की कार्यवाही से स्वयं को अलग कर लिया था। उन्होंने कहा कि इस चर्चा के दौरान अनेक विचार, दृष्टिकोण और भावनाएं सामने आईं और उन्होंने सभी को गंभीरता से सुना। उन्होंने सदन के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। बिरला ने स्पष्ट किया कि कुछ सदस्यों का मानना था कि प्रतिपक्ष के नेता सदन से ऊपर उठकर किसी भी विषय पर बोल सकते हैं, लेकिन यह किसी को विशेष अधिकार नहीं है। सदन नियमों से चलता है और ये नियम न सरकार ने बनाए हैं, न प्रतिपक्ष ने, बल्कि सदन ने बनाए हैं और सभी सदस्यों पर समान रूप से लागू होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री या मंत्रीगण भी यदि सदन में वक्तव्य देना चाहते हैं तो नियम 372 के तहत अध्यक्ष से अनुमति लेनी होती है। किसी सदस्य को नियमों से परे जाकर बोलने का विशेषाधिकार नहीं है।

उन्होंने संसदीय परंपराओं का जिक्र करते हुए कहा कि 1957 में जब अटल बिहारी वाजपेयी ने जम्मू-कश्मीर से संबंधित कुछ फोटो सदन में रखने चाहे तो स्पीकर ने पहले उन्हें दिखाने का निर्देश दिया और अटल जी ने उसका सम्मान किया। उन्होंने 1958 में भी कई उदाहरण हैं जब बिना स्पीकर की अनुमति दस्तावेज सदन में नहीं रखे गए। बिरला ने कहा कि अध्यक्ष के निर्णय से कोई भी सदस्य सहमत या असहमत हो सकता है, लेकिन नियमों और परंपराओं को लागू करना उनका कर्तव्य है।

भारत की पाक को दो-टूक, परमाणु प्रसार के ख़राब रिकॉर्ड वाले न दें नसीहत

नई दिल्ली। भारत ने कनाडा के साथ हुए यूरेनियम समझौते पर पाकिस्तान के आपत्ति जताने को खारिज किया है और पड़ोसी को नसीहत दी है कि खराब रिकॉर्ड वाले को नसीहत देने का कोई हक नहीं हैं। वहीं भारत की साख हमेशा से बेदाग रही है और दुनिया भी यह मानती है। विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम इस मामले पर पाकिस्तान के बयान को खारिज करते हैं। परमाणु अप्रसार के संबंध में भारत की साख बेदाग है और वैश्विक समुदाय इसे भली-भांति मान्यता देता है। उन्होंने कहा, "जिस देश का इतिहास गुपचुप तरीके से परमाणु प्रसार करने के पुख्ता सबूतों से भरा हो, वह भला निर्यात नियंत्रण और परमाणु प्रसार के जोखिमों के बारे में उपदेश कैसे दे सकता है? ऐसे बेतुके बयान पाकिस्तान द्वारा अपने ही बेहद खराब रिकॉर्ड से ध्यान भटकाने की एक कोशिश के अलावा और कुछ नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने भारत-कनाडा के बीच यूरेनियम आपूर्ति समझौते और परमाणु प्रौद्योगिकी सहयोग पर चिंता व्यक्त की है। साथ ही कहा है कि इस व्यवस्था से भारत के परमाणु हथियारों के जखीरे में विस्तार हो सकता है और वैश्विक परमाणु अप्रसार ढांचे को नुकसान पहुंच सकता है।

इनकम के आधार पर ओबीसी क्रीमी लेयर का स्टेटस तय नहीं कर सकते: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि कोई उम्मीदवार अन्य पिछड़ा वर्ग के क्रीमी लेयर में आता है या नॉन-क्रीमी लेयर में यह सिर्फ आमदनी के आधार पर तय नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ इनकम ब्रैकेट के आधार पर क्रीमी लेयर का स्टेटस तय करना, पोस्ट की कैटेगरी और स्टेटस पैरामीटर का जिक्र किए बिना, कानून में साफ तौर पर टिकने लायक नहीं है। बता दें "क्रीमी लेयर" में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के ज्यादा अमीर और सामाजिक रूप से आगे रहने वाले सदस्य आते हैं जिन्हें सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण के दायरे से बाहर रखा गया है। यह नियम इंद्रा साहनी बनाम यूनियन ऑफ इंडिया केस के बाद आया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी आरक्षण को सही ठहराया था, लेकिन अमीर तबकों को बाहर रखने का आदेश दिया था। बाद में सरकार ने ऐसे समूहों की पहचान करने के लिए 1993 में नियम बनाए। अभी, सालाना 8 लाख रुपए से ज्यादा कमाने वाला ओबीसी परिवार आम तौर पर क्रीमी लेयर का हिस्सा माना जाता है और आरक्षण पाने के अयोग्य हो जाता है।

मौत के मुहाने से निकलकर स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज पार कर सुरक्षित मुंबई पहुंचा भारत का तेल टैंकर

एजेंसी। नई दिल्ली

ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच छिड़ी भीषण जंग ने इस वक्त पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को हिलाकर रख दिया है। विशेष रूप से सामरिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज (हॉर्मुज जलडमरूमध्य) वर्तमान में युद्ध का अखाड़ा बना हुआ है, जहाँ से वैश्विक तेल आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। इस क्षेत्र में लगातार तेल टैंकरों को निशाना बनाए जाने और उन्हें डुबोए जाने की खबरों के बीच पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट को लेकर हाहाकार मचा है। लेकिन इस भीषण तनाव के बीच भारत ने अपनी सधी हुई और दूरदर्शी कूटनीति के दम पर एक असंभव लगने वाले कार्य को संभव कर दिखाया है। लाइबेरियाई झंडे वाला विशाल तेल टैंकर शेनलोंग, जो सऊदी अरब से कच्चा तेल लेकर आ रहा था, सुरक्षित रूप से हॉर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर मुंबई बंदरगाह पहुंच गया है। यह घटना इसलिए असाधारण है क्योंकि युद्ध शुरू होने के बाद भारत की ओर आने वाला यह पहला जहाज है, जिसने इस खतरनाक समुद्री रास्ते से निकलकर अपनी मंजिल तय की है। ज्ञात हो कि ईरान ने स्पष्ट चेतावनी दी थी कि वह अमेरिका और इजरायल के सहयोग वाले जहाजों को इस मार्ग से गुजरने नहीं देगा। ऐसे में शेनलोंग का सुरक्षित पहुंचना भारत की एक बहुत बड़ी कूटनीतिक सफलता मानी जा रही है। इस सफलता की पटकथा मंगलवार, 10 मार्च को लिखी गई थी, जब भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से फोन पर लंबी और विस्तृत चर्चा की। ईरान द्वारा केवल चीन के जहाजों को रास्ता देने की घोषणा के बाद, जयशंकर ने मोर्चा संभाला और भारत की ऐतिहासिक दोस्ती व रणनीतिक स्वायत्तता का हवाला देते हुए भारतीय हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की।

सीबीआई ने दुबई की फिनटेक प्लेटफॉर्म 'पाईपल' से जुड़ी 900 करोड़ रुपए की ठगी का किया भंडाफोड़, 15 ठिकानों पर छापा

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को एक अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन धोखाधड़ी मामले में दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पंजाब में 15 स्थानों पर छापेमारी की। यह मामला दुबई स्थित फिनटेक प्लेटफॉर्म पाईपल (पीवाईवाईपीएल) के माध्यम से किए गए निवेश और पार्ट-टाइम नौकरी के नाम पर ठगी से जुड़ा है। सीबीआई ने यह मामला गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) से मिले इनपुट के आधार पर दर्ज किया था। आरोप है कि हजारों भारतीय नागरिकों से एक संगठित अंतरराष्ट्रीय गिरोह ने ऑनलाइन योजनाओं के जरिए करोड़ों रुपए की ठगी की। जांच में सामने आया कि नेटवर्क ने सोशल मीडिया, मोबाइल ऐप और एन्क्रिप्टेड संदेश सेवाओं

का इस्तेमाल कर लोगों को उच्च लाभ का लालच देकर निवेश के लिए प्रेरित किया। शुरुआत में छोटे निवेश पर फर्जी मुनाफा दिखाया गया और बाद में बड़ी रकम निवेश कराई गई। एजेंसी ने बताया कि ठगी की रकम तुरंत कई म्यूल (धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले फर्जी खाते) बैंक खातों के जरिए ट्रांसफर कर दी जाती थी ताकि पैसे का स्रोत छिपाया जा सके। इसके बाद रकम को अंतरराष्ट्रीय एटीएम निकासी और विदेशी फिनटेक प्लेटफॉर्म्स, खासकर पाईपल, पर वॉलेट टॉप-अप के जरिए बाहर भेजा जाता था। ये लेन-देन बैंकिंग सिस्टम में प्वाइंट-ऑफ-सेल (पीओएस) ट्राजैक्शन के रूप में दर्ज होते थे। जांच में दिल्ली-गुरुग्राम सीमा पर बिजवासन गांव के चार्टर्ड अकाउंटेंट अशोक कुमार शर्मा को इस नेटवर्क का सरगना बताया गया है। आरोप है कि उन्होंने सैकड़ों करोड़ रुपए म्यूल खातों और विदेशी चैनलों के जरिए बाहर भेजे। ठगी की रकम का एक हिस्सा क्रिप्टोकरेंसी में भी बदला गया। यह भी सामने आया कि शर्मा ने पिछले एक वर्ष में लगभग 900 करोड़ रुपए की रकम 15 शेल कंपनियों के खातों के जरिए दो संस्थाओं से होकर बाहर भेजी। इन संस्थाओं ने रकम को भारत स्थित वर्चुअल एसेट एक्सचेंजों के जरिए यूएसडीटी में बदला और उसे व्हाइट-लिस्टेड वॉलेट्स में ट्रांसफर किया। सीबीआई ने सितंबर 2025 में इन संस्थाओं के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया था।

दांडी मार्च की वर्षगांठ संस्कृत सुभाषितम् शेयर कर पीएम मोदी ने सभी विभूतियों को किया याद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दांडी मार्च की वर्षगांठ पर इसमें शामिल सभी विभूतियों को याद कर एक संस्कृत सुभाषितम् शेयर किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने पोस्ट किया, 1930 में आज ही के दिन दांडी मार्च की शुरुआत हुई थी। इसमें शामिल सभी विभूतियों का श्रद्धापूर्वक स्मरण। उन्होंने संस्कृत सुभाषितम् लिखा, सत्यमेव जयति नानृतं सत्येन पन्था विततो देवयानः। येनाक्रमन्त्यृषयो ह्याप्तकामा यत्र तत्सत्यस्य परमं निधानम्॥ इस सुभाषितम् का संदेश है कि सदैव सत्य की ही विजय होती है और असत्य का नाश होता है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

विशेष गहन पुनरीक्षण 2026: बीएलओ को मिला घर-घर सत्यापन और हाउस नंबरिंग का प्रशिक्षण

बोकारो : मतदाता सूची को पूर्णतः शुद्ध और अद्यतन बनाने के उद्देश्य से विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत बीएलओ का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हो गया है। गुरुवार को उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा ने चास प्रखंड सभागार में 37-चंदनकियारी (अजा) विधानसभा क्षेत्र के सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी चास से संबंधित बीएलओ को विस्तृत प्रशिक्षण दिया ।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान बीएलओ को फील्ड कार्य से जुड़ी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई, जिसमें उन्हें प्रत्येक घर जाकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा निर्धारित प्रारूप के अनुसार प्रत्येक घर पर स्टीकर लगाया जाना है । निर्देश दिया गया कि स्टीकर मुख्य द्वार या ऐसे स्थान पर लगाएं, जहां वह स्पष्ट दिखे और सुरक्षित रहे। प्रत्येक घर की विशिष्ट पहचान के लिए हाउस नंबर अंकित करने की प्रक्रिया समझाई गई, ताकि भविष्य में मतदाता सूची कार्यों में कोई बाधा न आए। सभी बीएलओ को निर्देश दिया गया कि वे एकत्रित जानकारी को समय पर संबंधित पोर्टल या ऐप में अपडेट करना सुनिश्चित करें।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा दिए गए निर्देशों के आलोक में चलाया जा रहा है। निर्देशानुसार, सभी बीएलओ को स्टीकर लगाने और हाउस नंबरिंग की प्रक्रिया का प्रशिक्षण स्वयं उप निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा दिया जाना है।

जिले में कुल 13 एईआरओ और लगभग 1600 बीएलओ कार्यरत हैं। इन सभी को चरणबद्ध तरीके से उनके संबंधित क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि पुनरीक्षण कार्य को प्रभावी ढंग से और निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरा किया जा सके।

दामोदर घाटों के कायाकल्प की तैयारी को केलक सरयू राय ने बोकारो उपायुक्त को लिखा पत्र

बोकारो : दामोदर बचाओ आंदोलन के प्रणेता और जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने बोकारो जिला प्रशासन से नदियों के संरक्षण और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करने का आग्रह किया है। उन्होंने बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा को ईमेल के माध्यम से पत्र लिखकर जिले के उन सभी 25 केंद्रों (घाटों) के सौंदर्यीकरण की मांग की है, जहां प्रतिवर्ष देवनद दामोदर महोत्सव का आयोजन होता है। श्री राय ने अपने पत्र में इन घाटों पर शेड निर्माण, पहुंच पथ (सड़क) का निर्माण और पक्के घाटों के निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया है।

दामोदर बचाओ आंदोलन के जिला संयोजक एवं झारखंड प्रदेश के मुख्य कार्यकारी प्राधिकारी सुरेंद्र प्रसाद सिन्हा ने जानकारी दी कि वर्ष 2004 से ही यह संगठन नमामि गंगे योजना के तहत दामोदर और उसकी सहायक नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए कार्यरत है। प्रतिवर्ष गंगा दशहरा के दिन लोहरदगा के चूल्हा पानी (उदगम स्थल) से लेकर धनबाद के पंचेत तक 50 स्थानों पर महोत्सव मनाया जाता है, जिसमें सर्वाधिक 25 स्थान अकेले बोकारो जिले में हैं। इन कार्यक्रमों में जिले के आला अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी शिरकत करते हैं, इसलिए इन स्थलों का बुनियादी विकास आवश्यक है।

ऐश संकट और प्लांट बंदी पर सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने ऊर्जा सचिव से की वार्ता, डीवीसी मुख्यालय रांची लाने की उठाई मांग

बोकारो थर्मल :: गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा सचिव पंकज अग्रवाल से मुलाकात कर डीवीसी (दामोदर घाटी निगम) से संबंधित कई गंभीर मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। सांसद ने बोकारो थर्मल पावर प्लांट में छाई (ऐश) के अत्यधिक भंडारण के कारण उत्पन्न हुए संकट और पिछले कई दिनों से बिजली उत्पादन ठप होने की स्थिति पर कड़ी चिंता जताई।

उन्होंने सचिव को अवगत कराया कि ऐश पौंड के भर जाने से न केवल उत्पादन प्रभावित हो रहा है, बल्कि स्थानीय स्तर पर बड़ी आर्थिक और तकनीकी समस्या भी खड़ी हो गई है।

सांसद श्री चौधरी ने प्रमुखता से यह मांग रखी कि डीवीसी की अधिकांश परियोजनाएं और लाभुक क्षेत्र झारखंड में स्थित हैं, इसलिए इसका मुख्यालय कोलकाता से रांची स्थानांतरित किया जाना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि मुख्यालय झारखंड में होने से प्रशासनिक तालमेल बेहतर होगा और स्थानीय समस्याओं का त्वरित समाधान मिल सकेगा। इसके अलावा, उन्होंने डीवीसी के अकाउंट सेक्शन (लेखा अनुभाग) को झारखंड से पश्चिम बंगाल शिफ्ट किए जाने का पुरजोर विरोध किया। सांसद ने बताया कि उन्होंने इस मुद्दे को संसद में नियम 377 के तहत भी उठाया है और मांग की है कि लेखा अनुभाग को पुनः झारखंड में ही बरकरार रखा जाए, ताकि स्थानीय लोगों और विस्थापितों को असुविधा न हो।

ऊर्जा सचिव ने दिया भरोसा, रांची में खुलेगा क्षेत्रीय कार्यालय- मुलाकात के दौरान ऊर्जा सचिव पंकज अग्रवाल ने सांसद की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि डीवीसी जल्द ही रांची में एक क्षेत्रीय कार्यालय खोलने की योजना बना रहा है। इस कदम से क्षेत्र में बेहतर तालमेल बिठाने और प्रशासनिक कार्यों को गति देने में मदद मिलेगी। सांसद ने ऊर्जा मंत्रालय से उम्मीद जताई कि विस्थापितों और क्षेत्र के व्यापक हितों की रक्षा के लिए इन मांगों पर सकारात्मक और शीघ्र निर्णय लिया जाएगा।

अधिकारियों की पदस्थापना की मांग को लेकर डुमरी में धरना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गिरिडीह : डुमरी में एसडीएम, बीडीओ, निबंधन पदाधिकारी सहित अन्य प्रशासनिक पदों पर स्थायी पदस्थापना की मांग को लेकर गुरुवार को अनुमंडल कार्यालय परिसर में एकदिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत यूनियन से जुड़े सैकड़ों सदस्य और समर्थक प्रखंड के विभिन्न पंचायतों से बस स्टैंड में एकत्र हुए और वहां से जुलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए अनुमंडल कार्यालय पहुंचे। धरना समाप्त होने के बाद मांगों से संबंधित एक ज्ञापन उपायुक्त के नाम एसडीएम कार्यालय में सौंपा गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो और संरक्षक चेतलाल महतो कर रहे थे। जुलूस के दौरान बेरमो मोड़ पहुंचने पर यूनियन के सदस्यों ने झारखंड आंदोलन के पुरोधा बिनोद बिहारी महतो के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। धरना स्थल पर मौजूद लोगों ने अपनी विभिन्न मांगों के समर्थन में नारेबाजी भी की।

सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो ने कहा कि डुमरी में अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी और निबंधन पदाधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर स्थायी पदस्थापना नहीं होने से विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और आम लोगों को विभिन्न तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक पदों की रिक्तता के कारण कई जरूरी कार्य समय पर नहीं हो पा रहे हैं।

उपायुक्त के नाम सौंपे गए ज्ञापन में अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, निबंधन कार्यालय में रजिस्ट्रार तथा एलआरडीसी की पदस्थापना की मांग की गई। इसके साथ ही विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाने, पंचायत भवनों में पंचायत सेवक, जन सेवक, रोजगार सेवक, प्रज्ञा केंद्र कर्मी और जेई की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा अंचल कार्यालय में दाखिल-खारिज, खाता और प्लॉट ऑनलाइन चढ़ाने में हो रही दलाली और अवैध वसूली पर रोक लगाने की मांग भी उठाई गई।

इसके अलावा डुमरी प्रखंड में भू-माफियाओं द्वारा गैरमजरुआ जमीन के अवैध अधिग्रहण पर रोक लगाने, कृषि योग्य भूमि पर पत्थर माइंस खनन बंद करने, विभागों में आउटसोर्सिंग के माध्यम से होने वाली नियुक्तियों में स्थानीय युवाओं को 75 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग भी की गई। कुलगो पंचायत स्थित एसबीआई सीएससी संचालक द्वारा कथित रूप से किए गए करोड़ों रुपये के घोटाले की जांच कर राशि वापस कराने और हर पंचायत में जल-नल योजना में हो रहे भ्रष्टाचार पर कार्रवाई की मांग भी ज्ञापन में शामिल है।

ज्ञापन में यह भी कहा गया कि जेएसएलपीएस के तहत डुमरी प्रखंड में बीपीओ, एफटीसी और सीसी पदों पर कई वर्षों से जमे कर्मियों की जांच कर उन्हें हटाते हुए स्थानीय झारखंडी कर्मियों की पदस्थापना की जाए। धरना कार्यक्रम में केंद्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो, केंद्रीय संरक्षक चेतलाल महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष सुभाष पंडित, केंद्रीय उपाध्यक्ष भगतु रविदास, केंद्रीय महासचिव रवींद्र कुमार, केंद्रीय महासचिव मदन मोहली, केंद्रीय सचिव राजेंद्र मोहली, केंद्रीय संगठन मंत्री राजु मोहली, केंद्रीय सचिव जाफर अंसारी, केंद्रीय कोषाध्यक्ष नुनूचंद महतो, केंद्रीय सदस्य विरेन्द्र प्रसाद यादव, जिला सदस्य अमृत रविदास, प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र यादव, बबीता कुमारी, सवीता कुमारी, हेमा देवी, उर्मिला देवी, घनश्याम सिंह, भुवनेश्वर रविदास, नंद किशोर पंडित, समीना खातून, रामचन्द्र महतो सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

भारतीय विकास प्रतिमान और एआई पर बनेगा स्वदेशी जागरण मंच का विशेष कार्यदल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : राजस्थान की ऐतिहासिक नगरी जयपुर में 7 और 8 मार्च को संपन्न हुई स्वदेशी जागरण मंच की दो दिवसीय राष्ट्रीय परिषद बैठक के निर्णयों की जानकारी आज बोकारो में साझा की गई। बिहार-झारखंड के क्षेत्रीय संयोजक अमरेंद्र सिंह ने बताया कि इस महत्वपूर्ण बैठक से पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक भी आयोजित की गई थी, जिसमें देश की आर्थिक दिशा और तकनीकी चुनौतियों पर गंभीर मंथन हुआ।

उन्होंने बताया कि बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ केंद्रीय अधिकारी वी भागैया जी एवं स्वान्त रंजन जी का विशेष सानिध्य प्राप्त हुआ। साथ ही, स्वदेशी जागरण मंच के शीर्ष अधिकारी आर सुन्दरम जी, डॉ. भगवती प्रकाश शर्मा जी और कश्मीरी लाल जी ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। बैठक के दौरान आयोजित सफल उद्यमी सम्मान समारोह और प्रदर्शनी का उद्घाटन राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने किया। इस दौरान राज्य सरकार के मंत्रियों और विधायकों की भी उपस्थिति रही।

श्री सिंह ने बताया कि देशभर के 45 प्रांतों से आए 395 प्रतिनिधियों ने इस बैठक में हिस्सा लिया, जिनमें 65 महिला कार्यकर्ता शामिल थीं। इस मंथन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, ग्राहक पंचायत, विद्या भारती और सहकार भारती जैसे संगठनों के साथ-साथ कई बड़े व्यापारिक संगठनों और धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। बैठक में मुख्य रूप से भारत और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर विशेष प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही, युवाओं पर सोशल मीडिया के बढ़ते दुष्प्रभावों और वैश्विक आर्थिक परिदृश्य पर चिंता जताई गई। बैठक में स्वावलंबी भारत अभियान को विस्तार देते हुए हर जिले में स्वावलंबन केंद्र स्थापित करने और जिला प्रशिक्षकों की नियुक्ति पर सहमति बनी।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के बोकारो दौरे की तैयारी तेज, उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जिले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासनिक सरगर्मी तेज हो गई है। आगामी 13 और 14 मार्च को आयोग की अध्यक्ष डॉ. आशा लकड़ा अपनी टीम के साथ बोकारो के दौरे पर रहेंगी। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की पूर्व तैयारी और प्रतिवेदन तैयार करने के उद्देश्य से उपायुक्त अजय नाथ झा ने गुरुवार को समाहरणालय के गोपनीय कक्ष में संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने आयोग द्वारा उपलब्ध कराए गए विस्तृत प्रश्नावली प्रारूप के आधार पर तैयार की जा रही सूचनाओं की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति समुदाय के लिए कार्यान्वित संवैधानिक संरक्षोपाय, कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी ली। उपायुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि आयोग के समक्ष प्रस्तुत किए जाने वाले आंकड़ों में किसी भी प्रकार की त्रुटि न हो। उन्होंने सभी विभागों को त्रुटि सुधार कर अंतिम प्रतिवेदन (फाइनल रिपोर्ट) आज शाम तक भेजने का कड़ा निर्देश दिया।

संवैधानिक प्रावधानों के क्रियान्वयन पर जोर-आयोग के इस दौरे का मुख्य केंद्र जिले में अनुसूचित जनजाति समुदाय के लिए संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं और संवैधानिक प्रावधानों के धरातलीय क्रियान्वयन की स्थिति की जांच करना है। उपायुक्त ने यह सुनिश्चित करने को कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रोजगार से जुड़ी जनजातीय योजनाओं का डाटा पूरी तरह से अद्यतन और सटीक हो। बैठक में अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, डीएसडब्ल्यूओ डॉ. सुमन गुप्ता, कार्यपालक अभियंता चास एस. तिवारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी त्रतुराज सहित पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, आपदा प्रबंधन और यूआईडी शाखा के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्टेट बार काउंसिल के चुनाव में पलामू में 80 प्रतिशत मतदान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मेदिनी नगर । झारखण्ड स्टेट बार काउंसिल का चुनाव शान्ति पूर्ण संपन्न।761 मे 612 मतदाताओं ने किया मतदान।100 प्रत्याशी का भाग्य पिटारा में बंद।23 प्रत्याशी को मिलेगा जीत का प्रमाण पत्र।मेदिनीनगर,झारखंड स्टेट बार काउंसिल के पंचवर्षीय चुनाव के लिए गुरुवार को मतदान निर्धारित समय 10 बजे से शुरू हुआ । इस चुनाव में कुल 23 पदों के लिए वोट डाला गया। मतदान को लेकर अधिवक्ताओ में खासा उत्साह देखा गया ।बड़ी संख्या में वोटर अधिवक्ता मतदान केंद्र पर पहुंचकर कतार में लगकर पहचान पत्र दिखाने के बाद अपने मताधिकार का प्रयोग किए। मतदान प्रक्रिया को देख रेख के लिए अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रामदेव प्रसाद यादव को प्रजाइडिंग ऑफिसर बनाया गया था। विदित हो कि मतदाता को पांच महिला अधिवक्ता व 18 पुरुष अधिवक्ता को वोट देना था।बिदित हो कि स्टेट बार काउंसिल के चुनाव में

25 सदस्य चुने जाते हैं।23 का मतदान के द्वारा चुनाव किया जाता हैं जबकि दो सदस्य पदेन होते हैं।राज्य के एडवोकेट जनरल इसके पदेन सदस्य होते हैं।चुने गए सदस्यों का कार्यकाल पांच वर्षों के लिए होता हैं।इस बार 2026-2031के लिए चुनाव हुआ है।चुनाव में राज्य भर से 100 अधिवक्ता उम्मीदवार के रूप में मैदान में है।इसमें पलामू जिला अधिवक्ता संघ के सदस्य मधुलता रानी भी चुनाव लड़ रही है।मतदान के लिए बैलेट पेपर का उपयोग किया गया।व वरीयता आधारित मतदान प्रणाली लागू किया गया था।इस प्रणाली के तहत मतदाता उमीदवारों के नाम के सामने अपने पसंद के अनुसार वन ,टू ,थ्री ,फोर ,फाइव यानी प्रथम ,द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम वरीयता लिखते हैं।एक अधिवक्ता अधिकतम 23 उम्मीदवार को वोट डाल सकते थे।कमसे कम पांच प्रत्याशी को वरीयता देना अनिवार्य था।अगर कोई मतदाता पांच से कम उमीदवारों को वरीयता देते हैं तो उनका मत अमान्य माना जा सकता हैं।चुनाव प्रक्रिया में पहले प्रथम वरीयता के मतों की गणना की जाती हैं।उसके बाद आवश्यक होने पर अन्य वरीयताओं के आधार पर मतो का स्थानांतरण किया जाता हैं।अंततः सर्वाधिक मत प्राप्त करने वाले 23 उम्मीदवार झारखंड स्टेट बार काउंसिल के सदस्य चुने जाएंगे। चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष कराने के लिए अधिवक्ता शशि भूषण दुबे के द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिए जा रहे थे ।अधिवक्ता संघ भवन में ऊपरी तल्ले पर एक मतदान केंद्र बनाए गए थे ।जबकि नीचे कमरा नम्बर छह में भी एक मतदान केंद्र बनाया गया था ।ऊपर मतदान केंद्र पर ए से एम नाम वाले कुल 380 मतदाता को मतदान के लिए बैलट पेपर की व्यवस्था की गई थी। जबकि नीचे कमरा नम्बर छह में एन से जेड नाम वाले मतदाता जो 381 को बैलेट पेपर की व्यवस्था की गई थी ।चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं में काफी उत्साह दिखा ।कई पुराने अधिवक्ताओ को भी मतदान को ले दिलचस्पी देखा गया।

राकेश महतो की हत्याकांड की गुत्थी पुलिस ने सुलझाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी: पूर्व जिप अध्यक्ष सह झामुमो नेता राकेश महतो की हत्याकांड की गुत्थी पुलिस ने सुलझा लिया है।इस संबंध में गुरूवार को निमियाघाट थाना में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर एसडीपीओ सुमित प्रसाद ने बताया कि निमियाघाट थाना क्षेत्र के खांकीकला जंगल में 21 फरवरी 2026 की सुबह पूर्व जिला परिषद् अध्यक्ष का अर्द्धजला शव मिलने की सूचना पर काण्ड दर्ज करते हुए अग्रतर अनुसंधान किया गया।उनकी हत्या के बारे में तकनिकी अनुसंधान एवं मानवीय सूत्रों के आधार पर पाया गया कि इनकी हत्या जीटी रोड पर बन रहे मकान के बगल में विवादित जमीन जिसपर इनके द्वारा मकान निर्माण कराने को लेकर हुआ है। के कारण हुई है।इस काण्ड के अनुसंधान के क्रम में राकेश महतो के हत्या करने वाला अपराधी रेवतलाल महतो (40) एवं प्रदीप कुमार (28) दोनों ग्राम डुमरी हेठटोला थाना डुमरी को साक्ष्यानुसार गिरफ्तार किया गया है।जिन्होंने अपने अपराध स्वीकारोक्ति बयान में हत्या करने की अपराध को स्वीकार किया है।बताया कि दोनों अपराधी को जेल भेज दिया गया।इस दौरान पुलिस इंस्पेक्टर राजेन्द्र प्रसाद निमियाघाट थाना प्रभारी सुमन कुमार डुमरी थाना प्रभारी प्रणीत पटेल आदि उपस्थित थे।

लोक कला राष्ट्रीय महोत्सव में बोकारो की मैथिलानियों का जलवा, सुमधुर समूह गीत से जीता सबका दिल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में रांची के मोराबादी स्थित द लंकावी रिजॉर्ट में आयोजित दो दिवसीय लोक कला राष्ट्रीय महोत्सव में सखी बहिनपा मैथिलानी समूह की बोकारो इकाई ने अपनी मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुति से अमिट छाप छोड़ी। मैथिलानियों की इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय संस्था द्वारा आयोजित महोत्सव में देश-विदेश के 200 से अधिक प्रतिभागियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

बोकारो इकाई की प्रभारी अमिता झा और महासचिव उषा झा के कुशल मार्गदर्शन में टीम ने पारंपरिक मैथिली समूह गीत चंद्रमुखी सन गौरी हमर छथि, सूर्य सन करितौं जमाई... की अत्यंत सुमधुर प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति ने न केवल मिथिला की समृद्ध संस्कृति को जीवंत किया, बल्कि वहां उपस्थित दर्शकों की खूब वाहवाही भी बटोरी। टीम में सांस्कृतिक प्रभारी जयंती पाठक, कोषाध्यक्ष सुजाता झा, मीडिया प्रभारी संजीता भुवनेश सहित कल्याणी मिश्रा, बीना झा, पूनम झा और अन्य सक्रिय सदस्याएं शामिल थीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ रांची की मेयर श्रीमती रौशनी खलको और अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और महाकवि विद्यापति रचित भगवती वंदना के साथ हुआ। महोत्सव में दुबई, दिल्ली, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे शहरों से आई इकाइयों ने भी अपनी प्रतिभा दिखाई। इसमें दरभंगा इकाई द्वारा रैंप वॉक, कोडरमा और मधुबनी इकाई द्वारा नाटक व जोगीरा तथा धनबाद एवं गोड्डा इकाई द्वारा नृत्य की प्रस्तुति की गई।

संस्था की संस्थापिका आरती झा और रांची इकाई की टीम के नेतृत्व में आयोजित इस समारोह ने महिला सशक्तिकरण और लोक कला के संरक्षण का एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों और अतिथियों को सम्मानित किया गया।

19 मार्च को हिन्दू नववर्ष के उपलक्ष्य में प्रवीण भाई तोगड़िया का रामगढ़ में आगमन

अंतराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण भाई तोगड़िया का भव्यता से होगा रामगढ़ जिले में स्वागत:दीपक

» सिद्धू कान्हु मैदान के समीप स्वाग, नगर भ्रमण करते हुए सुभाष चौक पर भाषण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़ : रामगढ़ स्थित होटल लॉ मैरिटल के सभागार में गुरुवार को एक बैठक का आयोजन हुआ जिसकी अध्यक्षता प्रकाश मिश्रा ने किया। आगामी 19 मार्च को हिन्दू नववर्ष के अवसर पर अंतराष्ट्रीय हिन्दू परिषद् के संस्थापक सह अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ प्रवीण भाई तोगड़िया के रामगढ़ जिले में आगमन पर उनके स्वागत की तैयारियों के निमित्त आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रकाश मिश्रा ने विज्ञप्ति जारी कर मीडिया को बताया कि डॉ तोगड़िया जी को हिन्दू हृदय सम्राट की उपाधि देश के सनातन प्रेमियों ने दी है । हमें गर्व है की वर्ष 2013 के बाद एक बार फिर नववर्ष पर उनके कदम

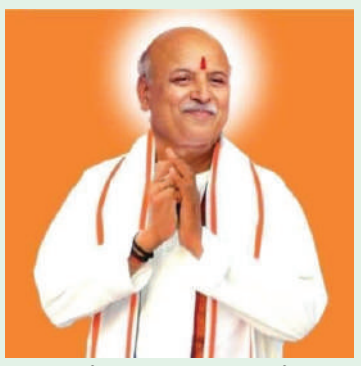

रामगढ़ जिले की पावन भूमि पर पड़ने जा रहा है जिनका भव्यता पूर्वक स्वागत कर हम सभी खुद को गौरवान्वित महसूस करेंगे। उन्होंने कहा कि डॉ प्रवीण भाई का रामगढ़ जिले में आगमन पर सिद्धू कान्हु मैदान के समीप सर्वप्रथम सनातनी कार्यकर्ताओं द्वारा फूल मालाओं से स्वागत किया जाएगा तत्पश्चात नगर भ्रमण करते हुए सुभाष चौक पर वो कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। बैठक में

उपस्थित श्री श्री रामनवमी महासमिति रामगढ़ के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने समस्त सनातनी बंधुओं से 19 मार्च को डॉक्टर तोगड़िया जी के स्वागत कार्यक्रम से लेकर आयोजित सभा में भारी संख्या में उपस्थित रहने का आवाहन करते हुए कहा कि ये रामगढ़ वासियों हेतु गर्व का विषय है कि हमारे बीच हिंदुत्व की बातों को जोरदार तरीके से रखने वाले हमारे आदर्श डॉक्टर प्रवीण भाई तोगड़िया जी हम सभी के बीच उपस्थित होंगे।

बैठक का संचालन सोनू पंडित ने किया एवं समापन भाषण दीपक मिश्रा ने दिया।

बैठक में मुख्य रूप से प्रकाश मिश्रा,प्रशांत कुमार,रविन्द्र शर्मा,दीपक मिश्रा,राजेश ठाकुर,सोनू पंडित,अयोध्या प्रसाद वर्मा,अविनाश राम,संतोष बेदिया,देवा बेदिया,अमित ठाकुर, प्रेम कुमार नायक,भोला कुशवाहा,दिलीप कुमार सिंह,सत्यजीत चौधरी,मनोज सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थिति थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

कसमार में बैंक बीसी केंद्र बंद रहने से ग्राहकों की बढ़ी परेशानी

कसमार (बोकारो) : कसमार बैंक ऑफ इंडिया का डेढ़ दशक पुराना बीसी केंद्र पिछले कई दिनों से बंद है। इससे ग्राहकों की परेशानी बढ़ गई है। मालूम हो कि इस समय ईद के त्योहार के मद्देनजर बीसी केंद्र में ग्राहकों की काफी भीड़ जुट रही है, लेकिन केंद्र बंद रहने से ग्राहक लौटकर पुनः बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में जा रहे हैं, जहां अत्यधिक भीड़ के कारण ग्राहकों को बगैर जमा निकासी के ही घर लौटना पड़ता है। इसके अलावा विवाह का लग्न से लेकर मुख्यमंत्री मइया सम्मान योजना, वृद्धावस्था पेंशन व अन्य पेंशन के लिए भी अधिकतर ग्राहक बीसी केंद्र का सहारा लेते हैं। इससे बैंक की शाखा की अत्यधिक भीड़ से ग्राहकों को काफी सहूलियत होती है। बीसी केंद्र के अचानक बंद होने से ग्राहक परेशान व हैरान हैं। पिछले 15 साल से सफल रूप से चल रहा बीसी केंद्र बंद क्यों हुआ, इस सवाल का जवाब देनेवाला कोई नहीं है। गुरुवार को बीसी केंद्र पहुंचे कई ग्राहकों ने बताया कि कसमार में बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में इतनी भीड़ होती है कि घंटों कतार में खड़े रहने के बाद भी जमा निकासी नहीं हो पाती। इस स्थिति में बीसी केंद्र में तुरंत ग्राहकों का काम हो जाता है। ग्राहकों ने बैंक के अधिकारियों से जल्द से जल्द कसमार के बीसी केंद्र को चालू करने की मांग की है, ताकि सैकड़ों ग्राहकों को सहूलियत हो।

तुपकाडीह में वासंतीय नवरात्र की धूम, 19 मार्च से शुरू होगी चैती दुर्गा पूजा

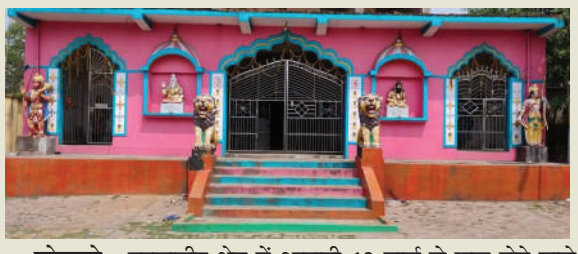

बोकारो : तुपकाडीह क्षेत्र में आगामी 19 मार्च से शुरू होने वाले वासंतीय नवरात्र (चैती दुर्गा पूजा) की तैयारियां युद्ध स्तर पर शुरू हो गई हैं। तुपकाडीह चैती दुर्गा मंदिर में माता की प्रतिमा को अंतिम रूप देने के लिए मूर्तिकार दिन-रात जुटे हुए हैं, साथ ही मंदिर परिसर की साफ-सफाई और रंग-रोगन का कार्य भी तेजी से किया जा रहा है।

पूजा कमेटी के अध्यक्ष अनिल दिगार ने बताया कि समय कम होने के कारण विभिन्न टोलियों का गठन कर कार्यों का बंटवारा किया गया है। कमेटी के सदस्य अनुदान राशि संग्रह के लिए ग्रामीणों से संपर्क कर रहे हैं। गौरतलब है कि तुपकाडीह में चैती दुर्गा पूजा और भव्य हनुमान झंडा जुलूस की ऐतिहासिक परंपरा साल 1968 से निरंतर चली आ रही है। स्थानीय लोगों को शारदीय नवरात्र की तरह ही इस वासंतीय नवरात्र और उसके बाद निकलने वाले रामनवमी जुलूस का बेसब्री से इंतजार रहता है।

पांच दिनों बाद बोकारो थर्मल पावर प्लांट शुरू, पर ऐश पौंड में मजदूरों के विरोध से उठाव ठप

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : ऐश पौंड संकट के कारण पिछले पांच दिनों से बंद पड़े डीवीसी बोकारो थर्मल के 500 मेगावाट वाले ए पावर प्लांट ने आखिरकार राहत की सांस ली है। बुधवार की रात लगभग सवा बारह बजे यूनिट को लाइटअप किया गया, जिसके बाद गुरुवार सुबह पौने सात बजे से बिजली उत्पादन सुचारू रूप से आरंभ हो गया। वर्तमान में यूनिट से मांग के अनुसार फुल लोड पर उत्पादन किया जा रहा है। हालांकि, प्लांट तो चालू हो गया है, लेकिन ऐश पौंड में मजदूरों के भारी विरोध के कारण छाई उठाव का कार्य शुरू नहीं हो सका।

गुरुवार को जब नई कंपनी शर्मा कंस्ट्रक्शन के प्रतिनिधि रवि भारद्वाज छाई उठाव के लिए ऐश पौंड पहुंचे, तो वहां कार्यरत 54 मजदूरों ने पंचायत समिति सदस्य अख्तर अंसारी के नेतृत्व में कार्य रोक दिया। मजदूरों का आरोप है कि पिछले वर्ष नवंबर में बेरमो एसडीएम और अपर समाहर्ता की उपस्थिति में हुए समझौते के बावजूद, उन्हें चार माह की बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया है। मजदूरों की प्रमुख मांगों में चार माह के बकाया वेतन (लगभग 9 लाख रुपये) का तत्काल भुगतान, सभी मजदूरों का ईपीएफ और ईएसआई कटौती सुनिश्चित करना, सभी कार्यरत श्रमिकों को आधिकारिक परिचय पत्र निर्गत करना आदि शामिल हैं।

अधिकारियों की दौड़-भाग और अनिश्चितता- मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय जीएम (ओएंडएम) मधुकर श्रीवास्तव और जीएम ऐश मैनेजमेंट राजेश विश्वास मौके पर पहुंचे। सांसद प्रतिनिधि जितेंद्र यादव ने भी स्पष्ट किया कि बिना सांसद से वार्ता किए कंपनी को कार्य आरंभ करने नहीं दिया जाएगा। दूसरी ओर, कंपनी के प्रतिनिधि का कहना है कि छाई उठाव का काम करने वाली चारों कंपनियां एक साथ बैठकर प्रबंधन से वार्ता करेंगी, तभी कोई समाधान निकलेगा। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि बकाया राशि के भुगतान का निराकरण जल्द कर लिया जाएगा।

प्रदूषण और वित्तीय नुकसान की चिंता- वरीय जीएम मधुकर श्रीवास्तव ने बताया कि पावर प्लांट बंद रहने से डीवीसी को प्रतिदिन भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने ऐश पौंड में जमा 15-20 फीट ऊंचे छाई के पहाड़ों से होने वाले वायु प्रदूषण पर कहा कि नेशनल हाईवे के काम में छाई का उठाव शुरू होते ही नूरी नगर और आसपास के ग्रामीणों को उड़ने वाली धूल से राहत मिल जाएगी।

बाराडीह में चार दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू

» जरीडीह थाना प्रभारी ने किया उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : खेलों के प्रति युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गुरुवार को चार दिवसीय नॉक आउट क्रिकेट टूर्नामेंट बाराडीह पंचायत में शुरू हुआ। बाराडीह स्थित हनुमान मंदिर के समीप खेल मैदान में आयोजित इस प्रतियोगिता की मुख्य संरक्षक पंचायत की मुखिया पुष्पा देवी हैं।

इस दौरान टूर्नामेंट का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि जरीडीह थाना प्रभारी बिपिन कुमार महतो एवं स्थानीय मुखिया पुष्पा देवी ने बल्ले से शॉट लगाकर किया।

इस अवसर पर खिलाड़ियों संबोधित करते थाना प्रभारी बिपिन कुमार ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास के लिए जरूरी हैं,

बल्कि यह युवाओं में अनुशासन और टीम भावना भी पैदा करती हैं। मुखिया पुष्पा देवी ने बताया कि क्रिकेट मैच का समापन 15 मार्च को होगा। उद्घाटन समारोह में स्थानीय जनता और खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

मुखिया ने कहा कि पंचायत स्तर पर ऐसे आयोजनों से ग्रामीण प्रतिभाओं को निखरने का मौका मिलता है। मौके पर अमित सोरेन, हीरालाल महतो, अकबर अंसारी, रामलाल महतो, सतीश चंद्र राय, विभूति महतो, विजय ठाकुर, कलावती देवी, संगीता देवी, लक्ष्मण दिगार, राहुल कुमार, मनोहर कुमार, करण कुमार, अब्दुल, कृष्णा कुमार, काजल व अन्य खेलप्रेमी मौजूद थे।

विश्व किडनी दिवस पर बीजीएच में विशेष स्वास्थ्य जांच और जन-जागरूकता शिविर का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : विश्व किडनी दिवस 2026 के अवसर पर गुरुवार को बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) में विशेष स्वास्थ्य जांच और जन-जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस वर्ष की वैश्विक थीम किडनी हेल्थ फॉर ऑलः केयरिंग फॉर पीपल, प्रोटेक्ट द प्लैनेट के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आनंद कुमार, डॉ. अनिंदा मंडल और डॉ. इंद्रनील चौधरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

निशुल्क जांच और विशेषज्ञ परामर्श- अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं नेफ्रोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. सिमाल मार्डी के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में बीएसएल कर्मियों और आम नागरिकों के लिए ब्लड प्रेशर, शुगर और यूरिनरी प्रोटीन की निःशुल्क जांच की गई। उपस्थित चिकित्सकों और आहार विशेषज्ञों ने किडनी को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और मधुमेह पर नियंत्रण को अनिवार्य बताया।

किडनी प्रत्यारोपण की आधुनिक तकनीक पर मंथन- कार्यक्रम के दौरान आयोजित तकनीकी संगोष्ठी में डॉ. प्रत्युष रोशन ने ए.बी.ओ. असंगति किडनी प्रत्यारोपण की अत्याधुनिक पद्धति पर विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि यह पद्धति उन मरीजों के लिए एक वरदान है, जिन्हें अपने ब्लड ग्रुप का डोनर नहीं मिल पाता है। वहीं, डॉ. पी के बेहरा ने वैश्विक परिप्रेक्ष्य में किडनी रोगों की रोकथाम के उपायों पर अपनी प्रस्तुति दी।

रक्तदान और सामूहिक भागीदारी- सामाजिक उत्तरदायित्व की मिसाल पेश करते हुए सहायक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. साकेत मिश्रा ने इस अवसर पर स्वेच्छा से रक्तदान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. आकाश कांत, डॉ. विकास, डॉ. सुहासिनी, डॉ. अन्नेसा और स्कूल ऑफ नर्सिंग की प्रशिक्षुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। बीजीएच की यह पहल न केवल बीमारियों के प्रति सजगता बढ़ाने वाली है, बल्कि स्वस्थ समाज के निर्माण के प्रति बोकारो इस्पात संयंत्र की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

बोकारो सदर अस्पताल में बेटियों के सम्मान और अधिकार पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : पीसीपीएनडीटी कार्यक्रम के अंतर्गत सेव द गर्ल चाइल्ड अभियान के तहत गुरुवार को बोकारो सदर अस्पताल में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना था। समारोह में सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. एनपी सिंह, डॉ. राज कुमार दास, डीपीएम हीना गौरव बरनवाल और पवन कुमार श्रीवास्तव सहित कई स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

भ्रूण लिंग जांच है गंभीर अपराध- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपाधीक्षक डॉ. एनपी सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत लिंग चयन और भ्रूण लिंग की जांच करना एक गंभीर कानूनन अपराध है। उन्होंने बताया कि इस कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई और सजा का प्रावधान है। डॉ. सिंह ने भ्रूण लिंग जांच और कन्या भ्रूण हत्या के समाज पर पड़ने वाले घातक दुष्परिणामों पर विस्तार से चर्चा की और कहा कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए लिंगानुपात में समानता लाना अनिवार्य है।

महिला सशक्तिकरण और संकल्प- जागरूकता सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका और उनके अधिकारों के विषय में जानकारी साझा की। वक्ताओं ने जोर दिया कि शिक्षा ही वह सशक्त माध्यम है, जिससे समाज की सोच बदली जा सकती है और बेटियों को स्वावलंबी बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में डीपीएमयू के कोऑर्डिनेटर्स और अन्य पदाधिकारियों ने मिलकर संकल्प लिया कि वे बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के मिशन को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएंगे, ताकि हर बेटी को गरिमापूर्ण जीवन और समान अवसर प्राप्त हो सकें।

कीर्तन प्रतियोगिता में महिला मंडलियों की प्रस्तुति ने मोहा मन

» बाल कलाकार अश्विनी महतो कीप्रस्तुति ने लोगों को किया मंत्रमुग्ध

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के खैराचातर में आयोजित सात दिवसीय प्रहरी मेला के दूसरे दिन बुधवार की रात भव्य कीर्तन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बगदा, शंकरडीह, जामकुदर, ललमटिया, भवानीपुर, गोरियाकुदर, खिजरा, हरनाद, रानीटांड आदि गांवों के कीर्तन दलों ने भाग लिया और अपनी मनमोहक प्रस्तुति से उपस्थित दर्शकों को देर रात तक भक्ति रस में डुबोए रखा। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि अधिकांश कीर्तन मंडलियां महिलाओं की थीं। महिलाओं द्वारा प्रस्तुत भक्ति गीतों और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनि ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर बगदा और ललमटिया के कलाकारों ने आकर्षक झांकियां भी प्रस्तुत कीं, जिसे दर्शकों ने काफी सराहा। वहीं सिल्ली के बाल कलाकार अश्विनी महतो की विशेष प्रस्तुति ने भी उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इससे पूर्व कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन जरीडीह के पुलिस इंस्पेक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह ने विशिष्ट अतिथियों कसमार थाना प्रभारी कुंदन कुमार और अंबिका पब्लिक स्कूल, जैनामोड़ के निदेशक दिनेश कुमार सिंह के साथ फीता काटकर किया। इसके बाद अतिथियों ने स्वर्गीय सुरेश जायसवाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इंस्पेक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन आज के समय में कम होते जा रहे हैं, ऐसे में प्रहरी मेला के माध्यम से इस परंपरा को जीवित रखना सराहनीय पहल है। थाना प्रभारी कुंदन कुमार ने भी आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि स्वर्गीय सुरेश जायसवाल के सामाजिक कार्यों से हमें प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के अंत में सभी कीर्तन दलों के सदस्यों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रामसेवक जायसवाल, घनश्याम महतो, पंकज जायसवाल, अशोक कुमार सिंह, रमेश चंचल, विष्णु जायसवाल, दिलीप शर्मा, यूनुस अंसारी, अंकुश जायसवाल, अभिषेक जायसवाल, विनीत जायसवाल, सुनील कुमार महतो, भूषण महतो, सागर स्वर्णकार, जयप्रकाश वर्मा, फागू महतो, रामदयाल महतो, चतुर डोम, ढालेश्वर महतो, सेवानिवृत शिक्षक झगरू महतो, चित्तरंजन महतो, सर्वेश्वर महतो, अमृत महतो, सुमन देवी, सुबो देवी, अनीता देवी, विष्णु घासी, हुलासी देवी आदि मौजूद थे।

डीएवी स्कूल आगजनी कांड का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : सेक्टर-8बी स्थित डीएवी स्कूल परिसर में 10 मार्च को हुई कार आगजनी और मारपीट की घटना में बोकारो पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में सेक्टर-4 थाना में कांड संख्या 20/2026 दिनांक 11 मार्च 2026 को भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक बोकारो के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक नगर आलोक रंजन के नेतृत्व में गठित टीम ने मानवीय और तकनीकी सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई करते हुए पिलगड़िया खटाल निवासी सुमंत कुमार (पिता देवनन्दन यादव, उम्र 24 वर्ष) और बिट्टू कुमार यादव (पिता शैलेन्द्र यादव, उम्र 25 वर्ष) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से वादी कुणाल कुमार सिंह और पीड़ित विक्की कुमार सिंह से छीने गए दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी रहा है। सुमंत कुमार और बिट्टू कुमार यादव के खिलाफ बीएस सिटी थाना में कांड संख्या 19/2026 दिनांक 9 फरवरी 2026 के तहत भी भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज है। इस घटना को लेकर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए लगातार छापेमारी अभियान चलाया और साक्ष्यों के आधार पर दोनों आरोपियों को दबोच लिया।

पूरे मामले में पुलिस उपाधीक्षक नगर आलोक रंजन के नेतृत्व और सेक्टर-4 थाना प्रभारी संजय कुमार की सक्रियता की व्यापक सराहना हो रही है। त्वरित कार्रवाई, तकनीकी साक्ष्यों का प्रभावी उपयोग और सुनियोजित छापेमारी के कारण पुलिस ने कम समय में मामले का खुलासा कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

इस कार्रवाई में पुलिस उपाधीक्षक नगर आलोक रंजन, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी सेक्टर-4 थाना संजय कुमार, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी बीएस सिटी सुदामा कुमार दास, सहायक अवर निरीक्षक अवेन्द्र कुमार साव, सहायक अवर निरीक्षक निरज सेठ, सहायक अवर निरीक्षक जितेश कुमार, सहायक अवर निरीक्षक सुनील मनोहर, आरक्षी मोहम्मद इलयास अंसारी, आरक्षी अनिल कुमार सिंह और आरक्षी सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह सहित पुलिस टीम के अन्य जवान शामिल रहे। बोकारो पुलिस की इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई को क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बोकारो के 23 परीक्षा केंद्रों पर सीबीएसई 12वीं बोर्ड के 6477 विद्यार्थियों ने दी अंग्रेजी की परीक्षा

» किसी को औसत और आसान लगे सवाल, तो किसी ने बताया जटिल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से गुरुवार को कक्षा 12वीं की अंग्रेजी विषय की बोर्ड परीक्षा आयोजित की गई। सीबीएसई के सिटी कोऑर्डिनेटर एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार के अनुसार, बोकारो जिले के सभी 23 परीक्षा केंद्रों को मिलाकर कुल 6477 विद्यार्थी इस परीक्षा में शामिल हुए। 6476 विद्यार्थियों ने इंग्लिश कोर तथा केवल एक सेंटर जीजीपीएस, सेक्टर-5 पर सिर्फ 01 परीक्षार्थी ने इंग्लिश इलेक्टिव विषय की परीक्षा दी। कुल पंजीकृत 6543 में 66 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षाएं शांतिपूर्ण एवं बिना किसी कदाचार के संपन्न हुई।

केंद्र वार जानकारी देते हुए डॉ. गंगवार ने बताया कि सरस्वती विद्या मंदिर- 3सी में 336, डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 में 824, चिन्मय विद्यालय सेक्टर- 5 में 310, होली क्रॉस स्कूल बालीडीह में 209, पिट्स मॉडर्न गोमिया में 306, डीएवी पब्लिक स्कूल ढोरी में 93, जीजीपीएस- 5 में 399 (01- इंग्लिश इलेक्टिव), दिल्ली पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 में 270, आदर्श विद्या मंदिर, दारकूनगर में 173, एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर- 4 में 878, डीएवी स्वांग में 261, बीआरएल डीएवी भंडारीदह में 251, श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल, सेक्टर-5 में 797, पेंटिकॉस्टल एसेंबली स्कूल सेक्टर-12 में 202, क्रिसेंट पब्लिक स्कूल सेक्टर- 6 में 210, जीजीपीएस चास में 227, डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर- 6 में 90, होली क्रॉस स्कूल चंदनकियारी में 31, डीएवी पब्लिक स्कूल तेनुघाट में 113, डीपीएस चास में 57, केंद्रीय विद्यालय-1 सेक्टर-4 में 217, केंद्रीय विद्यालय सीटीपीएस चंद्रपुरा में 198 और केंद्रीय विद्यालय डीवीसी बोकारो थर्मल में 24 परीक्षार्थी इसमें सम्मिलित हुए।

इधर, परीक्षा के बाद केंद्र से निकले विद्यार्थियों में किसी ने अंग्रेजी प्रश्नपत्र में पूछे गए सवालों को औसत, तो किसी ने आसान बताया। अधिकतर विद्यार्थियों ने अच्छी परीक्षा जाने की बात कही। वहीं, कुछ ने सवालों को जटिल और पैसेज वाले पार्ट को उलझन भरा बताया। जबकि, विषय के विशेषज्ञों ने क्वेश्चन पेपर को कुल मिलाकर स्टैंडर्ड बताया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

जन्मदिन पर उपायुक्त ने दिव्यांग बच्चों और बुजुर्गों के साथ बिताया समय

बोकारो : उपायुक्त अजय नाथ झा ने अपने जन्मदिन के अवसर पर सेक्टर-05 स्थित मानव सेवा आश्रम में दिव्यांग बच्चों के साथ समय बिताया। इस दौरान उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना और उन्हें मिठाई खिलाई। उपायुक्त ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दौरे के क्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा ने मानव सेवा आश्रम में कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत चल रहे मरम्मति कार्यों का भी अवलोकन किया। उन्होंने आश्रम में उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को दिव्यांग बच्चों की देखभाल और शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इसके बाद उपायुक्त अजय नाथ झा सोलागडीह स्थित बाबा वैद्यनाथ जन सेवा समिति वृद्ध आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने बुजुर्गों का हालचाल जाना और उनसे बातचीत कर उनकी जरूरतों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने बुजुर्गों को मिठाई खिलाकर उनके साथ कुछ समय बिताया।

दौरे के दौरान उपायुक्त अजय नाथ झा ने वृद्ध आश्रम के समीप दिशोम गुरु शिबू सोरेन की स्मृति में स्थापित गुरूजी वाटिका का भी निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर की सफाई, रखरखाव और सौंदर्यीकरण को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त की इस पहल से आश्रम में रह रहे बच्चों और बुजुर्गों में खुशी देखी गई तथा लोगों ने इसे समाज को सकारात्मक संदेश देने वाला कदम बताया।

नियोजन की मांग को लेकर विस्थापितों का हंगामा

स्वांग-गोविंदपुर परियोजना में बीकेटी कंपनी का कार्य ठप

बोकारो थर्मल : सीसीएल कथारा एरिया के अंतर्गत संचालित स्वांग-गोविंदपुर परियोजना (फेज-2) की खुली खदान में गुरुवार को विस्थापितों ने अपनी मांगों के समर्थन में जोरदार प्रदर्शन किया। विस्थापित नेता और जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि मंजूर आलम के नेतृत्व में एकजुट हुए ग्रामीणों ने आउटसोर्सिंग का कार्य कर रही बीकेटी कंपनी में स्थानीय विस्थापितों को नियोजन (रोजगार) देने की मांग उठाई और कंपनी के परिचालन को पूरी तरह बंद करवा दिया।

कंपनी का कार्य बंद होने की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक पिंकू कुमार यादव दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने विस्थापितों और कंपनी प्रबंधन के बीच मध्यस्थता की। थाना प्रभारी की अध्यक्षता में यह सहमति बनी कि कंपनी प्रबंधन एक सप्ताह के भीतर विस्थापितों की मांगों पर औपचारिक वार्ता आयोजित करेगा। विस्थापितों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर सम्मानजनक वार्ता और नियोजन पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो आगे और भी उग्र आंदोलन किया जाएगा।

इस विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से रिजवान अहमद, ताहिर अंसारी, आबिद, एजाज, डब्बू, शाहजहां, समीर, नवाब, पप्पी, इम्तियाज और नकुल महतो सहित दर्जनों विस्थापितों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

अशर्फी अस्पताल में मृत युवक का शव रोके जाने पर बवाल, मेयर के हस्तक्षेप से परिजनों को मिला शव

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

किसी भी परिस्थिति में पैसों के लिए शव को रोकना अमानवीय हैः संजीव सिंह

धनबादः गुरुवार को अशर्फी अस्पताल एक बार फिर विवादों में घिर गया। अस्पताल प्रबंधन पर आरोप है कि इलाज के दौरान मृत हुए मरीज के शव को बकाया बिल के कारण परिजनों को नहीं सौंपा गया। घटना की जानकारी मिलते ही मेयर संजीव सिंह अस्पताल पहुंचे और मामले में हस्तक्षेप कर परिजनों को शव दिलवाया।

जानकारी के अनुसार झरिया निवासी संजीत सिंह उर्फ गुड्डू सिंह सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे के बाद परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए अशर्फी अस्पताल में भर्ती कराया था। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मृत्यु के बाद परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने बकाया बिल का हवाला देते हुए शव को रोक लिया और पूरा भुगतान किए बिना शव देने से इंकार कर दिया। इस घटना से परिजन बेहद दुखी और आक्रोशित हो गए।

मामले की जानकारी मिलते ही मेयर संजीव सिंह अस्पताल पहुंचे और अस्पताल प्रबंधन के इस रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में पैसों के लिए शव को रोकना बेहद अमानवीय और असंवेदनशील व्यवहार है।

उन्होंने घटना पर गहरा दुख जताते हुए पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। उन्होंने अस्पताल का बकाया बिल 20,894 रुपये अपनी ओर से भुगतान किया। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने शव परिजनों को सौंप दिया। साथ ही उन्होंने एम्बुलेंस की व्यवस्था कर शव को अस्पताल से मृतक के आवास तक पहुंचाने की भी व्यवस्था कराई और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया।

घटना के बाद अस्पताल प्रबंधन के रवैये को लेकर स्थानीय लोगों में भी नाराजगी देखी जा रही है। वहीं महापौर के हस्तक्षेप से पीड़ित परिवार को राहत मिली और शव का अंतिम संस्कार किया जा सका।

मेयर संजीव ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में पैसों के लिए शव को रोकना अमानवीय है। ऐसे संवेदनशील मामलों में मानवता सबसे पहले होनी चाहिए। जरूरतमंद परिवार की हर संभव सहायता की जाएगी।

राज सिंहा ने धनबाद के गोताखोरों के अधिकारों को लेकर विधानसभा में उठाया सवाल

आधुनिक उपकरण और सुरक्षा प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबाद / रांचीः झारखंड विधानसभा में धनबाद विधायक राज सिंहा ने धनबाद और आसपास के क्षेत्रों से जुड़े एक महत्वपूर्ण मुद्दे को मजबूती से उठाया।पिछले 15–20 वर्षों से भटिंडा फॉल, दामोदर और बराकर नदी, विभिन्न डैम-तालाबों तथा बीसीसीएल और ईसीएल की खुली खदानों में जब भी किसी दुर्घटना या डूबने की घटना होती है, तब स्थानीय ग्रामीण युवक अपनी जान जोखिम में डालकर गोताखोर के रूप में बचाव कार्य करते हैं।इतने वर्षों की सेवा के बावजूद इन युवाओं को न तो आधुनिक गोताखोरी उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं, न ही सुरक्षा किट और न ही उनका कोई स्थायी समायोजन हो पाया है।

वही इस मामले पर विधायक राज सिंहा ने सरकार से स्पष्ट मांग की है किः

- इन सभी स्थानीय गोताखोरों का आधिकारिक पंजीकरण किया जाए
- उन्हें आधुनिक उपकरण और सुरक्षा प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए
- आपदा प्रबंधन या संबंधित विभाग में उनका स्थायी समायोजन सुनिश्चित किया जाए

जो युवा दूसरों की जान बचाने के लिए हर समय तैयार रहते हैं, उन्हें सम्मान, सुरक्षा और स्थायित्व मिलना ही चाहिए।

फिर मिली धनबाद कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, चला सघन जांच अभियान

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः गुरुवार को जिला सिविल कोर्ट को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड में नजर आई। गुरुवार सुबह सूचना मिलते ही पुलिस की टीम कोर्ट परिसर पहुंची और सुरक्षा के मद्देनजर डॉग स्क्वायड व मेटल डिटेक्टर के साथ सघन जांच शुरू की।

इस जांच अभियान के दौरान डॉग स्क्वायड की मदद से कोर्ट परिसर के कोने-कोने की तलाशी ली गई। परिसर में खड़े सभी वाहनों की भी मेटल डिटेक्टर से जांच की गई। जिससे किसी भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री की मौजूदगी की संभावना को पूरी तरह खारिज किया जा सके।

इस दौरान डीएसपी डीएन बंका, धनबाद थाना प्रभारी समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात रहे। पुलिस कोर्ट परिसर में आने-जाने वाले लोगों पर भी कड़ी नजर रखे हुए है। डीएसपी डीएन बंका ने कहा कि वरीय पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर कोर्ट परिसर में संघन जांच पड़ताल की चल रही है। डॉग स्क्वायड की टीम भी इस जांच पड़ताल में शामिल है।

वहीं धनबाद सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने कहा कि कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी फिर से मिली थी। जिसके आलोक में कोर्ट की सघन जांच की गई है। यह दूसरी बार हुआ है कि कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इस बार किसी दूसरे ईमेल के जरिए धमकी दी गई है।

ज्ञात हो कि धनबाद सिविल कोर्ट को दूसरी बार बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इससे पहले भी ऐसी धमकी मिलने के बाद पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी थी। इसी के मद्देनजर समय-समय पर डॉग स्क्वायड और सुरक्षा बलों की मदद से जांच अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक बदलावः 12 इंस्पेक्टरों का तबादला, नए थानों की मिली जिम्मेदारी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः गुरुवार को पुलिस महकमे में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया। एसएसपी प्रभात कुमार ने आदेश जारी करते हुए बैंक मोड़, निरसा, कतरास, तोपचांची, चिरकुंडा, ट्रैफिक और सिंदरी समेत कई थानों के प्रभारी बदल दिए।

जारी आदेश के अनुसार कुल 12 पुलिस इंस्पेक्टरों का तबादला करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारियां दी गई हैं। सभी अधिकारियों को तत्काल अपने नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है। पुलिस विभाग के इस फेरबदल को कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा प्रशासनिक कार्यक्षमता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जारी आदेश के अनुसार पुलिस इंस्पेक्टरों के तबादले इस प्रकार किए गए हैं:

- **प्रवीण कुमारः** बैंक मोड़ थाना प्रभारी से कतरास थाना प्रभारी
- **असीत कुमार सिंहः** कतरास थाना प्रभारी से बैंक मोड़ थाना प्रभारी
- **अजीत भारतीः** तोपचांची थाना प्रभारी से निरसा थाना प्रभारी
- **अनिल शर्माः** निरसा थाना प्रभारी से जोड़ापोखर सर्किल इंस्पेक्टर
- **आशुतोष कुमारः** जोड़ापोखर सर्किल इंस्पेक्टर से चिरकुंडा थाना प्रभारी
- **रामजी रायः** चिरकुंडा थाना प्रभारी से साइबर पुलिस स्टेशन
- **लव कुमारः** ट्रैफिक थाना प्रभारी से तोपचांची थाना प्रभारी
- **संजय कुमारः** सिंदरी थाना प्रभारी से कोर्ट सिक्योरिटी
- **राजेश कुमारः** अभियोजन कोषांग से सिंदरी थाना प्रभारी
- **मो.रूस्तमः** कोर्ट सिक्योरिटी से कतरास पुलिस अंचल
- **मुकेश कुमारः** कतरास पुलिस अंचल से अभियोजन कोषांग
- **जय प्रकाशः** साइबर थाना से ट्रैफिक थाना प्रभारी

प्रशासनिक सुधार और बेहतर कानून व्यवस्था पर फोकस किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार यह फेरबदल विभागीय कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया है। खासकर बैंक मोड़, कतरास और निरसा जैसे संवेदनशील इलाकों में नए अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है।

युवकों के दो गुटों में जमकर चली लाठियां, हुआ खूनी संघर्ष

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः कोयलांचल धनबाद में कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए युवकों के दो गुटों के बीच सरेराह खूनी संघर्ष का मामला सामने आया है। धनबाद सदर थाना क्षेत्र के बेकारबांध इलाके में गुरुवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब दर्जनों युवकों ने लाठी-डंडों से एक-दूसरे पर हमला बोल दिया। इस हिंसक झड़प में दो युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पूरा मामला आपसी रंजिश और कल हुई एक मारपीट का बदला लेने से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार, बेकारबांध निवासी धर्मेंद्र कुमार बीते कल जियोमार्ट में काम के सिलसिले में गया था। वहां मौजूद वेंडरों ने उसका विरोध किया और बात बढ़ने पर 'करण' नाम के एक वेंडर ने धर्मेंद्र की बेरहमी से पिटाई कर दी थी।

कल की इसी टीस को लेकर गुरुवार को जब धर्मेंद्र ने बेकारबांध के समीप करण को रोककर पुरानी मारपीट के बारे में पूछताछ की, तो दोनों के बीच तीखी कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि करण ने फोन कर अपने 20 से 25 साथियों को मौके पर बुला लिया।

जियोमार्ट में काम करने वाले ये युवक लाठी-डंडों से लैस होकर पहुंचे और धर्मेंद्र पर टूट पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सरेआम सड़क पर लाठियां बरसती रहीं और लोग दहशत में इधर-उधर भागने लगे। इस हमले में धर्मेंद्र कुमार का भाई गौतम कुमार और करण गुट का एक अन्य युवक बुरी तरह घायल हो गया है। दोनों के सिर पर गहरी चोटें आई हैं और खून से लथपथ हालत में उन्हें इलाज के लिए भेजा गया है।

घटना की सूचना मिलते ही धनबाद सदर थाना की एएसआई सीमा किंडो दलबल के साथ मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने उग्र युवकों को खदेड़ा और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस के अनुसार, यह विवाद पिछले दिन हुई एक मारपीट की घटना का परिणाम है। घायल व्यक्तियों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। धनबाद थाना की पुलिस वर्तमान में मामले की गहनता से जांच कर रही है और घटना स्थल के आस-पास के साक्ष्यों को एकत्रित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि आवेदन दिया जाएगा तो पुलिस उसके अनुसार विधि सम्मत कार्रवाई करेगी।

बुंदेला बस से 1400 किलो नकली पनीर व 90 किलो नकली घी बरामद

» ड्राइवर, खलासी व बस धनबाद थाना को सुपुर्द

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा के मामले में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए जिला प्रशासन बेहद सजग एवं सख्त है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजा कुमार ने आज रात 3 बजे बस स्टैंड पर मिलावट खोरों के खिलाफ कारवाही शुरू की। जिसमें उन्होंने बिहार से आने वाली बुंदेला बस से 1400 किलो नकली पनीर तथा 90 किलो नकली घी बरामद किया।

इसकी जानकारी देते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर आज रात 3 बजे बिहार से आने वाली बुंदेला नाम की बस, बीआर21पी 3632, से 1400 किलो नकली पनीर एवं 90 किलो नकली घी (6 टीन) और अन्य खाद्य सामग्रियां जब्त की। साथ ही बुंदेला बस के ड्राइवर एवं खलासी और बस को धनबाद थाना को सौप दिया। इसके अलावा बिहार से आने वाली सभी बसों में सघन जांच अभियान जारी रहा।

उन्होंने बताया कि सभी पनीर पटना से धनबाद जिले में लगन के समय एवं त्योहारों के अवसर पर खपाने हेतु लाया जा रहा था। इतनी बड़ी मात्रा में धनबाद में पहली बार मिलावटी पनीर का पकड़ा गया है। मिलावट खीरो के विरुद्ध ये अभियान आगे भी जारी रहेगा और किसी भी मिलावटखोरों को बख्शा नहीं जाएगा।

ग्रामीण उत्पाद प्रदर्शनी में हिस्सा लेने महिलाएं रांची रवाना, उपायुक्त ने सभी को दी शुभकामनाएं

» गाय के शुद्ध घी से बने रागी लड्डू का लगाएंगी स्टॉल

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 13 मार्च से 15 मार्च तक रांची के खेल गांव में ग्रामीण उत्पाद प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इसमें हिस्सा लेने के लिए गोविंदपुर खरनी के कृषक उत्पादक संगठन "गोविन्दपुर किसान साथी प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड" (एफपीओ) से 25 महिलाएं गुरुवार को रांची रवाना हुई। प्रदर्शनी में महिलाएं अन्नपूर्णीका- कोयलांचल की पौष्टिक मिठास, ब्रांड के तहत गाय के शुद्ध घी से बने रागी लड्डू का स्टाल लगाएंगी।

रांची रवाना होने से पहले उपायुक्त आदित्य रंजन ने समाहरणालय के सभागार में सभी को शुभकामनाएं दी। उपायुक्त ने उत्पाद का ट्रेडमार्क करा लेने का सुझाव दिया। साथ में उत्पाद बिक्री के लिए धनबाद अंचल कार्यालय सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर स्थान उपलब्ध कराने को कहा। उत्पाद को और बेहतर बनाने के लिए उपायुक्त ने श्रेष्ठ क्वालिटी के मशीन व अन्य सामान देने का निर्देश जिला कृषि पदाधिकारी को दिया।

उपायुक्त ने कहा जिला प्रशासन की यह पहल ग्रामीण महिलाओं को न सिर्फ रोजगार दे रही है, बल्कि उनकी आय भी बढ़ा रही है और उन्हें आत्मनिर्भर भी बना रही है। ये पौष्टिक रागी लड्डू आंगनवाड़ी केंद्रों, स्कूलों और समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुँचकर समाज के बेहतर पोषण में भी योगदान देंगे। यह सैकड़ों किसानों और महिलाओं के जीवन में बदलाव ला रहा है।

वहीं डीएमएफटी पीएमयू के परियोजना प्रबंधक आजीविका और कौशल विकास अमर कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि रागी लड्डू, रागी का आटा, शुद्ध घी, गुड़ और सूखे मेवे मिलाकर बड़े प्यार और मेहनत से बनाए जाते हैं। लड्डुओं में सिर्फ स्वाद ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, परंपरा और गाँव की मेहनत की मिठास भी घुल जाती है।

ग्रामीण उत्पाद प्रदर्शनी में हजारीबाग, बोकारो, सरायकेला खरसावां, गोड्डा, रामगढ़, गुमला, खूंटी, देवघर, लोहरदगा, पूर्वी सिंहभूम सहित अन्य जिलों के स्टॉल लगेंगे।

मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, जिला कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा, डीएमएफटी पीएमयू के अमर कुमार श्रीवास्तव, एफपीओ के सीईओ अब्दुल कयूम अंसारी, निदेशक अनुपम मोदी, अंजना देवी, अंजलि देवी के अलावा अन्य सदस्य मौजूद थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

इशाकपुर में एमआईएम का सदस्यता अभियान, कई लोगों ने ली सदस्यता

पाकुड़ : सदर प्रखंड के इशाकपुर में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के तत्वावधान में सदस्यता अभियान के तहत एक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में आसपास के कई पंचायतों से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। बैठक के दौरान कई लोगों ने रसीद कटवाकर पार्टी की औपचारिक सदस्यता ग्रहण की और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि आने वाले दिनों में गांव-गांव और पंचायत स्तर तक सदस्यता अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ा जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि पार्टी संविधान, सामाजिक न्याय और वंचित समाज की आवाज को मजबूती से उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर पूर्व विधायक अकिल अख्तर के पुत्र एवं युवा नेता अफीफ अमसल ने कहा कि एमआईएम का सदस्यता अभियान लगातार मजबूत हो रहा है और युवाओं में पार्टी के प्रति उत्साह बढ़ रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर संगठन को मजबूत बनाने की अपील की।

मानदेय बकाया पर पाकुड़ में मनरेगा कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल

पाकुड़ : जिले में मानदेय भुगतान लंबित रहने सहित विभिन्न मांगों को लेकर लगभग 250 मनरेगा कर्मी गुरुवार से समाहरणालय के बाहर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठ गए हैं। हड़ताल के कारण जिले में मनरेगा से संचालित कई विकास योजनाओं के प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि उनकी समस्याओं पर राज्य सरकार की ओर से लगातार उपेक्षा बरती जा रही है।

मनरेगा कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष अजित टुडू ने बताया कि राज्यस्तरीय तीन दिवसीय सांकेतिक हड़ताल बुधवार को समाप्त हो गई थी, लेकिन इस दौरान सरकार की ओर से किसी प्रकार की सकारात्मक वार्ता नहीं हुई। प्रदेश इकाई के निर्देश पर जिले के सभी मनरेगा कर्मियों ने गुरुवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि इससे योजनाओं पर पड़ने वाले असर की पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी।

कर्मचारी अजय कुमार साह ने कहा कि राज्य के कई जिलों में मनरेगा कर्मियों का मानदेय महीनों से लंबित है, जबकि कुछ स्थानों पर लगभग एक वर्ष से भुगतान नहीं हुआ है। ऐसी स्थिति में कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और परिवार चलाना भी मुश्किल हो रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि कार्य का दबाव लगातार बढ़ रहा है, लेकिन उनके लिए कोई सेवा सुरक्षा या गारंटी नहीं है।

हड़ताल के कारण जिले में डोभा निर्माण, तालाब निर्माण, सिंचाई योजनाएं, बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत फलदार पौधरोपण, मेढ़ बंदीकरण, दीदी बाड़ी योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और अबुआ आवास निर्माण जैसी कई महत्वपूर्ण योजनाओं के प्रभावित होने की संभावना जताई जा रही है।

एससी/एसटी थाना का एसपी निधि द्विवेदी ने किया वार्षिक निरीक्षण

पाकुड़ : गुरुवार को पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने एससी/एसटी थाना का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की साफ-सफाई, भवन की स्थिति, अभिलेखों एवं विभिन्न पंजीयों के रख-रखाव और संधारण का बारीकी से अवलोकन किया। इस दौरान थाना की प्रशासनिक व्यवस्था और कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की गई।

निरीक्षण के क्रम में एसपी निधि द्विवेदी ने थाना के सिरिस्ता अभिलेखों, विभिन्न रजिस्टरों और प्रशासनिक दस्तावेजों की जांच की। जांच में अधिकांश अभिलेखों और पंजीयों का संधारण संतोषजनक पाया गया। हालांकि कुछ छोटी-मोटी त्रुटियां भी सामने आईं, जिन्हें दुरुस्त करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

एसपी ने थाना में दर्ज मामलों और उनकी प्रगति की भी समीक्षा की तथा लंबित कांडों के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने थाना प्रभारी को निर्देश दिया कि लंबित मामलों की जांच में तेजी लाते हुए उन्हें शीघ्र निष्पादित किया जाए, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके।

निरीक्षण के दौरान एसपी निधि द्विवेदी ने पुलिसकर्मियों को कर्तव्यनिष्ठा और पारदर्शिता के साथ कार्य करने की सलाह दी। उन्होंने थाना परिसर की साफ-सफाई बनाए रखने और अभिलेखों के व्यवस्थित संधारण को निरंतर बनाए रखने का भी निर्देश दिया।

राजमहल नगर पंचायत के निर्विरोध उपाध्यक्ष बने मो. मारूफ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : राजमहल नगर पंचायत के वार्ड संख्या 5 के वार्ड पार्षद मो. मारूफ उर्फ गुड्डू को सर्वसम्मति से नगर पंचायत का उपाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। समाहरणालय सभागार में आयोजित प्रक्रिया के दौरान निर्वाची पदाधिकारी छूटेश्वर प्रसाद दास की देखरेख में सहायक निर्वाची पदाधिकारी सदानंद महतो और विमल सोरेन की मौजूदगी में चुनाव संपन्न हुआ। सबसे पहले 14 वार्ड पार्षदों ने शपथ ग्रहण किया, इसके बाद उपाध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई। निर्धारित समय तक अन्य किसी प्रत्याशी ने नामांकन नहीं किया, जिसके बाद मो. मारूफ को सर्वसम्मति से निर्विरोध उपाध्यक्ष घोषित कर दिया गया। निर्वाची पदाधिकारी छूटेश्वर प्रसाद दास ने उन्हें जीत का प्रमाण पत्र सौंपा।

मो. मारूफ उर्फ गुड्डू के निर्विरोध चुने जाने की खबर मिलते ही समर्थकों और स्थानीय लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। नगर पंचायत क्षेत्र के लोगों ने उन्हें फूल-मालाओं से स्वागत करते हुए मिठाइयां बांटी। झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष अरुण सिंह, केंद्रीय समिति सदस्य एकलाखुर रहमान, अयूब अली, अनिसुर रहमान, अब्दुल बारीक शेख, घीसू शेख, राजू अंसारी, आकाश चौधरी, राजीव बर्मन, मोहम्मद आजाद, विकास यादव, अजय दास, अशोक चिरानियां और मुर्शीद राजा सहित कई लोगों ने उन्हें बधाई दी।

उपाध्यक्ष बनने के बाद मो. मारूफ उर्फ गुड्डू ने नगर पंचायत के सभी पार्षदों और नगरवासियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि शहरवासियों को स्वच्छता, पेयजल, सड़क, नाली और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने यह भी कहा कि सभी वार्ड पार्षदों और जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर नगर पंचायत क्षेत्र के विकास को गति दी जाएगी और लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा।

मो. मारूफ उर्फ गुड्डू लंबे समय से सामाजिक कार्यों से जुड़े रहे हैं और वार्ड पार्षद के रूप में भी क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं। वे वर्ष 2018 से 2026 तक लगातार वार्ड पार्षद के रूप में जनसेवा कर रहे हैं और वर्ष 2026 में वार्ड संख्या 5 से निर्विरोध पार्षद चुने गए। उनके पिता का नाम मो. मोईनुद्दीन है। वे करीब डेढ़ दशक से झारखंड मुक्ति मोर्चा से जुड़े हैं और वर्तमान में झामुमो युवा मोर्चा के जिला सचिव तथा राजमहल विधायक प्रतिनिधि के रूप में भी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उनके बड़े भाई राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा हैं, जिनके मार्गदर्शन में वे सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय हैं।

नगर पंचायत चुनाव संपन्न होने के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सभी 14 वार्ड पार्षद नगर पंचायत कार्यालय पहुंचे, जहां नगर पंचायत के प्रशासक ने सभी जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया। इस दौरान नगर क्षेत्र की साफ-सफाई, पेयजल, सड़क, नाली और प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने को लेकर चर्चा हुई। जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने वार्ड की समस्याओं से अवगत कराते हुए नगर के समग्र विकास के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

लॉटरी से तय हुआ पाकुड़ नगर परिषद उपाध्यक्ष पद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ : नगर परिषद के उपाध्यक्ष पद के चुनाव में गुरुवार को रोचक स्थिति बन गई, जब मतगणना के दौरान दोनों प्रत्याशियों को बराबर मत मिले। नगर परिषद कार्यालय परिसर में सुबह से ही समर्थकों, पार्षदों के परिचितों और आम लोगों की भीड़ लगी रही। मतगणना कक्ष के अंदर वोटों की गिनती चल रही थी, जबकि बाहर खड़े लोग परिणाम का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

मतगणना के दौरान एक मत अमान्य घोषित कर दिया गया, जिसके बाद प्रत्याशी राणा ओझा और प्रत्याशी रूपाली सरकार को 10-10 मत प्राप्त हुए। परिणाम सामने आते ही परिसर में कुछ समय के लिए सन्नाटा छा गया, क्योंकि किसी ने भी बराबरी की स्थिति की उम्मीद नहीं की थी। इसके बाद बाहर मौजूद लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। कुछ लोग इसे क्रॉस वोटिंग का परिणाम बता रहे थे, तो कुछ इसे मतदान के दौरान हुई गलती से जोड़कर देख रहे थे।

स्थिति स्पष्ट होने पर प्रशासन ने बताया कि नियम के अनुसार बराबरी की स्थिति में विजेता का फैसला लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। इसके बाद जिला निर्वाचन पदाधिकारी मनीष कुमार और अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन की मौजूदगी में पारदर्शी तरीके से लॉटरी की प्रक्रिया पूरी कराई गई।

लॉटरी में राणा ओझा के पक्ष में परिणाम आया और उन्हें विजेता घोषित किया गया। इसके साथ ही राणा ओझा नगर परिषद के नए उपाध्यक्ष निर्वाचित हो गए। परिणाम घोषित होते ही उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद जब राणा ओझा कार्यालय से बाहर निकले तो समर्थकों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया और जीत की बधाई दी। समर्थकों ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में नगर परिषद क्षेत्र के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।

सब वार्ड में बराबर विकास कराएंगे,जनता के उम्मीद टूटे नहीं देंगेः शबरी

» गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ पाकुड़ नगर परिषद का शपथ ग्रहण समारोह

राष्ट्रीय मुख्यधारा

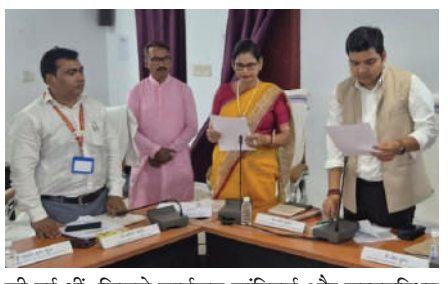

मो० काजीरूल शेख : **पाकुड़ः** नगरपालिका (आम) चुनाव 2026 के तहत गुरुवार को नगर परिषद सभागार में नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद की नवनिर्वाचित अध्यक्ष शबरी पाल सहित 21 वार्ड पार्षदों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।शपथ ग्रहण के बाद सभी जनप्रतिनिधियों ने नगर परिषद क्षेत्र के विकास, स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और नागरिकों से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। समारोह में उपस्थित अधिकारियों और लोगों ने नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।कार्यक्रम की देखरेख जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त मनीष कुमार के नेतृत्व में की गई। उन्होंने नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि आपसी समन्वय के साथ काम करें और पाकुड़ शहर को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएं।शपथ ग्रहण समारोह के दौरान प्रशासन की ओर से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।इस अवसर पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, उप निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) प्रीतिलता मुर्मू, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार चौधरी, अंचलाधिकारी अरविन्द कुमार बेदिया, कार्यपालक दंडाधिकारी गोपाल कृष्ण कुंवर सहित सभी निर्वाचित वार्ड पार्षद और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर निकाय चुनाव 2026 : नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने ली पद एवं गोपनीयता की शपथ

» साहिबगंज नगर परिषद से विनीता देवी राजमहल नगर पंचायत से मोहम्मद मारूफ उपाध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए

» दिग्गजों की सियासी समीकरण ध्वँस, प्रेशर पॉलिटिक्स का हुआ अंत, बरहरवा नगर पंचायत से राजकुमार भगत उपाध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित हुए

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : नगर पालिका आम निर्वाचन–2026 के अंतर्गत 23 फरवरी 2026 को हुए मतदान तथा 27 फरवरी 2026 को संपन्न मतगणना के बाद आज नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (न0प0)-सह-उपायुक्त हेमंत सती ने सभी प्रतिनिधियों को शपथ दिलाकर उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

साहिबगंज के सिद्धो-कान्हो सभागार में आयोजित कार्यक्रम में साहिबगंज नगर परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों को शपथ दिलाई गई। वहीं राजमहल नगर पंचायत के अध्यक्ष व वार्ड पार्षदों को समाहरणालय सभागार में तथा बड़हरवा नगर पंचायत के अध्यक्ष व वार्ड पार्षदों को जिला पंचायती राज सभागार में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। सभी जनप्रतिनिधियों ने संविधान की मर्यादा बनाए रखने, ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने तथा जनहित में कार्य करने का संकल्प लिया।

इसी क्रम में नगर परिषद साहिबगंज, नगर पंचायत राजमहल और नगर पंचायत बड़हरवा में उपाध्यक्ष पद का चुनाव भी संपन्न कराया गया।

साहिबगंज नगर परिषद से विनीता देवी तथा राजमहल नगर पंचायत से मोहम्मद मारूफ को उपाध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

वहीं बड़हरवा नगर पंचायत में उपाध्यक्ष पद के लिए निर्मला कुमारी और राजकुमार भगत के बीच चुनाव हुआ, जिसमें चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद राजकुमार भगत को उपाध्यक्ष पद के लिए विजयी घोषित किया गया।

कार्यक्रम में जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारी, संबंधित निर्वाची पदाधिकारी तथा नव निर्वाचित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। उपायुक्त ने सभी प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे अपने-अपने क्षेत्र के विकास, जनकल्याण और नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए सक्रियता से कार्य करेंगे।

वही वही साहिबगंज नगर परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राम नाथ पासवान उर्फ़ छोटू पासवान ने कहा कि साहिबगंज नगर को खूबसूरत बनाने का कम करूँगा। जनता की कोई भी समस्या का समाधान तुरंत करूँगा।हमारी टीम जब एक साथ बैठेगी तब हमलोग साहिबगंज के लिए जो योजना बना है उस पर कम मिलजुलकर करेंगे।

राजमहल नगर पंचायत के अध्यक्ष मोहम्मद किताबुद्दीन ने कहा कि नगर परिषद चुनाव में भाजपा समर्थित कांग्रेस समर्थित एवं अन्य पार्टी समर्थित उम्मीदवारों को राजमहल वासी ने वोट दिया,पर मैं शपथ लेने के साथ ही पूरे राजमहल वासियो का नगर अध्यक्ष हूं। मैं वादा करता हूं की राजमहल नगर का विकास का कार्य करूंगा। पिछले सत्र में जो भी कार्य नहीं हुई है उसे पूरा करूंगा।वहीं राजमहल नगर के नवनिर्वाचित (निर्विरोध) उपाध्यक्ष मारूफ गुड्डू ने कहा की पिछले सत्र में भी हमलोगो ने नगर पंचायत में अच्छा कम किया। इस सत्र में नगर पंचायत को हाईटेक बनाने का काम करूँगा। अगर पिछले सत्र का कोई भी काम छुट्टी गया होगा तो उसे पूरा करूँगा।

बरहरवा के नवनिर्वाचित नगर अध्यक्षा अर्पिता दास ने कही की पिछले वार से इस सत्र में बरहरवा को सुन्दर,स्वच्छ बनाऊंगी। उन्होंने कही की विकास की कार्य में प्रगति मिलेगी। महिला - बुजुर्ग, दिव्यांगो पर विशेष सुविधा उपलब्ध होंगी।

बैंकिंग योजनाओं की समीक्षा, पात्र लाभुकों तक समय पर लाभ पहुंचाने का निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोड्डा : गुरुवार को डीआरडीए सभागार में जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त अंजली यादव की अध्यक्षता में जिला परामर्शदात्री समिति (डीएलसीसी) एवं जिलास्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) की संयुक्त समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न बैंकिंग योजनाओं, वित्तीय समावेशन कार्यक्रमों तथा ऋण वितरण की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त अंजली यादव ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लाभुकों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए और वार्षिक ऋण योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप ऋण वितरण में तेजी लाई जाए।

समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभुकों को किसान क्रेडिट कार्ड से जोड़ने की स्थिति पर चर्चा की गई। उपायुक्त अंजली यादव ने बैंक अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र किसानों को शीघ्र किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराया जाए, ताकि उन्हें कृषि कार्यों के लिए समय पर वित्तीय सहायता मिल सके। बैठक में एमएसएमई योजनाओं और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत स्वीकृत और वितरित ऋण की भी समीक्षा की गई तथा लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया गया।

इसके साथ ही स्वयं सहायता समूहों के क्रेडिट लिंकेज, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना और छोटे व्यवसायियों को दिए जा रहे ऋण की स्थिति पर चर्चा हुई। उपायुक्त अंजली यादव ने जन-धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना के प्रति लोगों को अधिक से अधिक जागरूक करने का निर्देश दिया। बैठक में किसान उत्पादक संगठनों के क्रेडिट लिंकेज, ऋण वसूली की स्थिति और बैंकिंग सेवाओं के विस्तार पर भी विचार-विमर्श किया गया।

इस दौरान बोआरीजोर प्रखंड में पहाड़िया समुदाय के बैंक खातों से अवैध रूप से निकाली गई राशि के मामले की गहन जांच के लिए संबंधित बैंक अधिकारियों को निर्देश दिए गए। बैठक में जिला उद्योग महाप्रबंधक रमाकांत चतुर्वेदी, आरबीआई प्रबंधक गौरव कुमार, एलडीएम चंदन कुमार चौहान और डीडीएम नाबार्ड नूतन राज सहित विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

हवन पूर्णाहुति के साथ ही सप्त दिवसीय श्रीशिवमहापुराण कथा का हुआ समापन

» हवन पूर्णाहुति के पश्चात आयोजन समिति के द्वारा किया गया महा प्रसाद का वितरण

» श्रीशिवमहापुराण खुद में मंदिर और तीर्थ स्थापित करने की कथा हैःदुर्गेश नंदन जी महाराज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमकाः रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत ठाडीहाट गाँव मे 07 दिन से चल रही शिव महापुराण कथा का सामूहिक हवन, पूर्णाहुति और विशाल भंडारे के साथ समापन हो गया।कथावाचक दुर्गेश नंदन जी महाराज व उनके सहयोगियों के सानिध्य में विधि-विधान से हवन किया गया।वेद-मंत्रों की ध्वनि और यज्ञ की अग्नि से वातावरण शिवमय हो गया। श्रद्धालुओं ने आहुतियां डालते हुए भगवान शिव से सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। पूर्णाहुति के दौरान हर कोई भाव विभोर हो उठा। हवन के बाद कथा पंडाल में विशाल भंडारा हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कथा की विदाई के समय श्रद्धालुओं ने नम आंखों के साथ श्री शिव महापुराण को विदा किया।आयोजन समिति सदस्य ने कहा कि 7 दिन की इस कथा ने उनके जीवन को आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मक दिशा प्रदान की है।आचार्य ने कहा कि शिव महापुराण का श्रवण विशेष पुण्यदायी माना जाता है। शिव की कथाएं हमें संयम, त्याग और भक्ति मार्ग का अनुसरण करने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं का आभार जताया और और सभी को शिव कृपा की शुभकामनाएं दीं।बताते चलें की श्रीशिवमहापुराण कथा का प्रारम्भ 5 मार्च को किया गया था। सात दिनों तक ठाडीहाट गाँव मे उत्सव का माहौल देखा गया।मौके पर कथा वाचक दुर्गेश नंदन जी महाराज ने भगवान शिव से जुड़ी विभिन्न कथाओं का वर्णन किया। उन्होंने श्रोताओं को सनातन संस्कृति अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि भगवान शिव देवों के महादेव हैं और उनकी शरण में जाने वालों का जीवन सफल हो जाता है।उन्होंने आगे बताया की श्री शिवमहापुराण न मंदिर जाने की कथा है और न ही तीर्थस्थान जाने की। यह खुद में मंदिर और तीर्थ स्थापित करने की कथा है। यदि हम स्वयं में सुधार लाए तो जग अपने आप ही सुधर जाएगा। कहा कि द्वादश ज्योतिर्लिंग की कथा के साथ ही महादेव के ब्रह्मचारी स्वरूप, नटेश्वर अवतार, किरात-अर्जुन अवतार, नर्तकेश्वर अवतार, उपमन्यु अवतार समेत कई प्रसंगों का वर्णन किया।मुख्य यजमान के रुप मे ठाडीहाट निवासी राजकुमार सेन व उनकी धर्मपत्नी ज्योतिरानी सेन थीं।हवन पूर्णाहुति के पश्चात सभी श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।मौके पर समस्त ठाडीहाट ग्राम वासियों का सहयोग रहा।

RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

ईरान ने लंबी लड़ाई की तैयारी कर रखी

खामेनई के उत्तराधिकारियों ने चंद घंटों के अंदर जिस तरह इजराइल के अंदर तथा विभिन्न खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य एवं अन्य ठिकानों को निशाना बनाया, उसका यही पैगाम है कि ईरान ने लंबी लड़ाई की तैयारी कर रखी है। विडंबना ही है कि जिस सुबह अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ ओमान के विदेश मंत्री बदर बिन हमद अल बुसेइदी ने जानकारी दी कि ईरान संवर्धित यूरेनियम के भंडार को खत्म करने और आगे संवर्धन ना करने पर राजी हो गया है, अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर साझा हमला बोल दिया। इसका एलान करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने जो कहा, उसका अर्थ यही था कि वे इतने से संतुष्ट नहीं है, बल्कि ईरान में सत्ता परिवर्तन उनका मकसद है, ताकि पश्चिम एशिया में आगे चल कर इजराइल को चुनौती दे सकने वाला कोई देश ना रहे। इस उद्देश्य में अमेरिका- इजराइल को आरंभिक सफलता भी मिली। उनके हमलों में ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता आयतुल्लाह खामेनई मारे गए। लेकिन अब यह स्पष्ट है कि उससे तखता पलट का मकसद तुरंत हासिल होने नहीं हुआ है। ईरान के इस्लामी शासन ने उत्तराधिकार की कई स्तरों की व्यवस्था की हुई है, जिसमें आपातकालीन उत्तराधिकार भी शामिल है। खामेनई के उत्तराधिकारियों ने चंद घंटों के अंदर जिस तरह इजराइल के अंदर तथा विभिन्न खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य एवं अन्य ठिकानों को निशाना बनाया, उसका यही पैगाम है कि ईरान ने लंबी लड़ाई की तैयारी कर रखी है। कोरिया और वियतनाम युद्धों के बाद कभी ऐसा नहीं हुआ कि किसी शक्ति ने अमेरिकी सैन्य अड्डों पर इतने बेखौफ ढंग से हमले किए हों। उधर पूरा पश्चिम एशिया लड़ाई के दायरे में आता दिख रहा है, जिससे क्षेत्रीय युद्ध के अंदेशे ने ठोस रूप ले लिया है। इसके बीच 'छोटी और निर्णायक० लड़ाई की डॉनल्ड ट्रंप की मंशा पूरी होने की संभावना कम ही है। तखता पलट के बिना आखिर क्या वो मकसद होगा, जिससे ट्रंप अपनी जीत का एलान कर सकें, यह उन्होंने स्पष्ट नहीं किया है। इस रणनीतिक अस्पष्टता के कारण युद्ध का लंबा खिंचा, तो उसकी आंच दुनिया भर तक पहुंचेगी। ईरान ने होरमुज खाड़ी और उसके सहयोगी यमन स्थित अंसारुल्लाह (हूती) ने लाल सागर को बंद करने का एलान किया है।

समान नागरिक संहिता पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के निहितार्थ

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत एक बहुधर्मी, बहुसांस्कृतिक और विविधताओं से भरा राष्ट्र है। यहाँ विभिन्न धर्मों, परंपराओं और सामाजिक व्यवस्थाओं के कारण व्यक्तिगत जीवन से जुड़े कई कानून अलग-अलग रूप में लागू होते रहे हैं। विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेना और परिवार से जुड़े अन्य मामलों में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, पारसी और अन्य समुदायों के लिए अलग-अलग पर्सनल लॉ प्रचलित हैं। किंतु एक आधुनिक लोकतांत्रिक और संवैधानिक राष्ट्र के रूप में यह प्रश्न लंबे समय से उठता रहा है कि क्या एक ही देश में नागरिकों के लिए अलग-अलग नागरिक कानून उचित हैं? इसी संदर्भ में समान नागरिक संहिता का विचार समय-समय पर राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आता रहा है। हाल ही में उच्चतम न्यायालय की एक टिप्पणी ने इस बहस को फिर से नई गति दे दी है। न्यायालय ने कहा है कि देश में समान नागरिक संहिता लागू करने पर गंभीरता से विचार करने का समय आ गया है, हालांकि यह निर्णय न्यायपालिका का नहीं बल्कि संसद का विषय है। अदालत शरियत कानून 1937 की कुछ धाराओं को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मुस्लिम महिलाओं के साथ कथित भेदभाव का प्रश्न उठाया गया है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने संकेत दिया कि यदि इन प्रावधानों को हटाया जाता है तो कानून में एक प्रकार का खालीपन उत्पन्न हो सकता है और इसका स्थायी समाधान समान नागरिक संहिता के माध्यम से ही संभव है। वस्तुतः समान नागरिक संहिता का प्रश्न एक कानूनी व्यवस्था का मुद्दा नहीं है, यह संविधान में निहित समानता, न्याय और धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों से भी जुड़ा हुआ है। इसलिए यह विषय केवल अदालतों या सरकार तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज, राजनीति और संवैधानिक आदर्शों के बीच संतुलन स्थापित करने की चुनौती भी है।

संविधान में निहित विचार- समान नागरिक संहिता का विचार भारतीय संविधान में प्रारंभ से ही मौजूद है। संविधान के अनुच्छेद 44 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि राज्य पूरे देश में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। यह प्रावधान राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों के अंतर्गत रखा गया है, जिनका उद्देश्य सरकार को सामाजिक सुधार की दिशा में मार्गदर्शन देना है। संविधान सभा में इस विषय पर व्यापक चर्चा हुई थी। संविधान निर्माता भीमराव रामजी आंबेडकर का मानना था कि आधुनिक राष्ट्र में नागरिकों के अधिकार धर्म के आधार पर अलग-अलग नहीं होने चाहिए। हालांकि उस समय देश की सामाजिक परिस्थितियों और विभिन्न समुदायों की आशंकाओं को देखते हुए इसे तत्काल लागू करने के बजाय नीति निदेशक सिद्धांतों में रखा गया। यह व्यवस्था इस उद्देश्य से की गई थी कि समय के साथ सामाजिक सहमति बनने पर इसे लागू किया जा सके।

पर्सनल लॉ की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि- भारत में अलग-अलग पर्सनल लॉ की व्यवस्था औपनिवेशिक काल की देन मानी जाती है। ब्रिटिश शासन के दौरान विभिन्न धार्मिक समुदायों की परंपराओं को ध्यान में रखते हुए विवाह, तलाक और उत्तराधिकार से जुड़े मामलों में अलग-अलग कानून लागू किए गए थे। स्वतंत्रता के बाद भी यह व्यवस्था जारी रही, हालांकि समय-समय पर इसमें सुधार किए गए। आज भी हिंदुओं के लिए हिंदू विवाह अधिनियम, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम और अन्य संबंधित कानून प्रभावी हैं, जबकि मुसलमानों के निजी मामलों में मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरियत) एप्लीकेशन एक्ट 1937 लागू होता है। इसी प्रकार ईसाई और पारसी समुदायों के लिए भी अलग-अलग कानून मौजूद हैं। यह विविधता भारत की सामाजिक संरचना का हिस्सा अवश्य है, लेकिन कई बार यह व्यवस्था संविधान में प्रदत्त समानता और न्याय के सिद्धांतों से टकराती हुई भी दिखाई देती है। विशेषकर महिलाओं के अधिकारों के संदर्भ में यह प्रश्न अधिक गंभीर हो जाता है।

न्यायपालिका का दृष्टिकोण- भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर समान नागरिक

संहिता की आवश्यकता पर बल दिया है। कई महत्वपूर्ण मामलों में अदालतों ने यह टिप्पणी की है कि अलग-अलग पर्सनल लॉ के कारण नागरिकों के बीच असमानता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। न्यायालयों का यह भी मत रहा है कि जब व्यक्तिगत कानूनों के कारण महिलाओं के अधिकार प्रभावित होते हैं तो संविधान में निहित समानता के सिद्धांत को चुनौती मिलती है। हालिया सुनवाई में भी सर्वोच्च न्यायालय ने यही संकेत दिया कि यदि पर्सनल लॉ के कुछ प्रावधानों को हटाया जाता है तो उसके स्थान पर एक व्यापक और समान नागरिक कानून की आवश्यकता होगी।

महिला अधिकारों के संदर्भ में महत्व- समान नागरिक संहिता की चर्चा अक्सर महिलाओं के अधिकारों के संदर्भ में अधिक होती है। भारत में कई पर्सनल लॉ में महिलाओं के अधिकार पुरुषों की तुलना में सीमित रहे हैं। कुछ समुदायों में बहुविवाह की अनुमति, तलाक की असमान प्रक्रिया और विरासत में कम हिस्सा जैसे मुद्दे लंबे समय तक विवाद का कारण बने रहे हैं। इन परिस्थितियों में महिलाओं को न्याय पाने के लिए अदालतों का सहारा लेना पड़ता है। समान नागरिक संहिता का उद्देश्य इन असमानताओं को समाप्त कर एक ऐसा कानूनी ढांचा तैयार करना है जिसमें सभी नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त हों और कानून धर्म के बजाय नागरिकता के आधार पर लागू हो।

राष्ट्रीय एकता और धर्मनिरपेक्षता- भारत एक पंथनिरपेक्ष राष्ट्र है। पंथनिरपेक्षता का अर्थ यह है कि राज्य सभी धर्मों के प्रति समान दृष्टिकोण रखे। यदि नागरिक कानून धर्म के आधार पर अलग-अलग होंगे तो यह सिद्धांत व्यवहार में कमजोर पड़ सकता है। समान नागरिक संहिता का उद्देश्य धार्मिक परंपराओं को समाप्त करना नहीं है, बल्कि नागरिक अधिकारों को धर्म से अलग करना है। विवाह, तलाक और उत्तराधिकार जैसे विषय मूलतः नागरिक अधिकारों से जुड़े होते हैं, इसलिए इन पर समान कानून होना लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप माना जाता है।

उत्तराखंड में प्रारंभिक प्रयोग- भारत में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम उत्तराखंड में उठाया गया है। राज्य सरकार ने इसे लागू कर विवाह के अनिवार्य पंजीकरण, संपत्ति में बेटा-बेटी को समान अधिकार और विवाह व तलाक से जुड़े समान नियमों की व्यवस्था की है। इसे देश में एक प्रयोग के रूप में देखा जा रहा है। यदि यह व्यवस्था सफल होती है तो भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण मॉडल बन सकती है।

राजनीतिक और सामाजिक विमर्श- समान नागरिक संहिता पर बहस नई नहीं है। संविधान सभा से लेकर आज तक यह विषय समय-समय पर चर्चा में आता रहा है। कई लोग इसे सामाजिक सुधार और राष्ट्रीय एकता के लिए आवश्यक कदम मानते हैं, जबकि कुछ समुदायों को आशंका है कि इससे उनकी धार्मिक परंपराओं पर प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए यह विषय केवल कानून बनाने का प्रश्न नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक संवाद और विश्वास निर्माण की भी आवश्यकता है। कुल मिलाकर कहना यही है कि सर्वोच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणी ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि इस विषय पर गंभीरता से विचार करने का समय आ चुका है, किंतु अंतिम निर्णय संसद को ही करना होगा। यदि समान नागरिक संहिता को संविधान की भावना, सामाजिक सहमति और सभी समुदायों के अधिकारों को ध्यान में रखते हुए लागू किया जाता है तो यह अधिक न्यायपूर्ण, आधुनिक और समावेशी भारत के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

अंतरराष्ट्रीय संदर्भ, वैश्विक व्यापार चुनौतियां और भारत की रणनीति

प्रहलाद सबनानी

अमेरिका में 20 जनवरी, 2025 को डोनाल्ड ट्रम्प के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद वैश्विक आर्थिक और व्यापारिक व्यवस्था में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिले। ट्रम्प ने "मेक अमेरिका ग्रेट अगेन" के नारे के साथ अमेरिकी उद्योग और विनिर्माण को पुनर्जीवित करने की नीति अपनाई। इसी उद्देश्य से उन्होंने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर भारी टैरिफ लगाने की रणनीति अपनाई। उनका मानना था कि यदि विदेशी उत्पादों पर अधिक शुल्क लगाया जाएगा तो बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अमेरिका में ही उत्पादन शुरू करेंगी और इससे अमेरिकी उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। यह नीति अत्यंत आक्रामक रूप से लागू की गई, जिसके कारण वैश्विक व्यापार वातावरण में अस्थिरता और अनिश्चितता पैदा हो गई। विशेष रूप से चीन जैसे देशों से आने वाले उत्पादों पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की घोषणा ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार जगत को हिला दिया। इसके अलावा अन्य देशों को भी ऐसे कदमों की चेतावनी दी गई, जिससे वैश्विक आर्थिक संबंधों में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। भारत भी इस नीति से अछूता नहीं रहा। अमेरिका ने भारत से आयातित कई उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया। इसके अतिरिक्त 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ इस आधार पर लगाया गया कि भारत रूस से कच्चे तेल का आयात करता है और उसे प्रसंस्कृत कर यूरोपीय देशों को पेट्रोल और डीजल के रूप में निर्यात करता है। अमेरिकी प्रशासन का तर्क था कि भारत द्वारा रूस से तेल खरीदना अप्रत्यक्ष रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध को आर्थिक समर्थन देना है। परिणामस्वरूप 27 अगस्त 2025 से भारत के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लागू कर दिया गया। इस निर्णय का भारत की अर्थव्यवस्था पर तत्काल प्रभाव पड़ा। भारतीय पूंजी बाजार में अस्थिरता बढ़ गई और विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजारों से अपना निवेश निकालना शुरू कर दिया। इससे शेयर बाजार में गिरावट आई और विदेशी मुद्रा प्रवाह पर भी दबाव बढ़ा। चूँकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है और भारत के निर्यात में उसकी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है, इसलिए यह कदम भारत के विदेशी व्यापार के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आया। ट्रम्प प्रशासन की नीतियाँ केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उनमें साम्राज्यवादी सोच के संकेत भी दिखाई दिए। उदाहरण के तौर पर वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर अमेरिका में मुकदमा चलाने की घटना ने वैश्विक राजनीति में नई बहस छेड़ दी। अमेरिका की नजर वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार पर मानी जा रही है। इसके अलावा डेनमार्क के अधीन ग्रीनलैंड द्वीप पर भी अमेरिका ने अपना प्रभाव स्थापित करने की इच्छा जताई। इसी प्रकार मेक्सिको, क्यूबा और ईरान जैसे देशों को भी विभिन्न प्रकार की चेतावनियाँ दी गईं। इन घटनाओं ने वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और आर्थिक संबंधों में तनाव की स्थिति पैदा कर दी। भारत और अमेरिका के संबंधों पर भी इसका प्रभाव पड़ा, लेकिन भारत ने इस चुनौती का सामना करने के लिए त्वरित और व्यावहारिक रणनीति अपनाई। सरकार ने वैकल्पिक बाजारों की तलाश शुरू की और कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते करने की दिशा में तेजी से कदम उठाए। भारत ने विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जो अमेरिका को निर्यात पर अधिक निर्भर थे, जैसे वस्त्र एवं परिधान, जेम्स एवं ज्वेलरी, समुद्री उत्पाद, खिलौना उद्योग और चमड़ा उद्योग। ये सभी श्रम आधारित उद्योग हैं और इनमें बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलता है। यदि इन क्षेत्रों के निर्यात पर बड़ा झटका लगता तो देश में बेरोजगारी की समस्या गंभीर रूप ले सकती थी। इसलिए भारत ने रूस, चीन, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों सहित कई नए बाजारों में इन उत्पादों का निर्यात बढ़ाने का प्रयास किया। वर्ष 2025 में भारत ने वैश्विक व्यापार परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौतों को अंतिम रूप देने की दिशा में सक्रिय प्रयास किए। वर्ष के अंत तक भारत ने यूनाइटेड किंगडम, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ महत्वपूर्ण समझौते किए। इसके साथ ही अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भी व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम यह रहा कि नवंबर और दिसंबर 2025 के दौरान भारत के निर्यात में वृद्धि दर बनाए रखने में सफलता मिली, जबकि सितंबर और अक्टूबर के महीनों में अमेरिकी बाजार में टैरिफ के कारण कुछ गिरावट देखी गई थी। भारत की व्यापारिक रणनीति का सबसे बड़ा कदम 27 जनवरी 2026 को सामने आया, जब भारत और यूरोपीय संघ के 27 सदस्य देशों के बीच एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता संपन्न हुआ। लगभग 18 वर्षों की लंबी वार्ताओं के बाद यह समझौता संभव हो पाया। इसकी व्यापकता और महत्व को देखते हुए इसे "मदर ऑफ ऑल डील्स" कहा जा रहा है। इस समझौते से भारत के निर्यात को एक विशाल और स्थिर बाजार मिलने की संभावना है। इसके अतिरिक्त कनाडा के राष्ट्रपति के मार्च 2026 में भारत आने की संभावना भी जताई जा रही है, जिसके दौरान कुछ क्षेत्रों में मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा सकता है। भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौतों से विश्व समुदाय में सकारात्मक संदेश गया है। भारत "वसुधैव कुटुम्बकम" की भावना के साथ वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रहा है। इन समझौतों से संबंधित देशों की अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिलने की संभावना है, क्योंकि व्यापार में वृद्धि से आर्थिक विकास और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई देशों का भारत के प्रति दृष्टिकोण भी सकारात्मक हुआ है और वे भारत को एक विश्वसनीय और उभरती हुई आर्थिक शक्ति के रूप में देखने लगे हैं। हालांकि इन सकारात्मक पहलुओं के बावजूद भारत के सामने कुछ चुनौतियाँ भी हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण समस्या भारतीय रुपये का अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर होना है। हाल के समय में एक अमेरिकी डॉलर की कीमत 92 रुपये से अधिक हो गई है और वर्ष 2025 में रुपये का लगभग 5 से 6 प्रतिशत अवमूल्यन हुआ है। इसका मुख्य कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय पूंजी बाजार से निवेश निकालना है, जिससे डॉलर का बाहरी प्रवाह बढ़ गया है। इस समस्या से निपटने के लिए भारत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ाने और निर्यात को प्रोत्साहित करने की नीति अपना रहा है। यदि भारत निर्यात और विदेशी निवेश दोनों क्षेत्रों में वृद्धि करने में सफल होता है तो विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत होगा और रुपये पर दबाव कम किया जा सकेगा। समग्र रूप से देखा जाए तो ट्रम्प प्रशासन की आक्रामक व्यापारिक नीतियों ने वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में अस्थिरता पैदा की है, लेकिन भारत ने इन चुनौतियों का सामना व्यावहारिक और संतुलित रणनीति से करने का प्रयास किया है। आत्मनिर्भरता, मुक्त व्यापार समझौतों का विस्तार, नए बाजारों की खोज और युवा शक्ति का विकास भारत की प्रमुख रणनीतियाँ हैं।

मेष राशि- आज आप एनर्जेटिक रहेंगे। इंजीनियर्स को आज अच्छा प्रोजेक्ट मिलेगा जो उनके जीवन का अहम प्रोजेक्ट होगा। आज आप उस बात का समर्थन करेंगे जो आपके लिए लाभदायक है। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, जिससे आपके सारे काम भी अच्छे ढंग से होंगे। आज बच्चों को चिड़ियाघर घुमाने ले जाएंगे, जहां बच्चे खूब आनन्द उठाएंगे। पारिवारिक काम निपटाने के लिहाज से दिन अच्छा है।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। इस राशि के जो लोग बिजनेस करते है आज उन्हें धनलाभ होने के योग बन रहे है। जो लोग नौकरी की तलाश में उन्हें नौकरी मिलने की संभावना है। इस राशि के जो लोग कवि है आज उनकी कविता की पुस्तक प्रकाशित हो सकती है।

मिथुन राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज बहुत से अच्छे मौके आपका इंतजार कर रहे है। लेकिन आपको उनके लिए लगातार कोशिशें करनी होंगी। इस राशि के जिन लोगों का सिंगिंग में रुझान है आज उन्हें किसी टीवी शो में गाने का ऑफर आ सकता है। आज आप महंगी खरीददारी के बारे में भी अपना मन बना सकते हैं, लेकिन आखिरी समय में आपको निर्णय लेने में मुश्किल होगी।

कर्क राशि- आज आप काफी उत्साहित रहेंगे। अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने के लिए आज आप नया प्लान बनाएंगे। आज आपकी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से हो सकती है जो भविष्य में आपकी सहायता कर सकते है। आज सकारात्मक सोच रखकर कार्य करेंगे तो आपको सफलता जरुर मिलेगी। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

सिंह राशि- आज आपका दिन लकी रहेगा। मेडिकल स्टूडेंट्स आज अपने सीनियर्स से कुछ नया अनुभव सीखेंगे, जो उनको आने वाले जीवन में लाभ देगा। लेखकों की आत्मकथा आज पब्लिश होगी जो लोगों के द्वारा काफी पसंद की जाएगी। साथ ही आज दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं को न रोकें, जो कार्य आपको अच्छा लगें, वहीं करें। शाम का समय आपके लिए चुनौतीभरा हो सकता है।

कन्या राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने परिवार वालों के साथ समय बिताएंगे जिससे घर में खुशियों का माहौल रहेगा। बच्चों को ज्ञान की बातें बताएंगे जिससे बच्चे अच्छे रास्ते पर चले। आज आप जो भी काम करेंगे उसमें आपको सफलता मिलेगी। जीवनसाथी के साथ टाइम स्पेंड करने से आपकी उलझने कम होंगी।

तुला राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे, जिससे आपको आपके काम के लिए अच्छी रेटिंग मिलेगी। आज आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे जिससे आप खूब सारा धन कमाएंगे। आज आपके कार्यक्षेत्र और परिवार के बीच संतुलन रहेगा। अविवाहित जातकों के लिए विवाह के अच्छे प्रस्ताव आयेंगे।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। किसी पुरानी बात को लेकर आप उलझन आ सकते है, अपने मित्र से शेयर करके आपको उस उलझन से राहत मिलेगी। आपके घर पर मेहमान मेहमान आएंगे, जिससे घर का माहौल व्यस्त रहेगा। तकनीकी क्षेत्र के स्टूडेंट्स के लिए दिन फेवरेबल रहेगा, आप नई तकनीकी सीख सकते है जो भविष्य में काम आयेगा।

धनु राशि- आज आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। आज परिवार वालों के साथ घर की साफ-सफाई में हाथ बटायेंगे। साथ ही कुछ जरुरी सामान खरीदने बाजार जा सकते हैं। आज आप घर में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेंगे। इस राशि के नवविवाहित के लिए आज का दिन बेहतरीन है। लवमेट आज कहीं घूमने की प्लानिंग कर सकते हैं, जिससे उनके बीच चल रही अनबन दूर होगी।

मकर राशि- आज आपका दिन बहुत अच्छा रहेगा। बड़ों की सलाह आपके लिए कारगार होगी, इसलिए उनसे सलाह लेकर ही काम को करें। आपको उन लोगों से दूरी बनाकर रखनी है, जिनके विचार नकारात्मक हों। कारोबार में आ रही समस्याएं आज समाप्त होंगी। आपका नए लोगों से जल्दी ही परिचय हो सकता है।

कुंभ राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। शाम को दोस्तों से मिलने के बाद आपकी पुरानी यादें ताजा होगी। जिससे आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। जीवनसाथी को आज सरप्राइज पार्टी देंगे, जिससे आपके बीच का प्यार ज्यादा बढ़ेगा।

मीन राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आप अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए अपने सहयोगियों के साथ मीटिंग करेंगे। अपने बच्चों के साथ आज घर पर गेम खेलेंगे, जिससे पारिवारिक सौहार्द बढ़ेगा। आज जो भी फैसला करें काफी सोच विचार कर ही करें, हो सके तो परिवार वालों की राय जरूर लें। दोस्तों को आज डिनर कराने के लिए आप किसी रेस्टोरेंट में ले जाएंगे।

युद्ध की विभीषिका: हारती मानवता और सिसकता विश्व

सुनील कुमार महला

युद्ध वास्तव में केवल सीमाओं पर नहीं लड़ा जाता, बल्कि उसका सबसे गहरा घाव मानवता की आत्मा पर लगता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज का विश्व एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ प्रगति की बातें तो बहुत होती हैं, लेकिन धरातल पर विनाश की पदचाप साफ़ सुनाई देती है। पिछले कुछ समय से अमेरिका, इज़रायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने पूरी दुनिया को अनिश्चितता के भंवर में धकेल दिया है। सच तो यह है कि इस संघर्ष के कारण चारों ओर हाहाकार मचा हुआ है और तबाही का मंजर करीब आता दिखाई दे रहा है। यह संघर्ष केवल दो-तीन देशों की सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था, मानवीय संवेदनाओं और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर भी पड़ रहा है।

युद्ध और आर्थिक तबाही:- यह एक कड़वा सच है कि युद्ध का सबसे पहला और प्रत्यक्ष प्रहार आम आदमी की जेब और पेट पर होता है। मध्य-पूर्व दुनिया के तेल और गैस का प्रमुख केंद्र है। जब भी यहाँ युद्ध जैसी स्थिति बनती है, तो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) बाधित हो जाती है। तेल और गैस की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि महंगाई को चरम पर पहुँचा देती है। एक गरीब परिवार के लिए दो वक्त की रोटी जुटाना भी कठिन हो जाता है, क्योंकि युद्ध के कारण परिवहन और उत्पादन की लागत बढ़ जाती है। यह आर्थिक संकट केवल एक देश तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे विश्व के लिए साझा संकट बन जाता है।

अहम और विस्तारवाद की अंधी दौड़:- युद्ध कभी भी अचानक नहीं होते; इनके पीछे लंबे समय से पल रही कुंठाएँ, विस्तारवादी नीतियाँ और शासकों की मनमानी होती है। जब देशों के बीच संवाद समाप्त हो जाता है और 'अहम' (इगो) बड़ा हो जाता है, तब कूटनीति के रास्ते बंद हो जाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज परमाणु हथियारों की होड़ ने मानव जाति को विनाश के उस मुहाने पर खड़ा कर दिया है जहाँ एक छोटी-सी गलती पूरी सभ्यता को मिटा सकती है। धार्मिक कट्टरवाद, जातीय संघर्ष और सीमा विवाद जैसे मुद्दे आग में घी डालने का काम करते हैं। जब शासक अपनी शक्ति के प्रदर्शन में अंधे हो जाते हैं, तो वे यह भूल जाते हैं कि जिस धरती को जीतने की कोशिश कर रहे हैं, उसे रहने लायक भी नहीं छोड़ेंगे।

युद्धः इंसानियत की हार:- इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं रहे। युद्ध केवल नए युद्धों का बीज बोते हैं। किसी भी संघर्ष में न कोई देश वास्तव में जीतता है और न ही कोई हारता है; अगर कुछ हारता है तो वह है मानवता। सच तो यह है कि युद्ध के मैदान में बारूद की गंध के बीच सबसे पहले करुणा और दया की बलि चढ़ती है। जब बम गिरते हैं, तो वे यह नहीं देखते कि नीचे कौन है। मलबे के ढेर पर बैठकर बिलखते बच्चे, अपनों को खो चुकी महिलाएँ और बेबस बुजुर्ग इस बात का जीवंत प्रमाण हैं कि युद्ध कितना क्रूर होता है। जो बच्चे आज खिलौनों से खेलना चाहते हैं, उनके हाथों में युद्ध ने नफरत और विनाश की यादें थमा दी हैं। जिस देश को बनाने में दशकों का पसीना और मेहनत लगती है, युद्ध उसे कुछ ही दिनों में खंडहर बना देता है और देश बरसों पीछे चला जाता है।

युद्धग्रस्त देशों की भयावह स्थिति:- यह विचारणीय है कि दुनिया के कई देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने युद्धरत देशों से युद्धविराम की अपील की है, लेकिन शासकों की जिद के कारण दुनिया असहाय दिखाई दे रही है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका पर भी लगातार सवाल उठ रहे हैं और इसकी प्रासंगिकता को लेकर बहस तेज हो गई है। दूसरी ओर युद्धग्रस्त देशों की स्थिति बेहद भयावह है। लगातार बमबारी के कारण बड़े-बड़े शहर खंडहर में बदल चुके हैं। सड़कों पर जगह-जगह लाशें बिखरी पड़ी हैं और अस्पतालों में घायल मासूम बच्चों की दर्दनाक तस्वीरें दिल दहला देती हैं। चारों ओर आग और धुएँ का वातावरण है। एंबुलेंस और हवाई हमलों के सायरन हर पल खामोशी को चीरते रहते हैं। अस्पतालों, स्कूलों, थिएटरों और रिहायशी इलाकों पर बमबारी के बाद जान बचाने के लिए सड़कों पर भागती भीड़ का दृश्य अत्यंत पीड़ादायक है। पानी, दूध, ब्रेड और दवाइयों के लिए परेशान महिलाओं और बुजुर्गों की भीड़ मानवता को शर्मसार करती है और युद्धरत देशों के शासकों की संवेदनहीनता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है।

शरणार्थियों की त्रासदी:- इतिहास यह भी बताता है कि युद्ध में किसी की वास्तविक जीत नहीं होती, बल्कि हार हमेशा मानवता की होती है। विश्व युद्धों से लेकर विभिन्न देशों के बीच हुए संघर्षों ने यह सिद्ध किया है कि युद्ध की भयावहता का प्रभाव आने वाली कई पीढ़ियों तक बना रहता है।इन युद्धों में उन निर्दोष युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की जान जाती है, जिनका इस लड़ाई की जीत या हार से कोई संबंध नहीं होता। युद्ध के कारण शरणार्थियों की समस्या भी पैदा होती है। लाखों लोग अपना घर-बार छोड़कर दूसरे देशों में शरण लेने को मजबूर हो जाते हैं। वहाँ उनका जीवन अक्सर दोयम दर्जे के नागरिक जैसा हो जाता है और उन्हें रोटी, कपड़ा तथा सिर पर छत के लिए भी प्रशासन की मदद पर निर्भर रहना पड़ता है। शरणार्थियों की यह समस्या कई देशों के लिए आर्थिक बोझ भी बनती है और कई बार सामाजिक तनाव का कारण भी बन जाती है।

निष्कर्ष:- अंत में यही कहूंगा कि युद्ध विकास का अंत और विनाश का प्रारंभ है। नशीले पदार्थों का अवैध व्यापार, संसाधनों पर कब्जे की होड़ और धार्मिक कट्टरता-ये सभी समाज को खोखला करने वाले तत्व हैं, जो अंततः युद्ध का रूप ले लेते हैं।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफ: **राजीव रंजन**। बिहार प्रभारी: **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। • यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

दृष्टि सेवा महा अभियान के तहत 20 मोतियाबिंद मरीजों की सर्जरी

पूर्वी सिंहभूम। आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल और पूर्णिमा नेत्रालय के संयुक्त सहयोग से चलाए जा रहे दृष्टि सेवा महाअभियान के अंतर्गत 20 मोतियाबिंद मरीजों की दोनों आंखों की सफल फेको सर्जरी कर निःशुल्क लेंस प्रत्यारोपण किया गया। करीब एक महीने की अवधि में सभी मरीजों का ऑपरेशन कर उन्हें नई रोशनी दी गई। सर्जरी के बाद मरीजों को गुरुवार को जरूरी दवाइयां और चश्मा भी उपलब्ध कराया गया और उनका स्वागत किया गया। इस अभियान के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को बेहतर नेत्र उपचार की सुविधा देने का प्रयास किया जा रहा है। आनंद मार्ग आयुष्मान भारत योजना और डीबीसीएस यानी राष्ट्रीय अंधत्व निवारण और नियंत्रण कार्यक्रम के सहयोग से पिछले कई वर्षों से दृष्टि सेवा अभियान चला रहा है, जिसके माध्यम से जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क नेत्र जांच और उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में 19 मार्च को आनंद मार्ग जागृति, गदरा शिव मंदिर के पास आंखों से संबंधित बीमारियों की जांच के लिए विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा।

युवक ने फंदे से लटक कर की खुदकुशी

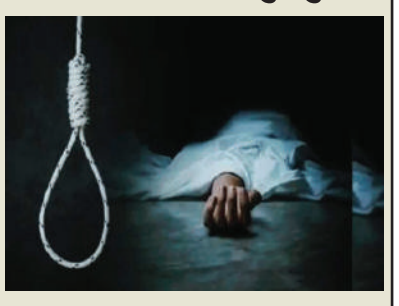

पश्चिमी सिंहभूम। जिले के किरीबुरू थाना क्षेत्र अंतर्गत करमपदा गांव में बुधवार की देर रात एक युवक ने फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। मृतक की पहचान दीपक पूर्ति (22) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार दीपक पूर्ति अपनी पत्नी के साथ करमपदा गांव में रेलवे के एक पुराने भवन में रह रहा था। बुधवार की रात किसी समय उसने अपनी पत्नी की साड़ी से फंदा बनाकर उसी भवन के अंदर फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। गुरुवार सुबह कुछ बच्चे खेलते-खेलते उस भवन के पास पहुंचे। बच्चों ने खिड़की से अंदर झांककर देखा तो दीपक पूर्ति को फंदे से लटका हुआ पाया। यह देखकर बच्चे घबरा गए और शोर मचाने लगे। बच्चों की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी गांव के अन्य लोगों को दी। इसके बाद ग्रामीण तुरंत भवन के अंदर पहुंचे और दीपक को फंदे से नीचे उतारकर उसकी जान बचाने की कोशिश की। लोगों ने उसे प्राथमिक उपचार देने का भी प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों के अनुसार प्रारंभिक जानकारी में यह बात सामने आई है कि दीपक का अपनी पत्नी के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। हालांकि खुदकुशी के पीछे की वास्तविक वजह क्या है, इसका स्पष्ट कारण अभी तक सामने नहीं आ पाया है। घटना की सूचना मिलने के बाद इलाके में शोक का माहौल है। मामले को लेकर पुलिस को भी सूचना दे दी गई है और आगे की जांच की जा रही है।

धारदार हथियार से हमला कर युवक की हत्या

रांची। रांची के तमाड़ थाना क्षेत्र के कोकोडीह गांव निवासी कमलेश महतो (युवक) की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। प्रारंभिक जांच में प्रेम प्रसंग का मामला सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, कमलेश महतो एक शादी समारोह से लौट रहा था। तभी पहले से घात लगाए अपराधियों ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में तमाड़ थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है। पुलिस जांच में जुटी हुई है।

औचक निरीक्षण में आंगनवाड़ी केंद्र बंद, बीडीओ ने दिए कार्रवाई के निर्देश

दुमका : रामगढ़ प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी कमलेंद्र कुमार सिंहा ने गुरुवार को पंचुवटिकर आंगनवाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान केंद्र निर्धारित समय से पहले बंद पाया गया और वहां एक भी बच्चा उपस्थित नहीं था। साथ ही केंद्र में साफ-सफाई की भी कमी पाई गई। इस पर बीडीओ ने सेविका कुसुम सेवी को कड़ी फटकार लगाते हुए कार्यप्रणाली में सुधार करने, बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा केंद्र को निर्धारित समय पर खोलने-बंद करने का निर्देश दिया। अनियमितता को देखते हुए संबंधित कर्मियों से स्पष्टीकरण मांगते हुए वेतन व मानदेय स्थगित करने का निर्देश दिया गया।

निरीक्षण के क्रम में प्राथमिक विद्यालय पंचुवटिकर की भी जांच की गई, जहां 34 नामांकित बच्चों में से 32 उपस्थित पाए गए, लेकिन आवश्यक पंजी उपलब्ध नहीं कराए जा सके और करीब एक सप्ताह से मध्यान्ह भोजन भी बंद मिला। इस पर बीडीओ ने संबंधित शिक्षक का वेतन अद्यतन पंजी प्रस्तुत होने तक स्थगित रखने का निर्देश दिया। इसके अलावा क्षेत्र के आयुष्मान आरोग्य केंद्र के बंद पाए जाने पर संबंधित कर्मियों से भी स्पष्टीकरण मांगने और मानदेय रोकने का निर्देश दिया गया।

गरगा डैम में डूबने से किशोर की मौत, एनडीआरएफ ने कड़ी मशक्कत के बाद निकाला शव

बोकारो : जिले के गरगा डैम में बुधवार को नहाने के दौरान हुए एक दर्दनाक हादसे में 17 वर्षीय किशोर गोलू की डूबने से मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद गुरुवार को एनडीआरएफ की टीम और स्थानीय गोताखोरों द्वारा सघन खोज अभियान चलाया गया, जिसके बाद शव को डैम से बाहर निकाला जा सका।

उपायुक्त ने व्यक्त की संवेदना–इस दुखद घटना पर बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। उपायुक्त ने शव को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए चलाए गए जटिल बचाव अभियान में शामिल अधिकारियों और टीम की प्रशंसा की। उन्होंने विशेष रूप से जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार, एनडीआरएफ की टीम और स्थानीय गोताखोरों के समर्पित प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने विषम परिस्थितियों में शव को खोज निकाला।

विश्व प्लम्बर दिवस पर प्लम्बरों को किया गया सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोड्डा : जल महोत्सव पखवाड़ा (8 से 22 मार्च 2026) के तहत गुरुवार को विश्व प्लम्बर दिवस के अवसर पर विराशत कॉम्प्लेक्स में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यपालक अभियंता संजय कुमार शर्मा ने की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन की सफलता में प्लम्बरों की भूमिका बेहद अहम है और हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य को पूरा करने में प्रशिक्षित प्लम्बर महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान प्लम्बरों को प्लम्बर किट, टी-शर्ट, कैप और प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रशिक्षित महिला प्लम्बरों और विभिन्न प्रखंडों से आए पुरुष प्लम्बरों ने जल जीवन मिशन के तहत अपने कार्य अनुभव साझा किए तथा गांवों में काम के दौरान आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की। अधिकारियों ने कहा कि योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता भी जरूरी है, ताकि हर घर तक नल से जल की सुविधा सुचारु रूप से उपलब्ध कराई जा सके।

कार्यक्रम में कनीय अभियंताओं ने भी विश्व प्लम्बर दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति योजनाओं के प्रभावी संचालन के लिए जागरूकता और सतर्कता की आवश्यकता बताई। इस अवसर पर जिला एवं प्रखंड स्तर की टीम के सदस्य, सभी प्लम्बर और प्रशिक्षित महिला जलसहिया सहित बड़ी संख्या में संबंधित कर्मी उपस्थित रहे। सभी ने जल जीवन मिशन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने और योजना को सफल बनाने का संकल्प लिया।

अधिवक्ता की पुत्री के विवाह में जुटे गणमान्य लोग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी : अनुमंडल अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष इन्द्रजीत जायसवाल की पुत्री विजयता जायसवाल के विवाह समारोह में क्षेत्र के कई प्रबुद्धजन, सामाजिक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि शामिल हुए तथा वर-वधू को आशीर्वाद देकर सुखमय दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं। विवाह समारोह का आयोजन इसरी बाजार स्थित मथुरासिनी में किया गया, जहां बड़ी संख्या में अतिथि उपस्थित रहे। समारोह में पूर्व मंत्री बेबी देवी, भाजपा नेता प्रशांत जायसवाल, पूर्व प्रमुख यशोदा देवी, गिरिडीह जिला अधिवक्ता संघ के महासचिव चुन्नुकांत, प्रतिष्ठित व्यवसायी शिवेश भगत उर्फ नाजू और शिक्षाविद सुनील जैन सहित क्षेत्र के अधिवक्ता, पत्रकार, जनप्रतिनिधि और कई मुखिया शामिल हुए। सभी ने नवदंपति को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल और सुखमय भविष्य की कामना की।

दुमका के टीन बाजार स्थित पूजा सामग्री दुकान में भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका : टीन बाजार में गुरुवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब पूजा सामग्री की एक दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने दुकान में रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे बाजार में मौजूद लोगों के बीच हड़कंप मच गया।सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो टीमें मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं। स्थानीय लोगों की मदद से आसपास की दुकानों को सुरक्षित करने की कोशिश भी की जा रही है ताकि आग आगे न फैल सके।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस घटना में लाखों रुपये का सामान जलकर नष्ट हो गया है। बताया जा रहा है कि आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट हो सकती है, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।घटना के समय बाजार में मौजूद लोगों ने तुरंत इसकी सूचना प्रशासन और दमकल विभाग को दी, जिसके बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया।

झारखंड विधानसभा : विधायक जयराम ने सदन में उठाया बिजली आपूर्ति का मुद्दा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

झारखंड विधानसभा बजट सत्र के 12 वें दिन गुरुवार को डुमरी विधायक जयराम महतो ने सदन में बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि कई जगह ट्रांसफार्मर जलने या तार खराब होने के बाद लंबे समय तक बिजली बहाल नहीं हो पाती। इससे आम लोगों को काफी परेशानी होती है। विधायक ने सरकार से शिकायत व्यवस्था और समय सीमा स्पष्ट करने की मांग की। जयराम महतो ने यह भी कहा कि उपभोक्ताओं को यह स्पष्ट नहीं होता कि ट्रांसफार्मर जलने, तार टूटने या अन्य तकनीकी खराबी की स्थिति में वे शिकायत कहां करें। साथ ही सरकार से जानना चाहा कि तय समय में काम नहीं होने पर अधिकारियों पर क्या कार्रवाई होती है। इस मुद्दे पर विपक्ष के सदस्यों ने भी जयराम महतो का समर्थन किया। विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि बिजली मुफ्त की व्यवस्था नहीं है, उपभोक्ता इसके लिए भुगतान करते हैं, इसलिए उनका अधिकार है कि उन्हें अच्छी बिजली सेवा मिले। उन्होंने कहा कि अगर ट्रांसफार्मर जल जाए तो उसे 24 घंटे के भीतर बदलने की व्यवस्था होनी चाहिए। मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने सदन में स्वीकार किया कि कई बार ट्रांसफार्मर जलने के बाद उसे बदलने में दिक्कत आती है। उन्होंने कहा कि विभाग में ट्रांसफार्मर की कमी होने के कारण समय पर उपलब्धता नहीं हो पाती, जिसके चलते देरी हो जाती है। जयराम महतो ने यह भी पूछा कि उपभोक्ता अपनी शिकायत आखिर कहां दर्ज कराएं। इसके जवाब में मंत्री ने कहा कि उपभोक्ता एग्जीक्यूटिव इंजीनियर और डिवीजन कार्यालय में शिकायत कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि गर्मी को देखते हुए विभाग जल्द ही एक टोल-फ्री नंबर भी जारी करेगा, ताकि लोग आसानी से बिजली संबंधी शिकायत दर्ज करा सकें।

विधायक कल्पना ने कृषि और वन उत्पादों के लिए मानक गुणवत्ता प्रयोगशाला नहीं होने का मुद्दा उठाया– सदन में विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने राज्य में कृषि एवं वन उत्पादों के लिए मानक गुणवत्ता प्रयोगशाला नहीं होने का मुद्दा सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि राज्य में अदरक, महुआ, कटहल, टमाटर समेत कई प्रकार के फल-सब्जियों और कृषि उत्पादों का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है, लेकिन गुणवत्ता परीक्षण की सुविधा नहीं होने के कारण किसानों को वैश्विक बाजार का लाभ नहीं मिल पाता। विधायक ने सरकार से मांग की कि राज्य में कृषि और वन उत्पादों की मैपिंग कर एक स्पष्ट योजना तैयार की जाए और उनके वैश्विक बाजार में खपत का आकलन किया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि रांची और देवघर हवाई अड्डे पर मानक गुणवत्ता प्रयोगशाला स्थापित की जाए, ताकि निर्यात से पहले उत्पादों की जांच हो सके और किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच मिल सके। इस पर जवाब देते हुए कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि भविष्य में मानक गुणवत्ता परीक्षण की आवश्यकता को देखते हुए विभाग ने इस संबंध में केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा है। आवश्यकता पड़ने पर राज्य सरकार इस दिशा में आगे पहल कर किसानों को सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास करेगी।

डकैती कांड के फरार आरोपी के घर चिपका इश्तिहार, पुलिस ने दी आत्मसमर्पण की चेतावनी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ः लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र में डकैती कांड के एक फरार आरोपी के खिलाफ पुलिस ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए उसके घर पर इश्तिहार चिपकाया। यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश के बाद की गई, जिसके तहत आरोपी को जल्द आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी गई है।जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के बरमसिया गांव निवासी छोटा बुलाय उर्फ भोला टुडू डकैती के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहा है। इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 395 के तहत केस दर्ज है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी, लेकिन उसके हाथ नहीं लगने पर न्यायालय से इश्तिहार जारी कराया गया।गुरुवार को एसआई गोपाल कुमार महतो सशस्त्र पुलिस बल के साथ बरमसिया गांव पहुंचे और आरोपी के घर पर इश्तिहार चिपकाया। इश्तिहार के माध्यम से आरोपी को निर्देश दिया गया है कि वह निर्धारित समय के भीतर न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण करे।पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यदि तय समय सीमा के अंदर आरोपी आत्मसमर्पण नहीं करता है, तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार आगे की सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान पुलिस बल के कई जवान भी मौके पर मौजूद रहे और पूरी प्रक्रिया विधिवत पूरी की गई।

झारखंड विधानसभा : विधायक नवीन जायसवाल ने रजिस्ट्री पोर्टल नहीं खुलने का मुद्दा उठाया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के 12 वें दिन गुरुवार को एक बार फिर विधायकों को कोऑपरेटिव सोसाइटी के माध्यम से जमीन उपलब्ध कराने से जुड़े रजिस्ट्री पोर्टल का मामला उठाया गया। विधायक नवीन जायसवाल ने वित्त मंत्री के आश्वासन के बावजूद रजिस्ट्री पोर्टल नहीं खुलने पर सदन में सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि मंत्री की ओर से दिए गए आश्वासन के तीन दिन पूरे हो चुके हैं। लेकिन अभी तक रजिस्ट्री पोर्टल शुरू नहीं किया गया है इस पर संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि इस मामले में रांची के उपायुक्त से बातचीत की गई है। जांच में पता चला है कि कोऑपरेटिव सोसाइटी की कुछ जमीन पर अतिक्रमण हो गया है और कुछ जगहों पर जमीन की बंदोबस्ती भी कर दी गई है। इसके अलावा रजिस्ट्री प्रक्रिया में कुछ तकनीकी दिक्कतें भी सामने आई हैं, जिसके कारण फिलहाल पोर्टल शुरू नहीं हो सका है। मंत्री ने सदन को बताया कि पिछले 22-23 वर्षों से विधायकों को कोऑपरेटिव सोसाइटी के माध्यम से जमीन नहीं मिल पाई है। उन्होंने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए राजस्व मंत्री, राजस्व सचिव और रांची के उपायुक्त के साथ बैठक कर जल्द ही स्थिति स्पष्ट की जाएगी और रजिस्ट्री प्रक्रिया शुरू कराने की दिशा में कदम उठाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विधायक सीपी सिंह ने गत सोमवार को भी सदन में इस मुद्दे को उठाया था उन्होंने कहा था कि विधायकों को जमीन उपलब्ध कराने के लिए बनाई गई कोऑपरेटिव सोसाइटी की जमीन की अब तक रजिस्ट्री नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में अधिकारियों से लगातार बातचीत हो रही है। लेकिन कभी एक सप्ताह तो कभी दस दिन का समय दिया जाता है और अब तक रजिस्ट्री के लिए पोर्टल लिंक भी नहीं खोला गया है। इस पर संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने सदन को आश्वस्त करते हुए कहा था कि तीन दिनों के भीतर रजिस्ट्री पोर्टल खोल दिया जाएगा। आश्वासन के तीन दिन बाद भी पोर्टल नहीं खोलने पर विधायक नवीन जायसवाल ने इस मुद्दे को फिर से सदन में उठाया।

यात्रियों से भरा टेंपो पलटा, महिला और दो स्कूली बच्चे घायल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बर्मामाइंस थाना क्षेत्र के ईस्ट प्लांट बस्ती के पास गुरुवार की सुबह एक सड़क हादसे में एक महिला और दो स्कूली बच्चे सहित कुल तीन लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार साकची से बर्मामाइंस की ओर जा रहा यात्रियों से भरा एक टेंपो अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। इस दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया और आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए जुट गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टेंपो चालक नशे की हालत में वाहन चला रहा था और काफी तेज गति में था। ईस्ट प्लांट बस्ती के पास पहुंचते ही चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिसके कारण टेंपो अचानक पलट गया। टेंपो पलटते ही उसमें सवार यात्री सड़क पर गिर पड़े, जिससे कई लोगों को चोटें आईं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को टेंपो से बाहर निकाला और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही बर्मामाइंस थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजवाया। डॉक्टरों के अनुसार घायलों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। हादसे में घायल छात्र लक्की ने बताया कि वह ईस्ट प्लांट बस्ती के प्रेम नगर का रहने वाला है और गुरुवार सुबह टेंपो से स्कूल जा रहा था। रास्ते में चालक तेज गति से वाहन चला रहा था और अचानक टेंपो पलट गया, जिससे वह घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि उस समय टेंपो में कई यात्री सवार थे, जिनमें स्कूली बच्चे भी शामिल थे। हादसे के बाद कुछ देर के लिए सड़क पर भीड़ लग गई और यातायात प्रभावित हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और यातायात को सामान्य कराया।

विधायक ने कृषि मंत्री से की मुलाकात

राष्ट्रीय मुख्यधारा

तोरपा विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुदीप गुड़िया ने गुरुवार को राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पा नहीं तिर्की से मुलाकात कर तोरपा क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने मंत्री को एक विस्तृत अनुशंसा पत्र सौंपते हुए कृषि और पशुपालन से संबंधित कई महत्वपूर्ण योजनाओं को स्वीकृति देने का आग्रह किया। विधायक ने मंत्री को बताया कि तोरपा विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में सिंचाई सुविधाओं की कमी, आधुनिक कृषि संसाधनों की उपलब्धता तथा पशुपालन के विकास से जुड़ी कई समस्याओं का सामना किसानों को करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के समाधान से किसानों की आय में वृद्धि होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। सुदीप गुड़िया ने क्षेत्र में सिंचाई व्यवस्था के विस्तार, किसानों को कृषि उपकरण उपलब्ध कराने, पशुपालन को बढ़ावा देने तथा संबंधित योजनाओं को जल्द स्वीकृति देने की मांग की। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने विधायक द्वारा उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया। विधायक ने कहा कि तोरपा विधानसभा क्षेत्र के किसानों और पशुपालकों के हितों की रक्षा तथा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं और आगे भी किसानों की समस्याओं को सरकार के समक्ष मजबूती से उठाते रहेंगे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

कैविटी से बढ़ रहा दांतों का दर्द, कमजोर हो रहे मसूड़े

गोरखपुर, एजेंसी। दांतों से जुड़ी बीमारियां लोगो में तेजी से बढ़ रही हैं। खासकर कैविटी और मसूड़ों की कमजोरी के कारण लोगों को तेज दर्द और अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन दिनों जिला अस्पताल की ओपीडी में रोजाना पांच से 10 मरीज कैविटी, मसूड़ों की कमजोरी और दांत दर्द की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. वीके गुप्ता और डॉ. राकेश यादव ने बताया कि लंबे समय तक दांतों की सही देखभाल न करने और तंबाकू व गुटखे के सेवन के कारण यह समस्या बढ़ रही है। अधिकतर मरीज कैविटी और मसूड़ों से जुड़ी समस्या लेकर आते हैं। कई मरीजों को लंबे समय से दांतों में दर्द या सूजन की परेशानी रहती है लेकिन समय पर इलाज नहीं होने से समस्या बढ़ जा रही है। गुटखा, तंबाकू और बच्चों में मीठे पदार्थों का अधिक सेवन दांतों को तेजी से नुकसान पहुंचाता है। इसके अलावा दांतों की नियमित सफाई न करने से भी कैविटी और मसूड़ों की बीमारी बढ़ती है।

राप्तीनगर टाउनशिप योजना के 84 भूखंडों की हुई ई-लॉटरी

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर विकास प्राधिकरण की ओर से संचालित राप्तीनगर टाउनशिप एवं स्पोर्ट्स सिटी योजना के अंतर्गत विभिन्न श्रेणी के आवासीय और व्यावसायिक भूखंडों के आवंटन के लिए ई-लॉटरी बुधवार को प्राधिकरण सभागार में हुई। ई-लॉटरी 25 जनवरी से 24 फरवरी तक खुले ऑनलाइन पंजीकरण के बाद की गई। लॉटरी के माध्यम से ईडब्ल्यूएस, एचआईजी और सुपर एचआईजी श्रेणियों के कुल 84 भूखंडों का आवंटन किया गया। इनमें ईडब्ल्यूएस श्रेणी के 42 भूखंड शामिल हैं, जिनका अनुमानित मूल्य लगभग पांच करोड़ 46 लाख 92 हजार 400 रुपये है। वहीं, एचआईजी श्रेणी के 36 भूखंडों का अनुमानित मूल्य लगभग 33 करोड़ 50 लाख 39 हजार 70 रुपये निर्धारित किया गया है। इसके अलावा सुपर एचआईजी श्रेणी के छह भूखंडों का आवंटन किया गया, जिनका अनुमानित मूल्य लगभग नौ करोड़ 88 लाख 16 हजार 592 रुपये है। इस प्रकार कुल 84 भूखंडों का आवंटन किया गया, जिनकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 48 करोड़ 85 लाख 48 हजार 62 रुपये है। इस अवसर पर सचिव पुष्पराज सिंह, ओएसडी प्रखर उत्तम, मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी संतोष कुमार कुशवाहा, प्रभारी मुख्य अभियंता किशन सिंह, सहायक संपत्ति अधिकारी सत्येंद्र सिंह, यशवंत सिंह आदि उपस्थित रहे।

नगर निगम का वसूली अभियान तेज, 48 करोड़ रुपये का कर संग्रह

गोरखपुर, एजेंसी। नगर निगम की ओर से कर वसूली को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। नगर निगम के पांचों जोन में वसूली अभियान तेज कर दिया गया है। प्रत्येक आरआईटीसी (राजस्व निरीक्षक कर) को प्रतिदिन कम से कम 60 संपत्तियों से कर वसूली करने का निर्देश दिया गया है। नगर निगम के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में फरवरी माह तक करीब 43 करोड़ रुपये कर की वसूली की गई थी, जबकि चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में फरवरी तक 48 करोड़ रुपये की वसूली हो चुकी है। इससे साफ है कि इस वर्ष कर संग्रह में वृद्धि हुई है। नगर निगम प्रशासन की ओर से बड़े बकायेदारों से कर वसूली के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही कई सरकारी विभागों से भी बकाया कर की वसूली के प्रयास किए जा रहे हैं। इनमें पीडी, आयकर विभाग, सिंचाई विभाग, उद्योग विभाग के उपक्रम समेत अन्य संस्थान शामिल हैं। नगर निगम ने सभी करदाताओं से अपील की है कि वे समय से अपना कर जमा कर दें, ताकि उन्हें अगले वर्ष अतिरिक्त ब्याज या दंड से बचाया जा सके।

सड़क पर खड़े ट्रक से टकराई निजी बस, 27 श्रद्धालु घायल

लखीमपुर खीरी, एजेंसी। लखीमपुर खीरी के उचौलिया क्षेत्र में बुधवार रात एक निजी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में 27 श्रद्धालु घायल हो गए। बस सीतापुर से मनौना धाम जा रही थी। उचौलिया इलाके में सड़क पर खड़े ट्रक से बस की टक्कर हो गई। सीतापुर से श्रद्धालुओं को लेकर मनौना धाम जा रहा निजी बस लखीमपुर खीरी में हादसे का शिकार हो गई। बस सड़क पर खड़े ट्रक से पीछे से टकरा गई। हादसा बुधवार रात करीब 11 बजे हुआ। हादसे में 27 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची उचौलिया थाना पुलिस ने घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज शाहजहांपुर में भर्ती कराया है, जहां पर सभी की हालत सामान्य बताई जा रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक गोपाल नारायण सिंह ने बताया कि बस में सवार 27 यात्री घायल हुए हैं। जिन्हें कई एंबुलेंस पर शाहजहांपुर मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया। कुछ घायल सीएचसी पसगवां भी भेजे गए थे, जो बाद में शाहजहांपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिए गए। घायल सुशील (30 वर्ष) निवासी राजपुर रेउसा सीतापुर ने बताया कि बस में करीब 40 यात्री थे, जो मनौना धाम जा रहे थे। वह चालक के पीछे वाली सीट पर वह बैठा था। हादसे के बाद वह नीचे जा गिरा। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

गैस किल्लत की बढ़ी आंच: मुनाफाखोर सेंक रहे रोटियां

950 वाला घरेलू सिलिंडर मिल रहा 2500 रुपये में

लखनऊ, एजेंसी। मुनाफाखोर घरेलू और व्यावसायिक सिलिंडरों की कीमत कई गुना बढ़ाकर जमकर मुनाफे की रोटियां सेंक रहे हैं। वहीं, समय से डिलीवरी भी नहीं हो रही है। कटिंग का धंधा जोरों पर है।

एलपीजी की किल्लत बढ़ने के कारण गैस सिलिंडरों की कालाबाजारी का धंधा जोरों पर है। इससे 950.50 रुपये वाला घरेलू गैस सिलिंडर 2500 रुपये तक बिक रहा है। 2500 रुपये देने के बाद भी उसमें 14.2 की जगह अधिकतम 12 किलो ही गैस मिल रही है। इसी प्रकार 19 किलो वाला व्यावसायिक सिलिंडर जो 2106 रुपये का मिल रहा था, मुनाफाखोर उसके लिए 3500 से 4000 रुपये तक वसूल कर मुनाफे की रोटियां सेंक रहे हैं।

घरेलू से तैयार कर रहे व्यावसायिक सिलिंडर: राजधानी में सोमवार से व्यावसायिक सिलिंडर की आपूर्ति बंद है। ऐसे में घरेलू सिलिंडर से ही व्यावसायिक सिलिंडर तैयार करने का खेल भी चल रहा है। व्यावसायिक सिलिंडर न मिलने से होटल, रेस्टोरेंट में घरेलू गैस ही जल रही है।

कैटरिंग एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार के मुताबिक 9 मार्च को व्यावसायिक सिलिंडर ब्लैक में 2200 रुपये का था जो 10 मार्च को 3500 रुपये का बिकने लगा। 11 मार्च को इसके लिए 4000 रुपये मांगे जाने लगे। 4000 रुपये का सिलिंडर लेकर धंधा करने पर नुकसान ही होगा।

समय से डिलीवरी भी नहीं: डालीगंज के अंसार ने बताया कि होली से पहले घरेलू सिलिंडर की बुकिंग कराई थी, जो बुधवार दोपहर तक नहीं मिल सका। एजेंसी ने बुधवार दोपहर तक सिलिंडर देने का आश्वासन दिया था। इलाके के अन्य लोगों ने बताया कि छत पर चूल्हा जलाकर खाना पकाना पड़ रहा है। कुछ लोगों को मजबूरी में ब्लैक में सिलिंडर खरीदना पड़ा।

गांव से लेकर शहर तक कटिंग का धंधा जोरों पर: जब से गैस की किल्लत शुरू हुई है, गांव से शहर तक कटिंग का धंधा जोरों पर चल रहा है। डालीगंज निवासी अमन ने बताया कि बुकिंग से मिलने वाला जो सिलिंडर डिलीवरीमैन ला रहे हैं, उसमें दो से तीन किलो तक गैस कम होती है। शिकायत करने पर डिलीवरी वाले सिलिंडर वापस ले जाने की धमकी देते हैं। अमन ने बताया कि डिलीवरीमैन एजेंसी के गोदाम से सिलिंडर लेकर ग्राहकों के घर जाने के बजाय अपने खास ठिकाने पर जाकर गैस चोरी करते हैं। खास उपकरणों के जरिये हर सिलिंडर से दो-तीन किलो गैस निकाल कर खाली सिलिंडर में भरते हैं। कटिंग का यह धंधा तेजी से चल रहा है। कटिंग से ही व्यावसायिक सिलिंडर भी तैयार किए जा रहे हैं जिसे मुंहमांगे दाम पर बेचा जा रहा है।

छोटे सिलिंडर की गैस 250 रुपये किलो

छोटे गैस सिलिंडर की भराई का कारोबार करने वाली एक महिला ने बताया कि पिछले तीन दिन से डिलीवरीमैन 200 से 250 रुपये किलो की दर से गैस दे रहे हैं। पहले 100 रुपये में देते थे। इसी वजह से बुधवार से उन्होंने छोटे सिलिंडर में गैस भरने का काम बंद कर दिया है। इससे मुनाफा तो बहुत दूर, पास की पूंजी भी जा रही है।

आंखें मूंदें बैठा है आपूर्ति विभाग: खदरा के मकसूद ने बताया कि पिछले कई दिन से गैस की घटतौली और कालाबाजारी से लोग त्रस्त हैं, मगर आपूर्ति विभाग ने आंखें मूंद रखी हैं। इससे आम ग्राहकों को ज्यादा रुपये देने के बाद भी कम गैस मिल रही है। मजबूरी में लोगों को कम गैस वाला सिलिंडर ही खरीदना पड़ रहा है।

जिला आपूर्ति अधिकारी विजय प्रकाश का कहना है कि गैस सिलिंडर की कालाबाजारी नहीं होने देंगे। इस खेल पर अंकुश लगाने के लिए टीमें अलग-अलग इलाकों में आकस्मिक जांच करेंगी। छापे के लिए आवश्यक विवरण जुटाया जा रहा है।

तेल कंपनियों का दावा, यूपी में पेट्रोल डीजल व एलपीजी का कोई संकट नहीं, सीएम की अपील- अफवाहों पर ध्यान न दें

लखनऊ, एजेंसी। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के समूह (ओएमसी) ने कहा है कि राज्य में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति सामान्य है और उपभोक्ताओं को घबराने या अतिरिक्त स्टॉक करने की जरूरत नहीं है। वहीं, सीएम योगी ने भी लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

एलपीजी सिलिंडरों के संकट को लेकर मचे हाहाकार के बीच तेल कंपनियों ने दावा किया है कि उत्तर प्रदेश में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति पर कोई संकट नहीं है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के समूह (ओएमसी) ने कहा है कि राज्य में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति सामान्य है और उपभोक्ताओं को घबराने या अतिरिक्त स्टॉक करने की जरूरत नहीं है।

स्टेट लेवल कोऑर्डिनेटर (एसएलसी) संजय भंडारी के अनुसार पश्चिम एशिया में जारी जंग के बावजूद प्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थों की पर्याप्त उपलब्धता है। सप्लाई भी नियमित रूप से जारी है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अनावश्यक घबराहट में अतिरिक्त खरीदारी या बुकिंग न करें। प्रदेश में लगभग 4.85 करोड़ घरेलू एलपीजी उपभोक्ता हैं।

अकेले लखनऊ में ही करीब 15 लाख घरेलू एलपीजी उपभोक्ता हैं। घरेलू गैस उपभोक्ताओं की संख्या के लिहाज से लखनऊ, प्रयागराज, आगरा, गोरखपुर और गाजियाबाद शीर्ष पांच जिलों में शामिल हैं, जहां कुल मिलाकर लगभग 65 लाख उपभोक्ता हैं।

व्यावसायिक और औद्योगिक एलपीजी उपभोक्ताओं की संख्या अपेक्षाकृत कम है, लेकिन मांग स्थिर बनी हुई है। लखनऊ में लगभग 26 व्यावसायिक और औद्योगिक एलपीजी उपभोक्ता विभिन्न ऑयल कंपनियों से जुड़े हैं। वहीं नोएडा/ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर और लखनऊ ऐसे प्रमुख शहर हैं, जहां व्यावसायिक और औद्योगिक एलपीजी की मांग सबसे अधिक है। मांग के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में घरेलू एलपीजी की औसत दैनिक मांग लगभग 10 हजार मीट्रिक टन (टीएमटी) है, जबकि व्यावसायिक और औद्योगिक श्रेणी में यह करीब 0.5 हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन है।

एलपीजी सिलिंडर के 4143 डिस्ट्रीब्यूटर

प्रदेश में एलपीजी सिलिंडर की आपूर्ति के लिए करीब 4143 डिस्ट्रीब्यूटर काम कर रहे हैं, जिनमें से 116 डिस्ट्रीब्यूटर लखनऊ में हैं। कंपनियों का दावा है कि सभी एजेंसियों को पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराया जा रहा है। सिलिंडर बुकिंग को लेकर कुछ उपभोक्ताओं द्वारा आईवीआरएस फोन लाइन व्यस्त होने की शिकायतों के बीच कंपनियों ने कहा है कि उपभोक्ता एसएमएस, मिस्ड कॉल और मोबाइल एप जैसे डिजिटल माध्यमों से भी सिलिंडर बुक कर सकते हैं। ऑयल कंपनियों ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे जरूरत होने पर ही सिलिंडर की बुकिंग करें और एक साथ कई बुकिंग करने से बचें।

सीएम की जनता से अपील अफवाहों पर न दें ध्यान

केजीएमयू में मरीजों की रोटियों में कटौती, व्यावसायिक सिलिंडर की आपूर्ति बाधित होने से हालात खराब

लखनऊ, एजेंसी। व्यावसायिक गैस सिलिंडर की किल्लत को देखते हुए मरीजों को अब चार की जगह दो ही रोटियां दी जा रही हैं। वहीं, विद्यार्थियों की मेस में खाना नहीं बन सका।

व्यावसायिक सिलिंडर की आपूर्ति बाधित होने का असर केजीएमयू में मरीजों के भोजन पर दिखाई देने लगा है। बुधवार को मरीजों की थाली में चार के बजाय दो रोटी ही दी गईं। वहीं विद्यार्थियों की मेस में खाना नहीं बन सका। केजीएमयू में मरीजों के भोजन के लिए सौर ऊर्जा प्लांट लगा है, लेकिन रोटियां गैस पर ही सेंकी जाती हैं। सिलिंडर की आपूर्ति बाधित होने पर वेंडर ने चावल की मात्रा बढ़ा दी। सामान्य तौर पर यहां दाल और सब्जी के साथ चार रोटी और चावल दिया जाता है। बुधवार को सिर्फ दो-दो रोटी ही दी गईं।

इतना ही नहीं, संस्थान में विद्यार्थियों की कई मेस में भी गैस का संकट पैदा हो गया। जैसे-तैसे शाम का भोजन बनाया गया। कई विद्यार्थियों ने बाहर ही भोजन किया। वहीं, कई मेस संचालकों ने लकड़ी जलाने की अनुमति मांगी है।

काफी मरीजों को होती है चावल से समस्या: केजीएमयू में भले ही मरीजों की रोटियों की संख्या में कटौती कर काम चलाया गया हो, लेकिन यह व्यवस्था कई मरीजों के लिए काफी भारी पड़ गई। असल में काफी मरीजों को चावल खाने की मनाही होती है। ऐसे में नई व्यवस्था उनके लिए भारी पड़ गई। हालांकि केजीएमयू प्रशासन ने बृहस्पतिवार को रोटी मेकर लाने की बात कही है। यह बिजली से चलता है और गैस की जरूरत नहीं होगी।

सौर ऊर्जा भी कर रही मदद: केजीएमयू की रसोई पूरी तरह सौर ऊर्जा से संचालित है। संस्थान के प्रवक्ता प्रो. केके सिंह ने बताया कि केजीएमयू में रोजाना करीब साढ़े चार हजार मरीजों का खाना बनाया जाता है। यह काफी पहले से ही सौर ऊर्जा पर आधारित है। इससे रसोई गैस सिलिंडरों पर निर्भरता काफी कम हो गई है।

लोहिया संस्थान में तीन दिन का स्टॉक, हो रही व्यवस्था: डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के प्रवक्ता प्रो. भुवन चंद्र तिवारी के अनुसार, संस्थान में रोजाना करीब एक हजार मरीजों का भोजन पकाया जाता है। इसमें गैस का इस्तेमाल होता है। फिलहाल यहां तीन दिन की गैस ही बची है। हालांकि, वेंडर ने इसका बंदोबस्त करने की बात कही है।

सरकारी अस्पतालों में स्थिति सामान्य: डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, बलरामपुर और लोकबंधु जैसे अस्पतालों में खाना पकाने के लिए गैस का ही इस्तेमाल होता है। हालांकि, कहीं भी गैस की कोई किल्लत नहीं है।

वाराणसी होकर हर रविवार को बड़ोदरा तक जाएगी स्पेशल ट्रेन, होली के बाद बढ़ती भीड़ के चलते की गई व्यवस्था

वाराणसी, एजेंसी। होली के बाद काम पर लौटने वालों की भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा विशेष ट्रेन चलाई जा रही है। इसमें मऊ से बड़ोदरा के लिए चलने वाली विशेष ट्रेन हर रविवार को वाराणसी रेलवे स्टेशन होकर गुजरेगी। यह ट्रेन बड़ोदरा से 14, 21 और 28 मार्च को तथा मऊ से 15, 22 और 29 मार्च को चलाई जाएगी।

होली विशेष ट्रेन का ठहराव आगरा फोर्ट के स्थान पर ईदगाह (आगरा) में होगा। ट्रेन नंबर 09195 वडोदरा-मऊ साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 14, 21 और 28 मार्च को हर शनिवार बड़ोदरा से शाम 7 बजे चलकर गोधरा, रतलाम पहुंचेगी। यहां से दूसरे दिन सुबह 2:45 बजे कोटा, बयाना, ईदगाह (आगरा), कानपुर सेंट्रल से 11:42 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) में 1:20 बजे होते हुए वाराणसी रेलवे स्टेशन पर शाम 7:05 बजे आएगी।

यहां से छूटकर मऊ रेलवे स्टेशन पर रात 8:45 बजे पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 09196 मऊ-वडोदरा साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 15, 22 और 29 मार्च को मऊ से रात 11:15 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन वाराणसी जंक्शन रात 1:10 बजे आएगी। यहां से विभिन्न स्टेशनों को होते हुए तीसरे दिन वडोदरा रात 12:45 बजे पहुंचेगी।

औड़िहार-सारनाथ ट्रेन का संचालन 12 मार्च से 15 मई तक

यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन नंबर 05163/05164 औड़िहार-सारनाथ-औड़िहार डेमू विशेष ट्रेन का संचालन 12 मार्च से 15 मई तक किया गया है। ट्रेन नंबर 05163 औड़िहार-सारनाथ डेमू विशेष ट्रेन औड़िहार से दोपहर 12:35 बजे चलकर सिधौंना रामपुर हाल्ट से 12:43 बजे, रजवाड़ी से 12:53 बजे, कादीपुर से दोपहर 1:04 बजे छूटकर सारनाथ 1:20 बजे पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन सारनाथ से 1:50 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों से होते हुए औड़िहार स्टेशन पर दोपहर 2:35 बजे पहुंचेगी।

देश का पहला ऐसा मामला: शिव पार्वती विवाह पर दिया गलत जवाब, मेटा एआई को कोर्ट में खींचा

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी जिले के सारनाथ तिलमापुर के समाजसेवी नागेश्वर मिश्र ने अमेरिकी सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म मेटा एआई के खिलाफ अवर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय की अदालत में प्रकीर्ण वाद दाखिल किया है। अदालत ने सारनाथ थाने से रिपोर्ट तलब की है। अगली सुनवाई 16 मार्च को होगी। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने बताया कि ये देश का पहला मामला है जिसे अदालत तक लाया गया। इसके पहले सुप्रीम कोर्ट में एक मामला मेटा से जुड़ा पहुंचा था जिसमें गोपनीयता भंग करने का आरोप लगा था।

क्या है पूरा मामला : नागेश्वर मिश्र का कहना है कि मेटा एआई स्वयं को ऐसा मंच बताता है जिसके पास दुनिया की हर जानकारी है। उन्होंने एआई से कुछ सवाल पूछे, लेकिन उन्हें गलत जानकारी मिली। इस पर उन्होंने

चेतावनी देते हुए कहा कि दी गई जानकारी गलत है और इस पर मुकदमा भी किया जा सकता है।

वाद में उल्लेख है कि इस पर मेटा एआई की ओर से माफी मांगते हुए गलती सुधारने और आगे सही जानकारी देने का आश्वासन दिया गया, लेकिन दोबारा प्रश्न पूछने पर फिर से गलत जानकारी दी गई। क्षुब्ध होकर अदालत में धारा 173 (4) के तहत प्रकीर्ण वाद दाखिल कर दिया।मेटा एआई से पूछा शिव पार्वती का विवाह कब हुआ

सवाल- नागेश्वर मिश्रा ने पूछा कि शिव जी का विवाह किस महीने में हुआ है? मेटा का

जवाब- शिव जी का विवाह फाल्गुन महीने में हुआ था। कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को महाशिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है और इसी दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। यह दिन भगवान शिव की पूजा और उपासना के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।

नागेश्वर मिश्रा ने कहा, यह जानकारी गलत है क्यों न मेटा एआई पर मुकदमा किया जाए

मेटा- मैं अपनी गलती के लिए माफी चाहता हूं। शिव जी का विवाह फाल्गुन महीने में नहीं हुआ था, बल्कि महाशिवरात्रि के दिन हुआ था, जो फाल्गुन महीने की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को नहीं, बल्कि माघ महीने की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। लेकिन विवाह की तिथि के बारे में विभिन्न मत हैं और कुछ स्रोतों के अनुसार, शिव जी का विवाह वैशाख महीने में हुआ था।

हाईवे किनारे मॉल में लगी भीषण आग, लाखों रुपये का सामान जलकर राख

बदायूं, एजेंसी। बदायूं के मुड़िया धुरेकी में हाईवे किनारे स्थित मॉल में बुधवार देर रात भीषण आग लग गई। दमकल की टीम ने कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया।

बदायूं की नगर पंचायत मुड़िया धुरेकी में हाईवे पर स्थित सत्या ट्रेडर्स मॉल में बुधवार देर रात संदिग्ध परिस्थिति में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते मॉल के अंदर रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। घटना से इलाके में अफरातफरी मच गई। आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए।

बताया जाता है कि देर रात मॉल से अचानक धुआं और आग की लपटें उठती दिखाई दीं। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। आग को बुझाने के लिए दमकल कर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

कई घंटे बाद बुझाई जा सकी आग : कई घंटे तक चले बचाव कार्य के बाद दमकल टीम ने तड़के करीब चार बजे आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक मॉल में रखा अधिकांश सामान जलकर पूरी तरह नष्ट हो चुका था। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है, लेकिन प्राथमिक तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है।

एक करोड़ रुपये से सजेगा मेरठ का ऐतिहासिक नौचंदी मेला

मेरठ, एजेंसी। मेरठ के ऐतिहासिक नौचंदी मेले को इस बार एक करोड़ रुपये के बजट से सजाया जाएगा। 15 मार्च को होने वाले उद्घाटन से पहले मेला मैदान, प्रवेश द्वार और प्रतिमाओं की रंगाई-पुताई का काम शुरू हो गया है।

मेरठ का ऐतिहासिक नौचंदी मेला इस बार एक करोड़ रुपये के बजट से सजाया जाएगा। जिला पंचायत ने इसके लिए बजट जारी कर दिया है और मेला मैदान में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। प्रवेश द्वार से लेकर महापुरुषों की प्रतिमाओं तक रंगाई-पुताई का काम शुरू हो गया है। 15 मार्च की शाम पांच बजे मेले का भव्य उद्घाटन किया जाएगा।

यह मेला पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान माना जाता है और गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल भी पेश करता है। प्रशासनिक अधिकारियों और शहर के प्रमुख लोगों की मौजूदगी में इस बार भी पारंपरिक तरीके से मेले की शुरुआत कराई जाएगी।

गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल है नौचंदी मेला-नौचंदी मेले की खासियत इसकी सांप्रदायिक सौहार्द की परंपरा है। यहां सड़क के एक ओर बालेमियां की मजार स्थित है, जबकि दूसरी ओर मां चंडी का पौराणिक मंदिर है। मेले में दोनों स्थलों पर श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में आवाजाही रहती है।

उद्घाटन के दौरान गणेश मंदिर गेट से कबूतर और गुब्बारे उड़ाए जाएंगे। इसके साथ ही बालेमियां की मजार पर चादरपोशी और मां चंडी मंदिर में चुनरी व नारियल चढ़ाकर मेले की औपचारिक शुरुआत की जाएगी। नौचंदी मेले में पटेल मंडप प्रमुख आकर्षण का केंद्र होता है। यहां आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में देशभक्ति, धर्म, कला और संस्कृति से जुड़े संदेश दिए जाते हैं। कलाकारों की प्रस्तुतियां मेले में आने वाले लोगों के लिए खास आकर्षण बनती हैं। यह परंपरा हर वर्ष होली के दूसरे रविवार से शुरू होती है और पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बन जाता है।

तैयारियों में जुटे कर्मचारी- मेला मैदान का जायजा लिया तो पाया कि करीब 30 से 40 कर्मचारी सफाई और रंगाई-पुताई के काम में लगे हुए थे। माना जा रहा है कि अगले तीन दिनों में अधिकांश तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत वीएस कुशवाहा ने बताया कि मेला मैदान में विकास कार्य शुरू कर दिए गए हैं। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है और इस बार उद्घाटन समारोह को भव्य बनाने की योजना है। मेला मैदान में कई स्थानों पर बिजली के खंभे टूटे पड़े हैं और कुछ जगहों पर बिजली के तार जमीन पर झूल रहे हैं। इससे दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। स्थानीय निवासी राकेश शर्मा ने इस पर चिंता जताई है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में भी कुकिंग गैस संकट का असर, आज से लोगों को आधा सिलेंडर ही मिलेगा

काठमांडू। नेपाल में पिछले दो महीनों से बाजार में गैस की कमी देखी जा रही है। साथ ही पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण भी लोग गैस जमा करके रखने लगे हैं, जिससे संकट और बढ़ गया है। इसलिए आयल निगम ने अब उपभोक्ताओं को खाना पकाने वाला गैस सिलेंडर आधा ही उपलब्ध कराने का फैसला लिया है। निगम के कार्यकारी निदेशक चंद्रिका भट्ट ने बताया कि गुरुवार को हुई निगम की संचालक समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। आम जनता की आवश्यकता से अधिक गैस सिलेंडर जमा करने की प्रवृत्ति बढ़ने के कारण बाजार में आधा गैस सिलेंडर ही भेजने का फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि निगम फिलहाल इंडियन आयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) से गैस खरीदकर नेपाल में बिक्री करता है, लेकिन हाल के दिनों में भारत से मांग के अनुसार गैस की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। नेपाल में औसतन प्रतिदिन लगभग 120 गैस बुलेट (टैंकर) की आवश्यकता होती है, जबकि वर्तमान में करीब 80 बुलेट के आसपास ही आपूर्ति हो रही है।

जहाज पर हमले के बाद तीन थाई क्रू लापता, बैंकॉक ने ईरान से मांगी सफाई

इस्तांबुल। अमेरिका-इजराइल और के ईरान के बीच जारी युद्ध के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाज पर बुधवार को हुए हमले के संदर्भ में थाईलैंड ने ईरान से स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। घटना के समय जहाज पर कुल 23 लोग सवार थे जिसमें से चालक दल के तीन सदस्य लापता हैं, जबकि अन्य लोगों को बचा लिया गया था। वहीं इस घटना से पूर्वी एशिया के समुद्री क्षेत्रों में हालात बेहद संवेदनशील बन गए हैं। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू ने बताया कि बैंकॉक ने गुरुवार को ईरान से सफ़ाई मांगी और बुधवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में थाई झंडे वाले जहाज पर हुए हमले के बाद विरोध दर्ज कराया, जिसमें चालक दल के कम से कम तीन सदस्य लापता हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थाईलैंड के चालक दल के 23 सदस्यों वाली मयूरी नारी जहाज पर हमला तब हुआ जब यह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी से भारत की ओर जा रहा था। इसी दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हवाई हमले चल रहे थे और तेहरान इस इलाके में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई कर रहा था। अनाडोलू एजेंसी ने थाई मीडिया के हवाले से बताया कि थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने इस घटना को लेकर बैंकॉक में ईरान के राजदूत नासेरुद्दीन हैदरी को तलब किया और मामले में स्पष्टीकरण मांगा। दूसरी ओर थाई विदेश मंत्रालय ने घटना पर गहरी चिंता जताते हुए सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव क्षेत्र और दुनिया भर के नागरिकों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। यह संकट इस क्षेत्र और उससे बाहर के देशों में बेगुनाह नागरिकों की जान और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। हमले के बाद ओमान की नौसेना ने चालक दल के 20 सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया था।

मानव तस्करी के जाल में फंसे 16 नेपाली नागरिकों को कंबोडिया से वापस लाया गया

काठमांडू। मानव तस्करों के झांसे में आकर कंबोडिया में फंसे 16 नेपाली नागरिकों को गुरुवार को स्वदेश वापस लाया गया। इसमें बैंकाक स्थित नेपाली राजदूतावास, कंबोडिया सरकार और गैर आवासीय नेपाली संघ (एनआरएनए) का समन्वय रहा। दूतावास के अनुसार इन लोगों को विभिन्न माध्यमों से कंबोडिया पहुंचाकर अवैध रूप से संचालित ऑनलाइन स्कैमिंग (ठगी) केंद्रों और कैसीनो में गैरकानूनी काम करने के लिए मजबूर किया गया था। इसके अलावा उनमें से कुछ लोग बिना वीजा के ही वहां रह रहे थे। दूतावास ने बताया कि अभी भी वहां कठिन परिस्थितियों में फंसे अन्य नेपाली नागरिकों के उद्धार के लिए प्रयास जारी हैं। दूतावास ने कंबोडिया

में वीजा अवधि समाप्त होने के बाद रह रहे या जबरन गैरकानूनी काम में फंसे नेपाली नागरिकों से तुरंत संपर्क करने की अपील भी की है। इसके लिए नेपाली दूतावास ने इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर शिवराज पराजुली (+855 12 215 578), लालसिंह खड्का (+855 93 203 666) और रामजी श्रीकुमार क्षेत्री (+855 96 346 5788) जारी किया है। इनसे संपर्क कर प्रभावित नेपाली नागरिक स्वदेश वापसी की प्रक्रिया में सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। दूतावास ने यह भी बताया कि कई मामलों में स्कैमिंग केंद्रों में काम कराने वाली कंपनियों ने श्रमिकों के पासपोर्ट अपने पास रख लिए हैं या उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करते समय दस्तावेज खो गए हैं। ऐसे मामलों में दूतावास बैंकॉक से बिना शुल्क एकतरफा यात्रा अनुमति पत्र (वन-वे ट्रैवल परमिट) जारी कर नेपाल वापस भेजने की व्यवस्था कर रहा है। दूतावास ने नेपाली नागरिकों से अपील की है कि वे नेपाल सरकार की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही रोजगार के लिए विदेश जाएं। जल्दी और अधिक पैसा कमाने के लालच में कंबोडिया, लाओस और म्यांमार जैसे देशों की यात्रा कर अवैध रोजगार में न फंसें।

खाड़ी देशों में रहने वाले 65 हजार से अधिक नेपाली ने वापसी के लिए पंजीकरण कराया

काठमांडू। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और संघर्ष के बीच नेपाल के विदेश मंत्रालय ने एक ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया है, जिस पर अब तक कुल 65,886 नेपाली नागरिकों ने वतन वापसी के लिए पंजीकरण कराया है। नेपाली कूटनीतिक मिशन सरकार के साथ समन्वय कर नेपाली नागरिकों की सुरक्षा और वापसी सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं। नेपाल सरकार ने यह ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली खाड़ी देशों में नेपाली दूतावासों के समन्वय में 2 मार्च को शुरू की थी। इसका उद्देश्य क्षेत्र में रह रहे नेपाली नागरिकों की जानकारी एकत्र करना है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें वापस लाया जा सके। मंत्रालय के अनुसार प्राप्त विवरणों का फिलहाल आकलन और प्रसंस्करण किया जा रहा है, ताकि आगे आवश्यक कदम उठाए जा सकें। इस पोर्टल के माध्यम से नेपाली नागरिक पश्चिम एशियाई देशों में स्थित संबंधित नेपाली दूतावासों के जरिए अपनी व्यक्तिगत जानकारी दर्ज करा सकते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर पौडेल के अनुसार नेपाली मिशनों को निर्देश दिया गया है कि वे ई-मेल, टेलीफोन या अन्य संचार माध्यमों के जरिए कठिनाई झेल रहे नागरिकों के संपर्क में रहें। मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में रह रहे नेपाली नागरिकों से वर्तमान संकट के दौरान धैर्य बनाए रखने और स्थानीय कानूनों का उल्लंघन करने वाले फोटो, वीडियो या ऑडियो सामग्री को रिकॉर्ड या प्रसारित करने से बचने की भी अपील की है। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद पश्चिम एशिया में तनाव काफी बढ़ गया है। इससे वहां रह रहे और काम कर रहे हजारों नेपाली नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

ईरान ने युद्ध रोकने के लिए दुनिया के सामने तीन शर्तें रखीं

तेहरान/वाशिंगटन। अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध का आज 13वां दिन हैं। ईरान से शुरू यह जंग फारस के खाड़ी देशों तक फैल चुकी है। ईरान और इजराइल के ताबड़तोड़ हमलों से पश्चिम एशिया में हालात और बदतर हो गए हैं। इस बीच ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने युद्ध रोकने के लिए दुनिया के सामने तीन शर्तें रखी हैं। अल जजीरा न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन ने कहा कि यह तीनों शर्तें बेहद जरूरी हैं। अगर ईरान के कानूनी अधिकारों को मान्यता देने, युद्ध के नुकसान की भरपाई करने और भविष्य में हमला न होने की अंतरराष्ट्रीय गारंटी मिल जाए तो ईरान तत्काल प्रभाव से युद्ध रोक देगा। उन्होंने कहा, ईरान के बातचीत की पटरी पर लौटने का यह मतलब यह नहीं कि वह कमजोर है। दूसरी ओर इस युद्ध पर अपना बहुत कुछ गंवा चुके अमेरिका के तेवर अभी भी तल्ख हैं। अमेरिकी मीडिया में प्रसारित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों से फिलवक्त ऐसा नहीं लग रहा कि युद्ध की लपटें बुझेंगी। ट्रंप ने केंटकी राज्य में एक रैली में कहा कि ईरान जंग में अमेरिका जीत चुका है, लेकिन मिशन पूरा होने तक लड़ाई जारी रहेगी। इस बीच अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने संसद को बताया कि ईरान जंग के शुरुआती छह दिन में अमेरिका ने करीब 11.3 अरब डॉलर (लगभग एक लाख करोड़ रुपये) खर्च कर दिए।

वीओ चिदंबरनार बना डिजिटल प्रतिरूप मंच लागू करने वाला पहला बंदरगाह

एजेंसी, नई दिल्ली

तमिलनाडु का वीओ चिदंबरनार बंदरगाह देश का पहला ऐसा बंदरगाह बन गया है जिसने डिजिटल ट्विन प्लेटफॉर्म लागू किया है। इससे बंदरगाह की अधोसंरचना, परिचालन संपत्तियों और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की वास्तविक समय की वर्चुअल प्रतिकृति (सटीक रूपरेखा) तैयार होगी, जिससे परिचालन दक्षता बढ़ेगी, जहाजों के वापसी के समय में कमी आएगी और ऊर्जा उपयोग का अनुकूलन कर कार्बन उत्सर्जन घटाया जा सकेगा। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय ने बताया कि यह पहल बंदरगाह प्रबंधन को स्मार्ट, कुशल और तकनीक-आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्घाटन 23 फरवरी को मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने किया था।

डिजिटल प्रतिरूप मंच बंदरगाह की अधोसंरचना, परिचालन संपत्तियों और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की वास्तविक समय की वर्चुअल प्रतिकृति तैयार करेगा। इससे परिचालन की बेहतर निगरानी, पूर्वानुमान विश्लेषण और डेटा-आधारित निर्णय लेने में मदद मिलेगी। प्लेटफॉर्म में आईओटी सेंसर, जीपीएस ट्रैकिंग, लाइडार मैपिंग, ड्रोन इमेजिंग और सीसीटीवी नेटवर्क जैसी उन्नत तकनीकों का एकीकरण किया गया है, जिससे बंदरगाह की वास्तविक स्थिति का लगातार आकलन संभव होगा और सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा।

मंत्रालय ने बताया कि यह प्रणाली वास्तविक समय में परिचालन की निगरानी करेगी, जिसमें बर्थ ऑक्यूपेंसी, जहाजों की आवाजाही, क्रेन उपयोग और यार्ड क्षमता का लाइव विजुअलाइजेशन शामिल है।

एआई-आधारित एसेट मॉनिटरिंग से उपकरणों की भविष्यवाणी आधारित देखरेख संभव होगी, जिससे डाउनटाइम कम होगा और परिचालन विश्वसनीयता बढ़ेगी। साथ ही, जहाजों और माल संचालन की बुद्धिमान शेड्यूलिंग से भीड़भाड़ और प्रतीक्षा समय कम होगा। इस पहल से जहाजों के वापसी जाने के समय में 25 प्रतिशत तक कमी आएगी, उपकरणों की उपलब्धता और विश्वसनीयता बढ़ेगी, परिचालन सुरक्षा मजबूत होगी और ऊर्जा उपयोग का अनुकूलन कर कार्बन उत्सर्जन घटेगा।

बंदरगाह प्राधिकरण के अध्यक्ष सुशांत कुमार पुरोहित ने कहा कि डिजिटल ट्विन प्लेटफॉर्म का कार्यान्वयन बंदरगाह के आधुनिकीकरण की यात्रा में महत्वपूर्ण कदम है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आईओटी और वास्तविक समय डेटा विश्लेषण जैसी तकनीकों का उपयोग कर यह पहल परिचालन दक्षता बढ़ाएगी, जहाजों के टर्नअराउंड समय में सुधार करेगी और सुरक्षा एवं स्थिरता को मजबूत करेगी।

नेपाल को भारत और चीन के बीच पुल का काम करना चाहिए : डॉ. बाबूराम भट्टराई

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. बाबूराम भट्टराई ने भारत और चीन के बीच नेपाल को पुल का काम करने के लिए तैयार रहने की बात कही है। भट्टराई ने नेपाल में उभर रहे जेन-जी और युवा नेतृत्व पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि नेपाली युवा देश को समृद्धि की दिशा में आगे ले जाने में पूरी तरह सक्षम हैं।

डॉ. भट्टराई ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे NXT कॉन्क्लेव के दौरान प्रधानमंत्री स्तरीय राउंड टेबल सत्र में नेपाल की भू-राजनीतिक स्थिति और युवा नेतृत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि अब नेपाल को केवल दो महाशक्ति देशों के बीच की दबाव में फंसे देश के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उनका तर्क था कि नेपाल को दो उभरती हुई बड़ी शक्तियों के बीच एक गतिशील सेतु (पुल) की भूमिका निभानी चाहिए।

बदलती वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए उन्होंने कहा कि छोटे देशों के लिए अपनी रणनीति में परिवर्तन लाना अनिवार्य हो गया है। प्रौद्योगिकी के विकास का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इससे "वसुधैव कुटुम्बकम्" यानी पूरी दुनिया एक परिवार की अवधारणा को व्यवहार में लागू करना आसान हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि नेपाल को भारत की तेज आर्थिक वृद्धि और विकास से पर्याप्त लाभ उठाने में सक्षम होना चाहिए। उनके अनुसार दक्षिण एशिया में गरीबी और अस्थिरता का मुख्य कारण संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि कमजोर संस्थागत संरचना और शासन की विफलता है। अपने संबोधन में भट्टराई ने इस बात पर जोर दिया कि दक्षिण एशियाई देशों को विकास के लिए आपस में घनिष्ठ सहयोग बढ़ाना चाहिए और वैश्विक साझेदारी के अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में नेपाल जैसे देशों के लिए रणनीतिक रूप से स्वयं को परिस्थितियों के अनुसार ढालना ही समझदारी होगी। डॉ. भट्टराई के साथ इस सत्र में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री स्कॉट के मॉरिसन और स्वीडन के पूर्व प्रधानमंत्री फ्रेडरिक रेनफेल्ड की उपस्थिति रही।

टेम्पल टाउन डेवलपमेंट फ्रेमवर्क के तहत आलंदी को किया जाए शामिल- डॉ. मेधा कुलकर्णी

एजेंसी, नई दिल्ली

राज्य सभा सदस्य डॉ. मेधा विश्राम कुलकर्णी ने टेम्पल टाउन डेवलपमेंट फ्रेमवर्क के अंतर्गत आलंदी को शामिल करने की मांग की। गुरुवार को सदन में विशेष उल्लेख के तहत हो रही चर्चा में भाग लेते हुए डॉ. मेधा विश्राम कुलकर्णी ने कहा कि महाराष्ट्र में स्थित मराठी संत ज्ञानेश्वर महाराज की पावन नगरी आलंदी को टेम्पल टाउन डेवलपमेंट फ्रेमवर्कमें शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि आलंदी देश के सबसे श्रद्धेय तीर्थ स्थलों में से एक है और इसका आध्यात्मिक, सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक महत्व अत्यंत विशिष्ट है।

यहाँ प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु आते हैं, विशेषकर आषाढ़ी और कार्तिकी वारी के दौरान, जिससे नागरिक बुनियादी ढांचे, स्वच्छता, यातायात प्रबंधन, सार्वजनिक सुविधाओं और पर्यावरणीय संसाधनों पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। डॉ. मेधा विश्राम कुलकर्णी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर आध्यात्मिक महत्व होने के बावजूद, आलंदी आज भी अनियोजित शहरीकरण और अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के कारण गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। हाल ही में केंद्रीय बजट में मंदिर नगरों और टियर-II शहरों में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने पर दिया गया जोर इन लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान के लिए एक समयोचित और उपयुक्त नीति

अवसर प्रदान करता है।

इस फ्रेमवर्क के अंतर्गत आलंदी को शामिल करने से तीर्थयात्रियों की सुविधाओं, स्वच्छता, सीवेज तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, नदी तट विकास, बाढ़ नियंत्रण, सार्वजनिक परिवहन, पार्किंग, सड़क संपर्क और धरोहर संरक्षण में केंद्रित निवेश संभव होगा।

इसके अलावा, आलंदी की पहचान इंद्रायणी नदी से गहराई से जुड़ी हुई है, जिसके लिए त्वरित पुनर्जीवन और प्रदूषण नियंत्रण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि टेम्पल टाउन का दर्जा मिलने से नदी के पुनर्स्थापन और शहरी विकास के साथ समन्वित योजना बन सकेगी, जिससे पर्यावरणीय स्थिरता और जनस्वास्थ्य सुनिश्चित होगा।

कुवैत के अल-उदैरी बेस पर ईरान का हमला, 100 से अधिक अमेरिकी सैनिक घायल

एजेंसी, तेहरान/कुवैत सिटी

पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष के 13वें दिन ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि कुवैत स्थित अल-उदैरी एयर बेस पर किए गए मिसाइल और ड्रोन हमले में 100 से अधिक अमेरिकी सैनिक घायल हो गए। यह हमला "ट्रू प्रॉमिस 4" ऑपरेशन की 38वीं लहर का हिस्सा था, जिसका कोडनेम "या हैदर अल-कर्रार" रखा गया था। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी और टीवी100 ने बताया कि ईरान के खतम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल इब्राहिम ज़ोल्फ़ागरी ने बयान में कहा कि उनकी नेवी ने पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण और शक्तिशाली अभियान चलाया। इसके तहत अल-उदैरी हेलीकॉप्टर बेस पर एक साथ दो भारी मिसाइल

हमले किए गए, जिनके बाद बड़ी संख्या में अमेरिकी सैनिक घायल हो गए। सभी घायल सैनिकों को कुवैत के अल-जबर और अल-मुबारक अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

बयान में यह भी दावा किया गया कि बहरीन के मीना सलमान पोर्ट स्थित अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट सैन्य मुख्यालय पर ईरान ने मिसाइल व ड्रोन से हमला किया गया। इसमें उनके कई महत्वपूर्ण सिस्टम और सैन्य सुविधाओं को नुकसान पहुंचने की बात कही गई है।

आईआरजीसी ने दावा किया कि पैट्रियट मिसाइल सिस्टम, इक्विपमेंट वेयरहाउस और अमेरिकी सैनिकों के रहने वाले बैरकों को भी नुकसान पहुंचा है। साथ ही कुवैत में मौजूद मुहम्मद अल-अहमद और "अली अल-सलेम" नेवल बेस भी इस हमले से प्रभावित हुए हैं। प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका और इजराइल के खिलाफ संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक "दुश्मन पूरी तरह आत्मसमर्पण नहीं कर देता।"

इस बीच ईरान की सेना ने यह भी दावा किया कि उसने इजराइल के कई सैन्य ठिकानों को ड्रोन हमलों में निशाना बनाया है। इनमें इजराइली सेना के मिलिट्री इंटेलिजेंस संगठन की यूनिट 8200, ग्रीन पाइन रडार सिस्टम और हाइफा नेवल बेस का मुख्यालय शामिल हैं। इन हमलों से इजराइल की मिसाइल रक्षा प्रणाली को गंभीर नुकसान पहुंचा है। गौरतलब है कि 28 फरवरी से अमेरिका-इजराइल ने ईरान पर हमला शुरू किया था। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल के कब्जे वाले इलाकों और क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं।

नेपाल में नई सरकार के लिए विशेषज्ञ मंत्रियों की टीम बनाने में जुटे बालेन्द्र शाह

एजेंसी, काठमांडू

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने नई सरकार गठन को लेकर मंथन शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री पद के दावेदार बालेन्द्र शाह अपनी टीम में मंत्री बनाने को लेकर लगातार विचार विमर्श कर रहे हैं। आरएसपी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में ही संघीय मंत्रालयों की संख्या कम करने और 'विशेषज्ञ मंत्रियों' की नियुक्ति करने का वादा किया था। अब संसदीय चुनाव में लगभग दो-तिहाई बहुमत हासिल करने के बाद सवाल उठने लगा है कि पार्टी अपने घोषणापत्र में किए गए इस वादे को कैसे लागू करेगी। हालांकि, घोषणापत्र में यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा गया है कि मंत्रियों की नियुक्ति संघीय संसद के बाहर से की जाएगी, लेकिन इस समय बालेन्द्र शाह की कोर टीम बैठ कर विशेषज्ञों की सूची तैयार कर रही है। इनमें सांसद और गैर सांसद दोनों तरह के लोग शामिल हैं। नेपाल के संविधान के अनुच्छेद 76(9) के अनुसार राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की सिफारिश पर संघीय संसद के सदस्यों में से समावेशिता सुनिश्चित करते हुए मंत्रिपरिषद का गठन करने का प्रावधान है। संविधान के अनुसार प्रधानमंत्री सहित

मंत्रियों की अधिकतम संख्या 25 हो सकती है। इस प्रावधान के तहत मंत्रियों की नियुक्ति मुख्य रूप से नेपाल की संघीय संसद के सदस्यों में से ही की जा सकती है, जिसमें प्रतिनिधि सभा और राष्ट्रीय सभा के सदस्य शामिल होते हैं।

हालांकि, संविधान में सीमित अवधि के लिए गैर-सांसद को भी मंत्री नियुक्त करने की व्यवस्था है। अनुच्छेद 78 के अनुसार राष्ट्रपति प्रधानमंत्री की सिफारिश पर किसी भी व्यक्ति को मंत्री नियुक्त कर सकते हैं, लेकिन उस व्यक्ति को शपथ लेने के छह महीने के भीतर संघीय संसद का सदस्य बनना अनिवार्य होता है। इसका अर्थ है कि यदि कोई गैर-सांसद मंत्री बनाया जाता है, तो वह अधिकतम छह महीने तक ही पद पर रह सकता है, जब तक कि वह इस अवधि में संसद का सदस्य न बन जाए। काठमांडू-7 से नवनिर्वाचित सांसद और आरएसपी नेता गणेश पराजुली ने कहा कि घोषणापत्र में इस्तेमाल किया गया 'विशेषज्ञ' शब्द पार्टी के भीतर चुने गए योग्य व्यक्तियों को दर्शाता है, न कि बाहरी तकनीकी विशेषज्ञों को। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ का मतलब उस क्षेत्र में ज्ञान और अनुभव रखने वाले व्यक्ति से है। इसका मतलब बाहर से लोगों को लाना नहीं है। वर्तमान संसदीय व्यवस्था और संवैधानिक ढांचे के तहत संविधान संशोधन के बिना ऐसा संभव भी नहीं है।

पराजुली के अनुसार पार्टी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि संबंधित क्षेत्र की विशेषज्ञता रखने वाले सक्षम व्यक्तियों को ही उपयुक्त मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी जाए। उन्होंने यह भी बताया कि घोषणापत्र के अनुरूप आरएसपी के नेतृत्व वाली सरकार में बनने वाली नई मंत्रिपरिषद में मंत्रियों की संख्या 18 तक सीमित रहने की संभावना है।

एनएचएआई ने जारी किया तमिलनाडु में गंगैकोंडा चोलपुरम बाईपास निर्माण का अनुबंध

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने तमिलनाडु में एनएच-81 के कल्लगम से मीनसुरुट्टी खंड पर गंगैकोंडा चोलपुरम बाईपास के निर्माण के लिए अनुबंध जारी किया है। सात किलोमीटर लंबे इस दो लेन वाले ग्रीनफील्ड बाईपास का शिलान्यास प्रधानमंत्री ने एक दिन पहले 11 मार्च को किया था।

एनएचएआई ने बताया कि इस परियोजना में 3.47 किलोमीटर लंबी सेवा सड़कें, दो लघु पुल, दो वीयूपी, तीन एलवीयूपी और आठ बॉक्स कल्वर्ट का निर्माण शामिल है। बाईपास बनने से गंगैकोंडा चोलपुरम स्थित 1000 वर्ष पुराने बृहदीश्वर मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। वर्तमान में एनएच-81 मंदिर के बेहद निकट से गुजरता है, जिससे श्रद्धालुओं की सुरक्षा को खतरा रहता है। बाईपास के निर्माण से भारी वाहनों का यातायात मंदिर क्षेत्र से हटकर नए मार्ग से गुजरेगा, जिससे श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित और सुविधाजनक होगी।

परियोजना से वायु प्रदूषण में कमी आएगी और मंदिर की शिलालेखों पर प्रदूषणजनित क्षति को रोका जा सकेगा। साथ ही भारी वाहनों की आवाजाही से मंदिर को संभावित नुकसान से भी बचाया जा सकेगा। इसके अलावा यह बाईपास श्रीरंगम स्थित प्रसिद्ध अरंगनाथ स्वामी मंदिर और चिदंबरम के नटराज मंदिर तक यात्रा समय को कम करेगा। परियोजना से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को निर्बाध यात्रा का अनुभव प्राप्त होगा।

रिपोर्ट– ईरान में अभी सरकार नहीं गिरा पाएगा अमेरिका

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका और इजराइल लगातार दो हफ्ते से ईरान में एयरस्ट्राइक कर रहे हैं, इसके बावजूद ईरान की सत्ता अभी भी काफी मजबूत है और उसके जल्द गिरने का कोई खतरा नहीं है। यह बात अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट में सामने आई है। इस मामले से जुड़े तीन सूत्रों ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को इसकी जानकारी दी है। एक सूत्र के मुताबिक कई खुफिया रिपोर्टों में एक जैसा आकलन किया गया है कि ईरान की सरकार गिरने की स्थिति में नहीं है और वह अभी भी देश की जनता पर कंट्रोल बनाए हुए है। वहीं, तेल की कीमतों में इजाफे की वजह से राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने संकेत दिया है कि अमेरिका जल्द जंग खत्म कर सकता है। हालांकि अगर ईरान के कट्टरपंथी नेता सत्ता में बने रहते हैं तो युद्ध खत्म करने का रास्ता निकालना आसान नहीं होगा।

ईरान की मौजूदा सरकार गिरेगी यह तय नहीं: खुफिया रिपोर्टों के मुताबिक 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के हमलों के पहले ही दिन ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी, लेकिन इसके बावजूद वहां की धार्मिक नेतृत्व वाली व्यवस्था अभी भी एकजुट बनी हुई है। इजराइल के एक सीनियर अधिकारी ने भी रॉयटर्स से कहा कि सीक्रेट मीटिंग्स में भी यही बात निकल कर सामने आई है कि फिलहाल ईरान की मौजूदा सरकार गिरने की कोई संभावना नहीं है। सूत्रों ने यह भी कहा कि जमीन पर हालात बहुत तेजी से बदल रहे हैं और आने वाले समय में ईरान के

अंदर की स्थिति अलग दिशा में जा सकती है।

खामेनेई की मौत के बाद भी लीडरशिप का ईरान पर कंट्रोल: अमेरिका और इजराइल ने युद्ध शुरू होने के बाद ईरान के कई ठिकानों को निशाना बनाया है। इनमें एयर डिफेंस सिस्टम, परमाणु ठिकाने और टॉप लीडरशिप से जुड़े लोग शामिल हैं। ट्रम्प प्रशासन ने इस युद्ध के अलग-अलग कारण बताए हैं। युद्ध शुरू करते समय ट्रम्प ने ईरान की जनता से कहा था कि वे अपनी सरकार को खुद बदल दें। हालांकि बाद में उनके सीनियर अधिकारियों ने कहा कि ईरान की सरकार को हटाना इस ऑपरेशन का मकसद नहीं है। हमलों में खामेनेई के अलावा कई सीनियर अधिकारी और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के कई बड़े कमांडर भी मारे गए हैं। यह ईरान की एक शक्तिशाली पैरामिलिट्री फोर्स है, जो देश की अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्से को कंट्रोल करती है। इसके बावजूद अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों के मुताबिक खामेनेई और IRGC के अफसरों की मौत के बाद बना 'इंटरनल लीडरशिप सिस्टम' अभी भी देश पर कंट्रोल बनाए हुए है।

ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन की एक्सपर्ट सुजैन मलोनी ने कहा कि ईरान के अंदर फिलहाल ऐसी कोई ताकत नहीं है जो सरकार के पास बची हुई शक्ति को चुनौती दे सके। उनके मुताबिक ईरान भले ही अपने पड़ोसी देशों के खिलाफ पूरी ताकत इस्तेमाल न कर पाए, लेकिन देश के अंदर वह अभी भी पूरी तरह कंट्रोल बनाए रखने में सक्षम है।

ईरान में अमेरिकी सैनिक जंग लड़ने जाएंगे यह साफ नहीं: इस हफ्ते ईरान के सीनियर शिया धर्मगुरुओं की संस्था 'असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स' ने खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता घोषित कर दिया है। एक अन्य सूत्र के मुताबिक इजराइल का इरादा यह है कि मौजूदा ईरानी शासन का कोई हिस्सा भी सत्ता में न बचा रहे। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि अमेरिका और इजराइल का मौजूदा ऑपरेशन सरकार को कैसे गिरा पाएगा। सूत्रों का कहना है कि इसके लिए संभवतः जमीनी सैन्य कार्रवाई करनी पड़ेगी, जिससे ईरान के अंदर लोग सड़कों पर उतरकर विरोध कर सकें। ट्रम्प प्रशासन ने अभी तक ईरान में अमेरिकी सैनिक भेजने की संभावना से भी इनकार नहीं किया है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शुक्रवार, 13 मार्च, 2026

भविष्य में सैमसन को बनाया जा सकता है भारतीय टी20 टीम का कप्तान : कैफ

एजेंसी, मुम्बई

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम के टी20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद अब सवाल उठाता है कि उनके बाद किसे कप्तानी दी जानी चाहिये। इसी को लेकर पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को भविष्य में कप्तानी दी जा सकती है क्योंकि उन्हें घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में कप्तानी का लंबा अनुभव है। कैफ के अनुसार सैमसन के पास वह अनुभव और मानसिक ठहराव है, जो किस कप्तान के पास होना जरुरी है। उन्होंने कहा, संजू ही कप्तान बन सकते हैं उसमें सभी योग्याताएं हैं। मेरा मानना है कि कप्तान वही अच्छा होता है जिसने दुनिया देखी हुई है। कैफ के अनुसार, किसी नए खिलाड़ी को सीधे कप्तानी सौंपना नुकसानदे हो सकता है, क्योंकि उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कठिन हालातों का सामना नहीं किया होता है। कप्तानी के लिए कैफ ने आईपीएल के अनुभव को अहम बताया है। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व करने से पहले खिलाड़ी को आईपीएल जैसे बड़े मंच पर अपने को एक लीडर के रूप में साबित करना चाहिए। सैमसन ने राजस्थान रॉयल्स टीम की ओर से ऐसा किया है। उन्होंने कहा, कप्तान उसी को बनना चाहिए जिसने ट्रॉफी जिताई हो जिसने कप्तानी पहले करी हो जिसने आईपीएल में 100 150 मैच खेले हो। कैफ ने कहा कि संजू राजस्थान रॉयल्स को कप्तानी करते हुए फाइनल तक ले गये। । इस लंबे अनुभव की वजह से उन्हें मैदान पर गेंदबाजी बदलाव करने और दबाव के क्षणों में किसी प्रकार सही फैसले लेते हैं ये पता है।<कैफ ने सैमसन की तुलना वर्तमान और पूर्व कप्तानों से करते हुए परिपक्वता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा भी 30-32 साल की उम्र में भारतीय टीम के कप्तान बने थे, जब वे आईपीएल में पांच ट्रॉफियां जीतकर एक परिपक्व कप्तान बन गये थे। वहीं वर्तमान कप्तान सूर्यकुमार की प्रशंसा करते हुए कैफ ने उन्हें आईपीएल से परिपक्व हुआ क्रिकेटर बताया। उनका मानना है कि यदि भविष्य में सूर्या कप्तानी छोड़ते हैं, तो संजू सबसे उपयुक्त विकल्प होंगे। कैफ ने संजू की उम्र और फिटनेस को उनके पक्ष में बताया। संजू अभी 31 साल के हैं और कैफ के अनुसार, टी20 जैसे छोटे फॉर्मेट में अनुभव अधिक बहुत मायने रखता है। उन्होंने सैमसन के भविष्य को लेकर उम्मीद जताते हुए कहा, अगर फिटनेस बना के रखी है फॉर्म चलता रहा तो वह भारत के अगले कप्तान हो सकते हैं।

नमन अवॉर्ड्स में शुभमन सहित दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों का भी सम्मान करेगा बीसीसीआई

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) 15 मार्च को नई दिल्ली में एक विशेष समारोह में शुभमन गिल, राहुल द्रविड़ सहित कई क्रिकेटरों को नमन अवार्ड देकर सम्मानित करेगा। शुभमन को जहां क्रिकेटर ऑल द ईयर वहीं पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ को भारतीय क्रिकेट में दिये अहम योगदान के लिए कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।

शुभमन गिल-इस समारोह में टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल को क्रिकेटर ऑल द ईयर का अवार्ड दिया जाएगा। शुभमन ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाए थे। इसके अलावा उनकी कप्तानी में भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-2 से बराबरी पर रही थी।

अयुष म्हात्रे-वहीं अपनी कप्तानी में भारतीय टीम को अंडर-19 विश्वकप जिताने के लिए कप्तान अयुष म्हात्रे को लाला अमरनाथ अवॉर्ड दिया जाएगा। यह पुरस्कार घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले ऑलराउंडर को दिया जाता है।

राहुल द्रविड़-पूर्व कप्तान और कोच रहे राहुल द्रविड़ भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे अच्छे बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। अपनी शानदार बल्लेबाजी के कारण उन्हें भारत की दीवार के नाम से जाना जाता है। वह संन्यास के बाद कोच के तौर पर भारतीय टीम को आगे बढ़ाते रहे। वह नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के भी प्रमुख रहे हैं।

मिताली राज-भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व महिला कप्तान मिताली राज को भी इस दौरान लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।

एमसीए-वहीं मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) को घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट एसोसिएशन का पुरस्कार दिया जाएगा।

सूर्यकुमार ने अभिषेक से कहा था, 8 बार शून्य पर आउट हुआ तो भी पारी शुरु करेगा

एजेंसी , नई दिल्ली

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर मुश्किल दौर से गुजर रहे खिलाड़ियों का बचाव करते रहे हैं। इसी का परिणाम है कि टीम को खिताबी जीत मिल रही है। टी20 विश्कप में सूर्या ने खराब दौर से गुजर रहे युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का हौंसला बढ़ाया था। अभिषेक तीन मैच में लगातार शून्य पर आउट होने के कारण भारी दबाव में थे और उन्हें बाहर किये जाने की मांग उठ रही थी पर सूर्यकुमार ने किसी भी बात पर ध्यान नहीं दिया। इसी कारण अभिषेक ने फाइनल में 18 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। सूर्यकुमार के अनुसार उन्होंने इस बल्लेबाज से कहा था कि कि अगर वह 9 में से 8 मैचों में भी खाता नहीं खोल पाएगा तो भी उसे फाइनल में पारी की शुरुआत के लिए भेजा जाएगा। इसी कारण अभिषेक का आत्मविश्वास बना रहा और वह निडर होकर फाइनल खेलने उतरे। अभिषेक के लिए टूर्नामेंट की शुरुआत खराब रही थी। शुरुआत में पेट दर्द के कारण वह पहले मैच से बाहर रहे। इसके बाद के मैचों में वह तीन बार शून्य पर आउट हुए। इसी कारण पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर जैसे पूर्व क्रिकेटरों ने भी उन्हें फाइनल से बाहर करने को कहा था। गावस्कर का कहना था कि अभिषेक अपनी गलतियों से नहीं सीख रहे हैं और एक ही गलती को दोहरा रहे हैं। हालांकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने फिर भी उन्हें फाइनल में मौका दिया और अभिषेक ने उनके भरोसे को सही साबित करते हुए 18 गेंदों में ही टूर्नामेंट का सबसे तेज अर्धशतक जड़ दिया था।सूर्यकुमार ने कहा, "मैंने उससे कहा था, 'इस विश्व कप में 9 गेम हैं, भले ही आप उनमें से आठ में विफल हो जाएं, फिर भी मैं गारंटी लेता हूं कि आप फाइनल में पहली गेंद खेलोगे।'"

युवराज को बाहर किये जाने में धोनी की नहीं थी भूमिका : संदीप पाटिल

एजेंसी , मुम्बई

चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष संदीप पाटिल ने खुलासा किया है कि ऑलराउंडर युवराज सिंह को बाहर किये जाने के पीछे तत्कालीन कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की कोई भूमिका नहीं थी। पाटिल के अनुसार ये कहना कि धोनी ने युवराज को बाहर कराया गलत है। पाटिल के इस खुलासे युवराज के पिता योगराज सिंह को करारा जवाब मिला है जो हमेशा आरोप लगाते रहे हैं कि उनकी बेटे का करियर धोनी ने समाप्त कर दिया था। पाटिल का कहना है कि धोनी ने कभी भी किसी भी बैठक में युवराज को हटाने के लिए नहीं कहा था। पाटिल ने एक कार्यक्रम में कहा, 'धोनी ने कभी भी यह नहीं कहा कि युवराज को टीम से बाहर करो। साथ ही कहा कि मैं यह बात रिकॉर्ड के आधार पर कह रहा हूं।' पाटिल ने कहा कि धोनी को चयन समिति पर पूरा भरोसा था। उन्होंने इस बारे में कुछ नहीं कहा। वही युवराज के पिता योगराज कई बार इस आरोप लगाते रहे हैं कि उनकी बेटे को बाहर किये जाने के पीछे धोनी था। योगराज ने कहा था, 'मैं धोनी को कभी माफ नहीं करूंगा. वह बहुत बड़े क्रिकेटर हैं, मैं उन्हें सलाम करता हूं, लेकिन उन्होंने मेरे बेटे के साथ जो किया, वह माफ करने लायक नहीं है अब सारी बातें सामने आ रही हैं और इसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।' वहीं पाटिल ने योगराज के आरोपों को लेकर कहा कि एक पिता का अपने बेटे के लिए भावुक होना सामान्य बात पर है पर में उनसे कहूंगा कि वह गलत व्यक्ति पर आरोप लगा रहे हैं।

हार्दिक को पीठ पर तिरंगा बांधकर जश्न मनाना भारी पड़ा

वकील ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करायी

एजेंसी , पुणे

भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को टी20 विश्वकप के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की जीत के बाद अपनी गर्लफ्रेंड महिका शर्मा के साथ जश्न मानना भारी पड़ है। हार्दिक जश्न के दौरान पीठ पर तिरंगा झंडा बांधे हुए थे और महिका के साथ अलग-अलग अंदाज में पोज दे रहे थे। इसी को लेकर एक वकील ने वाजिद खान ने पंड्या के खिलाफ राष्ट्रध्वज की गरिमा को ठेस पहुंचाने की शिकायल दर्ज करायी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में भारतीय टीम की जीत के बाद सभी खिलाड़ी खुशी मना रहे थे। इस दौरान सभी तस्वीरें भी खिंचा रहे थे। इसी दौरान हार्दिक और उनकी गर्लफ्रेंड महिका की हरकतों पर शिकायतकर्ता वकील ने आपति जतायी है। उनका कहना है कि पंड्या जश्न मनाते हुए अपनी गर्लफ्रेंड के साथ नाच रहे थे जबकि उनकी पीठ पर राष्ट्रीय ध्वज बंधा हुआ था। वहीं राष्ट्रीय ध्वज अधिनियम के अनुसार, हमें राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा का सम्मान करना चाहिए पर हार्दिक अपनी जीत के जश्न में इतने डूब गये थे कि वे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ राष्ट्रीय ध्वज बांधकर मैदान में लेटे नजर आये। जो राष्ट्रीय ध्वज का अपमान है। गौरतब है कि वाजिद के अलावा कई और लोगों ने भी हार्दिक और महिका की हरकतों को देखते हुए सोशल मीडिया पर इन दोनो को फटकारा है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार महिका के कारण ही हार्दिक पंड्या और उनके बड़े भाई क्रुणाल पंड्या के बीच मतभेद पैदा हो गये हैं। इसी कारण क्रुणाल न तो फाइनल देखने स्टेडियम पहुंचे थे और न ही उन्होंने उन्हें सोशल मीडिया पर ही बधाई दी। हार्दिक का अपनी पहली पत्नी और सर्बियाई मॉडल नताशा स्टानकोविक से तलाक को गया है। उसके बाद महिका उनकी जिंदगी में आयीं।

संक्षिप्त

अभिषेक से खासे प्रभावित हैं पूर्व पाक क्रिकेटर बासित अली

एजेंसी , लाहौर

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासिल अली ने भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि अगर हमारे पास भी उससके जैसे दो-तीन खिलाड़ी होते तो हमारी टीम भी बेहतर होती। विश्वकप में भारतीय टीम की ओर से संजू सैमसन और ईशान किशन ने काफी अच्छी बल्लेबाजी की पर हैरानी की बात है कि बासित अभिषेक से सबसे अधिक प्रभावित दिखे। अभिषेक के आक्रामक अंदाज की उन्होंने प्रशंसा करते हुए कहा है कि किसी भी खिलाड़ी की जिंदगी में खराब दौर आता रहता है। उन्होंने कहा, अगर कोई खिलाड़ी तीन पर बिना रन बनाये आउट हो तो भी इससे उसकी क्लास खत्म नहीं हो जाती। फॉर्म अस्थायी होती है, लेकिन क्लास हमेशा रहती है। साथ ही कहा कि अगर हमारे देश में भी उसके जैसे 2-3 खिलाड़ी होते तो बात अगल होती। टी20 विश्व कप में अभिषेक का प्रदर्शन हालांकि कुछ खास नहीं रहा उन्होंने कुल 141 रन बनाए। उन्होंने अमेरिका, पाकिस्तान और नीदरलैंड के खिलाफ तीन बार शून्य पर आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 15 रन बनाए। इसके बाद उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ 55 रन की पारी खेली पर सुपर आठ के अंतिम मैच में वह वेस्टइंडीज के खिलाफ भी असफल रहे ओर 10 रन ही बना पाये। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में भी दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। फाइनल में वह अपने अंदाज में दिखे और उन्होंने 18 गेंदों में ही अपने पाचस रन पूरे कर लिए।

आईपीएल से पहले युवराज से टिप्स लेने पहुंचे ऋषभ

एजेंसी , नई दिल्ली

आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अब पूरी तरह से फिट हो गये हैं और आईपीएल सत्र से टीम में वापसी को तैयार हैं। ऋषभ अब तक के अपने करियर में टेस्ट प्रारुप में तो खासे सफल रहे हैं पर सीमित ओवरों के प्रारुप में उन्हें अधिक सफलता नहीं मिली है। इसी को देखते हुए अब वह पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के पास टिप्स लेने पहुंचे हैं। युवराज ने अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन को भी टिप्स दी थी जिससे आज ये दोने ही टी20 प्रारुप में छाये हुए हैं। हाल के दिनों में जिस प्रकार से भारतीय टीम के पास एक से बढ़कर एक विकेटकीपर बल्लेबाज है। उसको देखते हुए उनका मुकाबला संजू सैमसन के अलावा ईशान किशन से भी है। वहीं एकदिवसीय में केएल राहुल जैसा विकेटकीपर बल्लेबाज है। ऐसे में ऋषभ के लिए सीमित ओवरों के प्रारुप में अपनी जगह पक्की करना आसन नहीं होगा। उनकी वापसी तभी हो सकती है, जब वे कुछ हटकर करके दिखाएं।टेस्ट क्रिकेट में भारत क्या, दुनिया के सबसे अच्छे विकेटकीपर बल्लेबाजों में इस समय ऋषभ का नाम है, लेकिन वह ये बात जानते हैं कि सीमित ओवरों की क्रिकेट में वह टी20 टीम से कोसों दूर हैं। इसके अलावा एकदिवसीय में भी वह टीम में जगह नहीं बना पा रहे हैं। इसी कारण उन्हें युवराज के पास जाना पड़ा है। इसी कारण ऋषभ हाल ही में युवराज के साथ अपनी बल्लेबाजी पर काम करते नजर आए।

जब भारत-श्रीलंका दोनो बने थे विजेता

एजेंसी , मुम्बई

आईसीसी इवेंट में एक बार ऐसा भी रहा है जब खिताबी मुकाबले में दोनो ही टीमें विजेता घोषित कर दी गयी थीं।<इसे सुनकर आप को हैरानी होगी पर ये सही है, लेकिन ऐसा सच में हुआ। ये मामला साल 2002 की है जब भारत और श्रीलंका के बीच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल खेला गया था। इसके फाइनल में भारत और श्रीलंका दोनों चैंपियन बनी थी। खेल में परिणाम आये। इसके लिए नियम बनते और बदलते रहे हैं। इसी के तहत ही रिजर्व डे हो या फिर सुपर ओवर या तकनीक का प्रयोग होता आया है। ऐसा ही एक नियम चैंपियंस ट्रॉफी 2002 के फाइनल में भी लगा था पर इसके बाद भी मैच का परिणाम नहीं निकल पाया। हुआ ये था कि भारत और श्रीलंका के बीच ये फाइनल मुकाबला 29 सितंबर को कोलंबो में जाना था। मैच अपने तय समय से शुरू भी हुआ और श्रीलंकाई टीम ने पहले बल्लेबाजी की। सबकुछ ठीक चल रहा था। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 244 रन भी बनाए। 245 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के लिए भारतीय बल्लेबाज मैदान पर भी उतरे, लेकिन दो ओवर का ही खेल हो पाया था कि बारिश हो गयी। एक बार बारिश शुरू हुई तो फिर घंटों तक पानी गिरता रहा, जिसके कारण खेल को रिजर्व डे में पूरा करने का प्रयास किया गया पर रिजर्व डे में भी बारिश के कारण मैच नहीं हो पाया। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी की और स्कोर बोर्ड पर 7 विकेट के नुकसान पर 222 रन बनाये। इसके बाद भारतीय टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए आठवां ओवर ही खेला था कि फिर बारिश शुरु हो गयी। ऐसे में दोनो टीमों को विजेता घोषित कर दिया गया था।

देश के खेल पत्रकारों का चार दिवसीय स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय सम्मेलन कल से नई दिल्ली में

एजेंसी , नई दिल्ली

देश के खेल पत्रकारों के प्रमुख संगठन स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजेएफआई) का स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय सम्मेलन 13 मार्च से नई दिल्ली में शुरू होगा। चार दिनों तक चलने वाले इस विशेष आयोजन की मेजबानी दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (डीएसजेए) कर रहा है, जिसमें देशभर से खेल पत्रकार भाग लेंगे। यह सम्मेलन भारतीय खेल पत्रकारिता के 50 वर्षों के गौरवशाली सफर का उत्सव मनाने के साथ-साथ इस पेशे के बदलते स्वरूप पर चर्चा का महत्वपूर्ण मंच भी बनेगा। अंतरराष्ट्रीय खेल पत्रकार संगठन इंटरनेशनल स्पोर्ट्स प्रेस एसोसिएशन से मान्यता प्राप्त यह संस्था पिछले पांच दशकों से भारत में खेल पत्रकारिता के विकास में अहम भूमिका निभाती रही है। चार दिवसीय कार्यक्रम में पेशेवर संवाद के साथ-साथ कई खेल प्रतियोगिताओं और संवाद कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। सम्मेलन के दौरान एक बड़ा खेल कॉन्क्लेव आयोजित होगा। इसके अलावा जेके बोस अंतर-क्षेत्रीय ट्वेंटी-ट्वेंटी क्रिकेट प्रतियोगिता और एसी बाली टेबल टेनिस प्रतियोगिता भी कार्यक्रम का हिस्सा होंगी। परिवारों और युवा प्रतिभागियों के लिए मॉडर्न पाइथियन खेल, इंटरएक्टिव गेमिंग जोन तथा अन्य गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। बास्केटबॉल, फुटसल और गोल्फ पुटिंग प्रतियोगिताएं भी सम्मेलन के दौरान कराई जाएंगी। इस स्वर्ण जयंती सम्मेलन को कॉरपोरेट और खेल जगत की कई प्रमुख संस्थाओं का समर्थन मिला है। हीरो मोटोकॉर्प इस आयोजन का मुख्य प्रायोजक है, जबकि अपोलो टायर्स सह-प्रायोजक के रूप में जुड़ा है। इसके अलावा सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क, पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ, जिंदल स्टील, राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब, भारतीय तीरंदाजी संघ सहित कई संस्थाएं इस आयोजन से जुड़ी हुई हैं।सम्मेलन को युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय और भारतीय ओलंपिक संघ का भी सहयोग प्राप्त है, जो इस आयोजन के महत्व को और अधिक दर्शाता है। दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के सचिव साबी हुसैन ने कहा कि स्वर्ण जयंती संस्करण की मेजबानी करना दिल्ली के खेल मीडिया समुदाय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन देशभर के खेल पत्रकारों को एक मंच पर लाकर खेल पत्रकारिता की यात्रा का जश्न मनाने और इसके भविष्य पर गंभीर चर्चा करने का अवसर देगा।

इंडियन वेल्स 2026: डिफेंडिंग चैंपियन जैक ड्रेपर ने नोवाक जोकोविच को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी , इंडियन वेल्स

मौजूदा चैंपियन ग्रेट ब्रिटेन के जैक ड्रेपर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दिग्गज टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच को हराकर इंडियन वेल्स मास्टर्स 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। कड़े मुकाबले में ड्रेपर ने जोकोविच को 4-6, 6-4, 7-6 (7/5) से मात दी। ब्रिटेन के ड्रेपर ने इस मुकाबले में जबरदस्त संघर्ष दिखाया और तीसरे सेट में 38 वर्षीय जोकोविच को थका कर जीत हासिल की। इस हार के साथ ही सर्बिया के स्टार खिलाड़ी जोकोविच का 2016 में अपना पांचवां खिताब जीतने के बाद पहली बार इंडियन वेल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया। मैच के बाद ड्रेपर ने कहा कि उन्होंने यह मुकाबला अपने जज्बे और सकारात्मक सोच के दम पर जीता। उन्होंने कोर्ट पर जोकोविच को लगातार दौड़ने पर मजबूर किया और कई शानदार ड्रॉप शॉट लगाए। पहले दो सेट में मुकाबला बेहद करीबी रहा। तीसरे सेट की शुरुआत में ही एक लंबी और रोमांचक रैली देखने को मिली, जिसमें दोनों खिलाड़ी ड्रॉप शॉट और लॉब का जवाब देते रहे। आखिरकार जोकोविच ने ओवरहेड शॉट लगाकर अंक अपने नाम किया, लेकिन इस दौरान वह काफी थक चुके थे। जोकोविच ने बाद में कहा कि उस लंबे पॉइंट के बाद उनकी ऊर्जा लगभग खत्म हो गई थी। उन्होंने कहा कि वह एक अहम पॉइंट जरूर जीत गए थे, लेकिन इसके बाद उनके पास ज्यादा ताकत नहीं बची। तीसरे सेट में ड्रेपर ने जोकोविच की सर्विस तोड़ दी, हालांकि 5-4 की बढ़त पर मैच खत्म करने का मौका वह तुरंत भुना नहीं सके। इसके बाद मुकाबला टाईब्रेक तक पहुंचा, जहां जोकोविच 4-3 से आगे थे, लेकिन ड्रेपर ने शानदार वापसी करते हुए 7-5 से टाईब्रेक जीत लिया। जोकोविच ने कहा कि मैच के आखिर में उन्हें दर्शकों का समर्थन मिला और उन्हें लगा कि शायद वह मुकाबला पलट सकते हैं, लेकिन अंत में जीत ड्रेपर के हिस्से में गई।

RNI : JHAHIN/2014/54374
Rashtria Mukhyadhara
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

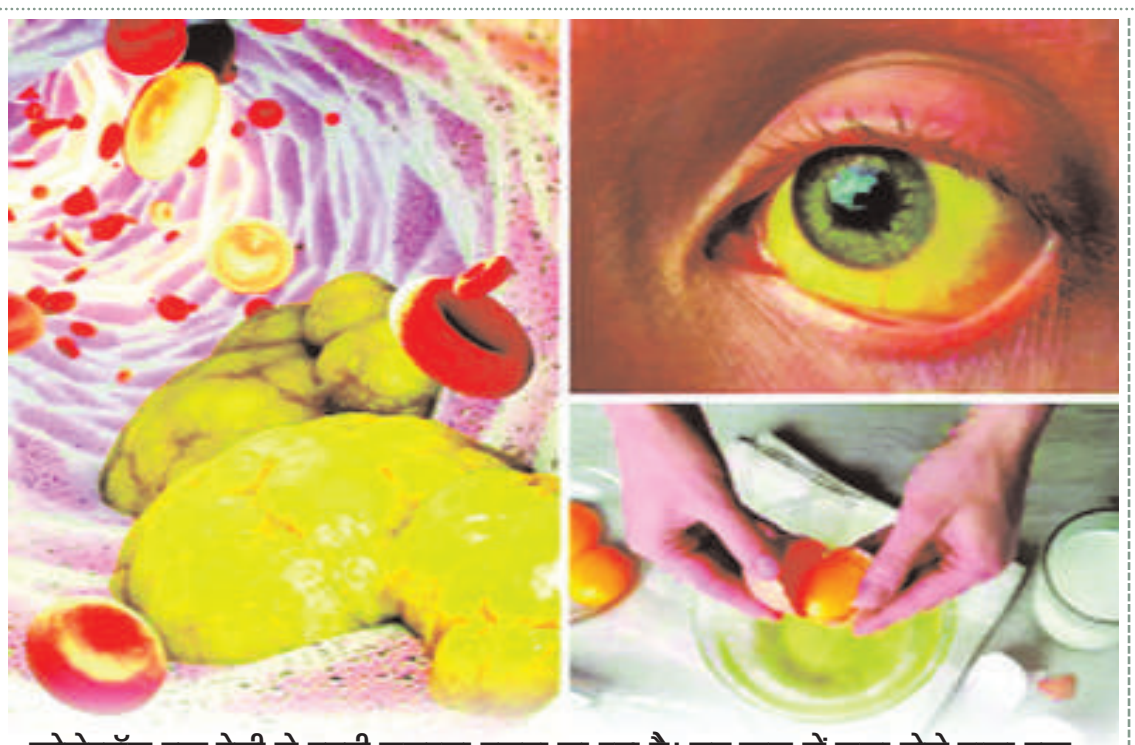

हार्ट अटैक, स्ट्रोक का जोखिम बढ़ाता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल एक तेजी से बढ़ती समस्या बनता जा रहा है। यह खून में जमा होने वाला एक चिपचिपा पदार्थ होता है, जिसका लेवल बढ़ने से खून की नसों में ब्लॉकेज आ सकती है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का नुकसान यह है कि यह ब्लड फ्लो को धीमा या रोक सकता है जिससे आपको हार्ट अटैक, स्ट्रोक, दिल के रोग या नसों के रोग होने का जोखिम बढ़ सकता है।

अगर बात करें कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के लक्षणों की तो कई बार इसके लक्षणों का पता नहीं चल पाता है और जब पता चलता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। वैसे हाई कोलेस्ट्रॉल के कुछ लक्षण हैं, जो आपको अपनी आंखों में नजर आ सकते हैं। अगर आपको आंखों से जुड़ी कुछ समस्या महसूस होती है, तो आपको उनकी जांच के साथ कोलेस्ट्रॉल का भी टेस्ट कराना चाहिए।

जलन और बेचैनी होना

यदि आपके आंखों में अक्सर जलन, खुजली या बेचैनी महसूस होती है, तो यह हाई कोलेस्ट्रॉल का एक संकेत हो सकता है। हाई कोलेस्ट्रॉल से खून में धीरे-धीरे खराब फैट की मात्रा बढ़ती है, जिससे आंखों की सतह पर जलन या खुजली का अहसास हो सकता है।

आंखों में सूखापन रहना

हाई कोलेस्ट्रॉल की वजह से आंखों की सतह आपको कई लक्षण महसूस हो सकते हैं, जैसे आंखों में सूखापन रहना या आंखों का कमजोर होना। यह समस्याएं आंखों की सूजन, खुजली, और पानी आने के कारण हो सकती हैं।

आंखों के पास गांठ बनना

अगर आपकी आंखों के आस-पास किसी भी स्थान पर गांठें हैं, तो यह भी हाई कोलेस्ट्रॉल के लक्षण हो सकते हैं। वास्तव में हाई कोलेस्टेरॉल से फैट से बनता है और फैट आपकी आंखों के आसपास गांठों के रूप में दिख सकता है। इनके अलावा अगर आपकी आंखों की पुतली में रंग का बदलाव या अंधापन महसूस होता है, तो यह कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का एक लक्षण है।

कैसे कम करें कोलेस्ट्रॉल

इसके लिए आपको डाइट और एक्सरसाइज का खास ध्यान रखना चाहिए। कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए आप प्रोटीन डाइट की हेल्प ले सकते हैं। प्रोटीन से भरपूर चीजों के सेवन से आपको कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिल सकती है।

- प्रोटीन रिच फूड्स कम करेंगे बैड कोलेस्ट्रॉल
- दाल और बीन्स- मूंग दाल, तूर दाल, चना दाल, मसूर दाल
- मछली- सार्डिन मछली, मैकरेल फिश, सालमन फिश, ट्राउट फिश
- मांस- चिकन (स्किन निकालकर) और टर्की
- अंडे- अंडे का सिर्फ सफेद हिस्सा
- दही और पनीर- पनीर (लो फैट या स्किम पनीर) और ग्रीक योगर्ट (सुखा योगर्ट)
- ड्राई फ्रूट्स- काजू, बादाम
- सोया प्रोडक्ट्स- टोफू और सोया मिल्क
- अनाज और अनाजवाले उत्पाद- ओट्स, ब्राउन राइस, ब्राउन ब्रेडम किनुआ

पेट में पहुंचते ही कमाल दिखाएगी

अजवाइन

हमारी रसोई के अंदर कितने मसाले मौजूद हैं। जिन्हें खाने को टेस्टी बनाने के लिए डाला जाता है। मगर क्या आप ने सोचा है कि सही तरीके से अगर इन मसालों का उपयोग किया जाए तो ये दवा बन सकते हैं। आयुर्वेद में इन्हें जड़ी-बूटी की तरह बताया गया है।

आयुर्वेदिक डॉक्टर ने बताया कि अजवाइन को यवानी कहा जाता है, जिससे 11 बीमारियों का नाश किया जा सकता है। लेकिन इसे इस्तेमाल करने का सही तरीका आपको जरूर मालूम होना चाहिए। आइए जानते हैं कि अजवाइन के पत्तों या बीजों को दवा कैसे बना सकते हैं?

अजवाइन के बेहतरीन फायदे

- पाचन तंत्र तेज करता है
- भूख और स्वाद बढ़ाता है
- ब्लोटिंग और स्टमक क्रैम्प का इलाज
- पेट के कोलिक पेन से राहत
- पेट में पानी भरने पर असरदार
- पेट के कीड़े मारता है
- टॉक्सिन निकालता है
- खांसी में कारगर
- पीरियड्स के दर्द से राहत
- हाइपरटेंशन से राहत
- वात-कफ दोष में संतुलन लाता है

अजवाइन का पहला उपयोग

- बंद नाक, साइनस, कोल्ड-फ्लू के लिए अजवाइन की भाप ले सकते हैं।
- अजवाइन की कुछ पत्तियां, 1 चम्मच अजवाइन के बीज का तेल उबलते पानी में डालें।
- फिर सिर पर तौलिया रखकर इसकी भाप लें।
- दिन में 2 से 3 बार स्टीम लें।
- इससे फेफड़े खुल जाते हैं और सूजन कम होती है।

अजवाइन का दूसरा इस्तेमाल

- पेट की समस्या, ब्लोटिंग, भारीपन, कमजोर पाचन में इसका काढ़ा पीएं।
- 1 चम्मच अजवाइन के बीज लें।
- इसे 1 गिलास पानी में डालकर उबाल लें।
- फिर इस मिक्सचर को छानकर घूंट-घूंट करके पीएं।
- लेकिन इसे रोजाना ना करें और दिक्कत होने पर ही पीएं।

सेहत के लिए कैसे खतरनाक है मोल्ड टॉक्सिसिटी

हाइजीन की कमी, बैक्टीरिया और फंगस की वजह से शरीर बीमारियों की चपेट में आ सकता है। घरों में सफाई न होने, नमी या सीलन बनी रहने के कारण भी आप फंगस के संपर्क में या सकते हैं। इसकी वजह से कई गंभीर समस्याओं का खतरा भी रहता है। अक्सर घर के किचन, बाथरूम, सिंक आदि के पास दीवार में नमी हो जाती है। इसकी वजह से दीवार पर सफेद या गहरे रंग के झाग जैसे फाहे जम जाते हैं। यह एक तरह का नुकसानदायक कवक और बैक्टीरिया होता है, जिसकी वजह से गंभीर समस्याओं का खतरा रहता है। इसी को मोल्ड टॉक्सिसिटी कहते हैं।

मोल्ड टॉक्सिसिटी के लक्षण

मोल्ड एक प्रकार का कवक होता है जो सतहों पर विकसित होता है, जैसे कि फसल, कागज, दीवार या जमीन। यह आमतौर पर गर्म और आर्द्र के कारण होता है और इसकी वजह से कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं। मोल्ड के संपर्क में आने से कई तरह की एलर्जी और इन्फेक्शन का खतरा रहता है। इसकी वजह से नाक, कान और गले में गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। मोल्ड टॉक्सिसिटी के कुछ प्रमुख लक्षण इस तरह से हैं-

सांस लेने में दिक्कत

यह एक सामान्य लक्षण है जो मोल्ड टॉक्सिसिटी होने पर दिखता है। व्यक्ति को आसानी से सांस लेने में कठिनाई हो सकती है और सांस लेने के दौरान गले में खराश या कफ भी हो सकता है।

नाक से जुड़ी दिक्कतें

जलवायु और वायरल संक्रमण की तरह, मोल्ड टॉक्सिसिटी होने पर भी नायक से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इसमें नाक में खुजली, जलन, और बंद नाक शामिल हो सकते हैं।

स्किन से जुड़ी समस्याएं

मोल्ड टॉक्सिसिटी के कारण व्यक्ति को स्किन पर छाले, चकत्ते, खुजली, दानें आदि हो सकते हैं।

पेट से जुड़ी समस्या

मोल्ड टॉक्सिसिटी के कारण पेट में दर्द, अपच और बदहजमी जैसी समस्याओं का खतरा भी रहता है।

रिस्क फैक्टर

मोल्ड टॉक्सिसिटी के कारण मरीज को इन गंभीर खतरों का सामना करना पड़ सकता है-

एलर्जिक रिएक्शन

बहुत से लोग मोल्ड टॉक्सिसिटी होने पर एलर्जिक रिएक्शन का सामना कर सकते हैं, जो नाक, गला, और आंतरिक सिस्टम में खराबी का कारण बनता है।

अस्थमा

मोल्ड टॉक्सिसिटी वाले व्यक्तियों में अस्थमा का खतरा बढ़ सकता है, जिसमें सांस लेने में कठिनाई और सांस लेने की क्षमता में कमी होती है।

फेफड़ों से जुड़ी समस्या

मोल्ड टॉक्सिसिटी अगर लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसकी वजह से फेफड़ों से जुड़ी गंभीर समस्याओं का खतरा रहता है।

मानसिक समस्याएं

लंबे समय तक के मोल्ड एक्सपोजर के बाद, व्यक्ति में चिंता, डिप्रेशन, या अन्य मानसिक समस्याएं भी हो सकती हैं।

घरों में नमी के कारण दीवार पर फंगस जमा हो जाते हैं, इसके कारण होने वाली समस्याओं को मोल्ड टॉक्सिसिटी कहते हैं।

मोल्ड टॉक्सिसिटी से बचाव

मोल्ड टॉक्सिसिटी से बचाव के लिए आपको इन चीजों का ध्यान रखना चाहिए-

- घर में साफ-सफाई रखें
- सीलन वाली जगहों का विशेष ध्यान दें
- नमी दूर करने के लिए धूप और हवा आने की व्यवस्था करें
- नियमित रूप से दीवारों और घर की सफाई करें

मोल्ड टॉक्सिसिटी से बचने के लिए हाइजीन का ध्यान रखना चाहिए। साफ-सफाई और नमी को दूर करने से आप मोल्ड टॉक्सिसिटी का शिकार होने से बच सकते हैं। मोल्ड टॉक्सिसिटी के लक्षणों को नजरअंदाज करने के बजाय डॉक्टर से संपर्क करें।

क्या गर्मियों में काली मिर्च का पानी पी सकते हैं?

अधिकतर भारतीय घरों में काली मिर्च का उपयोग मसाले के रूप में किया जाता है। काली मिर्च खाने को स्वादिष्ट और पौष्टिक बनाती है। इसके अलावा, काली मिर्च का उपयोग लोग काढ़े के लिए भी करते हैं। आपको बता दें कि काली मिर्च की तासीर बेहद गर्म होती है। इसलिए अधिकतर लोग गर्मियों में काली मिर्च का अधिक मात्रा में सेवन करने से परहेज करते हैं। क्या गर्मियों में काली मिर्च का पानी पी सकते हैं?

काली मिर्च की तासीर बेहद गर्म होती है। इसलिए आपको काली मिर्च का पानी पीने से बचना चाहिए। वैसे तो किसी भी मौसम में काली मिर्च का पानी नहीं पीना चाहिए। लेकिन गर्मियों में तो काली मिर्च के पानी से पूरी तरह परहेज करना चाहिए। गर्मियों में काली मिर्च का पानी पीने से शरीर में गर्मी बढ़ सकती है। यह कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण भी बन सकता है। यानी काली मिर्च का पानी सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक होता है। इसका सीधे तौर पर सेवन करने से बचना चाहिए।

गर्मियों में काली मिर्च का सेवन कैसे करें?

गर्मियों में काली मिर्च का सेवन सीधे तौर पर या अधिक मात्रा में बिल्कुल नहीं करना चाहिए। आप काली मिर्च के पाउडर को किसी पेय पदार्थ के साथ ले सकते हैं। आपको बता दें कि आप काली मिर्च को खीरा, पुदीना, नींबू या सत्तू के पानी के साथ मिलाकर ले सकते हैं। इसके लिए आप काली मिर्च का पाउडर बनाएं। इसे पेय पदार्थ में मिक्स करें और पी लें। इस तरह से काली मिर्च का सेवन करने से शरीर को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है। इससे शरीर को एनर्जी मिलेगी और गर्मी भी नहीं बढ़ेगी।

गर्मियों में काली मिर्च खाने के नुकसान

- गर्मियों में काली मिर्च का सेवन करने से पेट में गर्मी बढ़ सकती है।
- काली मिर्च पेट में जलन या दर्द का कारण बन सकती है।
- इसके अलावा, अगर गर्मियों में काली मिर्च का सेवन किया जाए, तो इससे एसिडिटी या सीने में जलन भी हो सकती है।
- काली मिर्च का अधिक मात्रा में सेवन करने से त्वचा पर मुंहासे निकल सकते हैं।
- इससे त्वचा पर खुजली और रेडनेस की समस्या भी हो सकती है।
- आपको भी गर्मियों में काली मिर्च का सेवन सीधे तौर पर नहीं करना चाहिए। आप किसी पेय पदार्थ के साथ काली मिर्च का पाउडर ले सकते हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

अब मैं अपने एक्टिंग करियर पर पूरा फोकस करना चाहती हूं

रियलिटी शो रियलिटी शो 'द 50' से बाहर होने के बाद अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल ने इंटरव्यू में बड़ा बयान दिया। उन्होंने खुलकर बताया कि शो का अनुभव उनके लिए कैसा रहा और अब वह अपने करियर को किस दिशा में आगे बढ़ाना चाहती हैं। दिव्या अग्रवाल ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ''मुझे इस बात की खुशी है कि मैं अब इस शो से बाहर आ चुकी हूं। यह शो काफी हद तक मेल डॉमिनेटेड था और इसमें बहुत ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी शामिल थी। शो में हर कोई खुद को नोटिस करवाने की कोशिश कर रहा था। इसी वजह से कई बार कंटेस्टेंट्स एक-दूसरे के बारे में अजीब और अनचाही बातें भी कह देते थे। यह माहौल कई बार असहज कर देने वाला होता था।'' दिव्या ने आगे कहा, ''मैंने यह शो अपने फैंस की वजह से किया था। लंबे समय से मेरे फैंस मुझसे कह रहे थे कि मुझे एक और रियलिटी शो में हिस्सा लेना चाहिए। इसी वजह से मैंने 'द 50' में हिस्सा लेने का फैसला किया था।''

उन्होंने कहा, 'अब मैं किसी भी तरह का रियलिटी शो नहीं करूंगी। मेरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ अभिनय पर रहेगा। मैं अपने एक्टिंग करियर पर पूरा फोकस करना चाहती हूं।'' दिव्या अग्रवाल के करियर की बात करें तो उन्होंने मनोरंजन की दुनिया में अपनी पहचान एक रियलिटी शो कंटेस्टेंट के तौर पर बनाई। साल 2017 में उन्होंने 'एमटीवी स्प्लिट्सविला 10' में हिस्सा लिया था। इस शो में वह अभिनेता प्रियांक शर्मा के साथ रनर-अप रहीं और यहीं से उन्हें बड़ी पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने कई रियलिटी शोज और टीवी प्रोजेक्ट्स में काम किया और धीरे-धीरे दर्शकों के बीच लोकप्रिय होती चली गईं। 2018 में दिव्या ने 'एमटीवी ऐस ऑफ स्पेस' में हिस्सा लिया और इस शो की विजेता बनीं। इस जीत ने उन्हें टीवी इंडस्ट्री में और मजबूत पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग में डेब्यू किया और हॉरर वेब सीरीज 'रागिनी एमएमएस: रिटर्न्स' के दूसरे सीजन में नजर आईं। उनके करियर में बड़ा मोड़ तब आया वह 'बिग बॉस ओटीटी सीजन 1' की विजेता बनीं। इस जीत के बाद उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ और उन्हें कई वेब सीरीज, म्यूजिक वीडियो और अन्य प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिलने लगे।

टीवी के बाद अब ओटीटी पर जादू बिखेरेंगी रूप दुर्गापाल

'स्वरागिनी,' 'कुछ रंग प्यार के ऐसे भी,' और 'बालवीर' जैसे कई धारावाहिकों में काम कर घर-घर में अपनी पहचान बना चुकी अभिनेत्री रूप दुर्गापाल अब ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। दरअसल, अभिनेत्री जल्द ही आगामी वेब सीरीज 'संकल्प' में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे अभिनेता मोहम्मद जीशान अय्यूब की पत्नी माधुरी के किरदार में हैं। रूप ने अपने को-स्टार जीशान के अभिनय की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'जीशान बहुत ही शानदार अभिनेता है। एनएसडी से पढ़ाई करने और फिल्मों-वेब सीरीज में इतना अनुभव होने के कारण उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। उनके सीन्स को देखने का नजरिया, भाषा पर अच्छी पकड़ और एनर्जी ने मेरे साथ के सीन को बेहतर बनाया। मैं हर दिन सेट पर उनके आने का इंतजार करती थी।' अभिनेत्री ने आगे सीरीज की पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने बताया कि शानदार कलाकारों के साथ काम करना ही उन्हें इस प्रोजेक्ट में शामिल होने के लिए उत्साहित कर रहा था। अभिनेत्री ने कहा, 'जब सबके पास अच्छा काम होता है, तो सेट पर और बाहर भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। नाना पाटेकर सर और प्रकाश सर के साथ काम करना एक्टिंग, फिल्म बनाने और जिंदगी के कई पहलुओं को समझने जैसा था। मेघना मलिक से भी बहुत कुछ सीखा। हम लंच और डिनर के दौरान भी खूब बातें करते थे। वे न सिर्फ बेहतरीन एक्टर हैं, बल्कि बहुत अच्छे इंसान भी हैं।' उन्होंने आगे बताया कि सीरीज के लिए उन्हें ऑफर कैसे मिला था। उन्होंने बताया, 'साल 2019 तक मैंने टेलीविजन से आगे जाने के बारे में ज्यादा नहीं सोचा था, लेकिन कोविड के दौरान सब कुछ बदल गया। लोगों को जाते देखकर मुझे एहसास हुआ कि जिंदगी बहुत छोटी है। कुछ भी कहा नहीं जा सकता। तब मैंने फैसला लिया कि अब उन चीजों को आजमाना है जिनसे पहले डर लगता था।'

उत्तराखंड के अल्मोड़ा की रहने वाली अभिनेत्री रूप ने सिल्वर स्क्रीन पर परफॉर्म करने के अलावा, थिएटर में भी काम किया, जो उनके लिए नया था। उन्होंने थिएटर को लेकर अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बताया, 'बिना कट, रीटेक के, महीनों रिहर्सल करके स्टेज पर परफॉर्म करना काफी अजीब था, लेकिन जिंदगी की अनिश्चितता ने मुझे हिम्मत दी। स्टेज पर खड़े होकर बिना किसी डर के परफॉर्म करना शानदार अनुभव था। इसी हिम्मत ने मुझे टीवी से आगे बढ़कर वेब सीरीज में आने की ताकत दी।' अभिनेत्री का मानना है कि हर किसी का सफर अलग होता है और सब कुछ अपने सही समय पर ही होता है। उन्होंने कहा, 'शायद मेरा सफर ऐसा ही होना था। सालों की संख्या मायने नहीं रखती। मैं बहुत खुश हूं कि यह सब अपने आप हुआ।' सीरीज का निर्देशन प्रकाश झा ने किया है। रूप ने निर्देशक की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'प्रकाश सर के साथ काम करना किसी बड़े संस्थान में पढ़ाई करने जैसा था। साथ ही काम में मजा भी आता था और यादगार पल भी बनते थे।'

फिल्मों में मिलने वाली फीस सिर्फ जेंडर पर निर्भर नहीं होती

बॉलीवुड में अक्सर यह चर्चा होती रहती है कि एक्टर्स और एक्ट्रेसेस की फीस में काफी फर्क होता है। इसी मुद्दे पर अब अभिनेता सैफ अली खान ने अपनी राय रखी है। हाल ही में यूट्यूब में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान सैफ ने कहा कि फिल्मों में मिलने वाली फीस सिर्फ जेंडर पर निर्भर नहीं होती। उनके मुताबिक किसी कलाकार को कितना पैसा मिलेगा, यह काफी हद तक उसकी स्टार पावर और बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों को थिएटर तक लाने की क्षमता पर निर्भर करता है। सैफ का कहना है कि अगर दो कलाकार एक जैसी स्टार वैल्यू रखते हैं, तो उन्हें बराबर पैसा मिलना चाहिए। लेकिन फिल्म इंडस्ट्री का अपना एक आर्थिक गणित भी होता है। जो कलाकार ज्यादा दर्शक खींचता है, उसकी फीस भी उसी हिसाब से तय होती है।

इंडस्ट्री में चीजें बेहतर हो रही हैं

उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ इसलिए किसी को ज्यादा या कम पैसे नहीं मिलने चाहिए कि वह मेल है या फीमेल। असल में इंडस्ट्री में यह तय होता है कि कौन स्टार बॉक्स ऑफिस पर कितना असर डाल रहा है। सैफ के मुताबिक धीरे-धीरे इंडस्ट्री में चीजें बेहतर हो रही हैं और अब पे-पैरिटी पर पहले से ज्यादा खुलकर बात हो रही है। सैफ अली खान दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर के बेटे हैं। उनकी शादी अभिनेत्री करीना कपूर से हुई है।

वर्कफ्रंट

सैफ जल्द ही नेटफ्लिक्स की पीरियड ड्रामा फिल्म 'हम हिंदुस्तानी' में नजर आएंगे। यह फिल्म भारत के पहले लोकतांत्रिक चुनाव के पीछे की कहानी को दिखाती है। इस फिल्म में प्रतीक गांधी भी अहम भूमिका में हैं और इसका निर्देशन राहुल ढोलकिया ने किया है। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट अभी घोषित नहीं की गई है। इसके अलावा सैफ के पास प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' भी पाइपलाइन में है, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार भी नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है, लेकिन इसकी रिलीज डेट का अभी इंतजार है। पिछले साल सैफ नेटफ्लिक्स की फिल्म 'ज्वेल थीफ: द हीस्ट बिगिन्स' में दिखाई दिए थे।

करीना कपूर ने फिल्मों में खून-खराबे के ट्रेंड पर जाहिर की चिंता

करीना कपूर खान ने हाल ही में फिल्मों में बढ़ती हिंसा और खून-खराबे के ट्रेंड पर अपनी चिंता जाहिर की है। उनका कहना है कि आजकल की कई फिल्मों में पहले जैसी मस्ती, रंग, गाने और रोमांस की कमी महसूस होती है। हाल ही में द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में करीना ने कहा कि मौजूदा समय में कई फिल्में ज्यादा 'क्राइम और खून' पर ज्यादा फोकस करती हैं। उनके मुताबिक, इस तरह की फिल्मों में पहले जैसा मनोरंजन, एनर्जी, रंग और रोमांस देखने को कम मिलता है, जो कभी बॉलीवुड की पहचान हुआ करता था। करीना ने यह भी माना कि सिनेमा में बढ़ती 'हाइपर-मस्कुलिनिटी' यानी अत्यधिक मर्दानगी दिखाने का चलन उन्हें थोड़ा डराता है। उनका मानना है कि फिल्में सिर्फ एक्शन और हिंसा तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनमें प्यार, म्यूजिक और भावनाएं भी उतनी ही जरूरी हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो करीना कपूर खान जल्द ही निर्देशक मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे।

शानदार अभिनेता हैं नाना पाटेकर, अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रहते हैं

अभिनेत्री कुब्रा सैत, जो इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म संकल्प को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उनके साथ नाना पाटेकर हैं। फिल्म संकल्प का निर्देशन प्रकाश झा कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इस बीच क्रुब्रा सैत ने नाना पाटेकर के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। क्रुबा ने कहा कि उन्होंने नाना पाटेकर से अभिनय की बारीकियां सीखीं हैं, साथ ही उन्हें काम के प्रति समर्पण भी सीखने को मिला। नाना पाटेकर की तारीफ करते हुए कुब्रा सैत ने कहा, नाना पाटेकर शानदार अभिनेता हैं। वह अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रहते हैं। वह हर सीन को बहुत गंभीरता से लेते हैं और उसकी तैयारी भी उतनी ही मेहनत से करते हैं। वह अक्सर अगले दिन के सीन्स की कहानी खुद अपने हाथों से लिखते हैं और फिर उसकी हर लाइन को याद भी करते हैं। कुब्रा ने कहा, नाना पाटेकर की लिखने की शैली बहुत प्रभावशाली है और काम करने का तरीका भी बेहद अलग है। सेट पर उन्हें काम करते हुए देखना मेरे लिए किसी सीखने वाली क्लास की तरह है। सेट के बारे में बताते हुए कुब्रा ने कहा, संकल्प के सेट पर कलाकारों के बीच काफी सहयोग भरा माहौल था, जहां हर कोई एक-दूसरे से कुछ नया सीख रहा था। नाना पाटेकर जैसे कलाकार नई पीढ़ी के अभिनेताओं के लिए एक प्रेरणा हैं और उनके साथ काम करना किसी सौभाग्य से कम नहीं है।

अपनी पर्सनल लाइफ के मुद्दे मैं खुद संभाल लूंगा

एक्टर और राजनेता थलापति विजय इन दिनों लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। वजह है उनकी पर्सनल जिंदगी। विजय की पत्नी ने संगीता सोरनलिंगम ने 26 साल के वैवाहिक जीवन के बाद विजय से तलाक के लिए अर्जी डाली है। उन्होंने विजय के एक अभिनेत्री से अफेयर की बात कही है। इसके बाद विजय का नाम एक्ट्रेस तृषा कृष्णन के साथ जोड़ा जाने लगा। इस बीच हाल ही में विजय तृषा के साथ एक कार्यक्रम में भी शामिल हुए। वहीं विजय की फिल्म 'जन नायकन' को लेकर भी विवाद अभी तक थमा नहीं है। इस बीच अब विजय ने अपने आसपास की हाल ही की समस्याओं पर बात की है।

अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में बने थलापति विजय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। यह वीडियो चेन्नई में उनकी पार्टी 'तमिलगा वेट्री कजगम' (टीवीके) के महिला दिवस कार्यक्रम का है। इस कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए विजय ने अपनी हालिया समस्याओं को लेकर बात की। वीडियो में विजय अपने प्रशंसकों से अपील करते हुए दिख रहे हैं कि वे उनकी समस्याओं के कारण दुखी या तनावग्रस्त न हों। उन्होंने कहा, 'कृपया मेरे आसपास की हाल की समस्याओं के बारे में चिंता न करें। ये मुद्दे आपके समय के लायक नहीं हैं। मैं इन्हें खुद संभाल लूंगा। मुझे सबसे ज्यादा दुख तब होता है, जब आप मेरी समस्याओं के कारण दुखी या तनावग्रस्त होते हैं। कृपया मेरे लिए यह बोझ न उठाएं। इसके बजाय, लोगों के कल्याण पर ध्यान दें।'

पत्नी ने दायर की विजय से तलाक की याचिका

विजय की ये टिप्पणी ऐसे समय में आई हैं, जब उनका निजी जीवन ऑनलाइन और मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना हुआ है। कुछ समय पहले ही उनकी पत्नी संगीता सोरनलिंगम ने 26 साल के वैवाहिक जीवन के बाद विजय से तलाक के लिए याचिका दायर की थी। विजय और संगीता का विवाह अगस्त 1999 में हुआ था और उनके दो बच्चे हैं - जेसन संजय और दिव्या शशा। पत्नी ने याचिका में आरोप लगाया गया है कि विजय का एक महिला अभिनेत्री के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। याचिका के अनुसार, संगीता को इस कथित संबंध के बारे में 2021 में पता चला। संगीता ने बाद में निवास सुरक्षा और आर्थिक सहायता के लिए एक और याचिका दायर की।

तृषा के साथ कार्यक्रम में पहुंचे विजय

पत्नी के आरोपों के बाद विजय का नाम तृषा कृष्णन के साथ जोड़ा जाने लगा। तृषा और विजय का नाम इससे पहले भी जोड़ा गया था। हालांकि, बाद में दोनों का रिश्ता खत्म हो गया, लेकिन तृषा ने अभी तक शादी नहीं की है। ऐसे में जब पत्नी ने ये आरोप लगाए, तो सोशल मीडिया पर एक बार फिर तृषा का नाम विजय के साथ जोड़ा जाने लगा। इन आरोपों के बीच विजय तृषा के साथ फिल्म निर्माता कलपथी सुरेश और मीनाक्षी के बेटे के विवाह समारोह में पहुंचे। विजय और तृषा एक ही कार में समारोह में पहुंचे और साथ ही वहां से जाते हुए भी देखे गए। इसके बाद संगीता ने एक नई याचिका भी दायर की है।